सूर्योदय 5:52 सूर्यास्त 6.56

आज का तापमान

शिमला	17.4 न्यू	24.6 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	30.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,235
निफ्टी	24,155

सोना 1,61,000 चांदी 2,47,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 23 अगस्त 2026 | 7 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 118, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

तमिलनाडु सरकार नवजात बच्चों को देगी सोने की अंगूठी

एजेंसी, चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्मे नवजात बच्चों के लिए 1.28 लाख सोने की अंगूठियों के वर्क ऑर्डर जारी किए हैं। इस योजना का बजट 220 करोड़ रुपए है। तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने शुक्रवार देर रात जॉयलुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को ऑर्डर दिए। ये अंगूठियां जून से सितंबर के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को दी जाएंगी। यह योजना 15 सितंबर को द्रविड़ आंदोलन के नेता सीएन अन्नादुरई की जयंती पर शुरू की जाएगी। हालांकि, विपक्ष ने टेंडर प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन, पुतला जलाया

एजेंसी, नई दिल्ली। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में वीरवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने सज्जन कुमार के निधन को कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया था।

विदेश से चीनी आयात, फिर कैसा आत्मनिर्भर भारत: खड़गे

एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी की बढ़ती कीमतों और स्टॉक पर सरकार से 3 सवाल किए। उन्होंने पूछा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार मानने से इनकार किया था। देश के कई शहरों में चीनी की कीमत 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पिछले 3 महीने में इसके दाम करीब 40% यानी ₹19 प्रति किलो तक बढ़े हैं। कीमत कम करने के लिए केंद्र ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर बिना ड्यूटी के आयात करने की मंजूरी दी है।

गुजरात में वाहन में ब्लास्ट, चार की मौत

एजेंसी, कच्छ। गुजरात के कच्छ के नखत्राणा क्षेत्र में शनिवार को एक छोटा हाथी वाहन में अचानक हुए जोरदार विस्फोट से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई और करीब तीन वर्ष उम्र के दो मासूम बच्चे हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। कोटडा जडोदरा के पास भागणवाड़ा क्षेत्र में एक छोटा हाथी वाहन गुजर रहा था। इसी दौरान उस वाहन में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि उसकी आवाज आसपास के दूर-दराज के क्षेत्रों तक सुनाई दी।

जेन-जी से जुड़ेगी भाजपा

नितिन नवीन, स्मृति-तावड़े शामिल, कांग्रेस के पूरा वंदे मातरम न गाने के खिलाफ प्रस्ताव पास

एजेंसी, नई दिल्ली। भाजपा ने जेन-जी यानी युवा वोटर्स से जुड़ने के लिए खास टीम बनाई है। इसमें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े के साथ गुजरात के मंत्री हर्ष सांघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी शामिल हैं।

वहीं, दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को नितिन नवीन की अध्यक्षता में 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई। वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। भाजपा ने कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो पैरा गाने के फैसले की निंदा की।

वंदे मातरम के लिए चलाएगी जागरूकता अभियान

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई नई टीम की बैठक में आगामी चुनावों, संगठन को मजबूत करने और पार्टी के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। नवीन ने कहा कि भाजपा वंदे मातरम का इतिहास और महत्व देशभर में पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। खासतौर पर युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी पूरे वंदे मातरम और उससे जुड़े इतिहास को समझ सके। इससे पहले 19 अगस्त को कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 के अपने फैसले पर कायम रहने का फैसला किया था। इसके तहत कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा ही गाए जाएंगे। भाजपा कांग्रेस के इस फैसले का विरोध कर रही है।

भाजपा 14 से 25 साल के युवाओं को जोड़ेगी

भाजपा की नई टीम 'युवा संवाद' अभियान के जरिए 14 से 25 साल के युवाओं से जुड़ेगी। इसमें बातचीत और चर्चा के जरिए जेन-जी की सोच, समस्याओं और उम्मीदों को समझने की कोशिश होगी। युवाओं को भाजपा नेताओं से सीधे सवाल करने और अपनी बात रखने का मौका भी मिलेगा। कार्यक्रमों का शेड्यूल और जगहों की जानकारी जल्द जारी होगी। 2027 में यूपी, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होंगे। इन 7 राज्यों में करीब 22% वोटर 18 से 29 साल की उम्र के हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इन राज्यों की कुल 940 सीटों में 257 सीटें यानी करीब 27% सीटों पर जीत का अंतर 5% या उससे कम रहा था।

जयपुर में एनटीए के आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम में बिजली गुल

एजेंसी, जयपुर। जयपुर में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से करवाए जा रहे आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम के दौरान लाइट चली गई।

एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड था। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सत्य साई पीजी कॉलेज का शनिवार सुबह 10:20 बजे कुछ स्टूडेंट्स के सिस्टम बंद हो गए। इसके बाद अभ्यर्थियों ने सेंटर के बाहर हंगामा कर दिया। ऐसे में यहां पहली पारी का एग्जाम रद्द कर दिया। वहीं एनटीए ने पहली शिफ्ट के आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम में हुए टेक्निकल एरर के बाद एग्जाम नहीं दे पाने वाले 49 स्टूडेंट्स के लिए 1 सितंबर को फिर से एग्जाम करवाने की घोषणा की है। यह एग्जाम राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन जयपुर के सेंटर पर होगा। एग्जाम देने पहुंची डॉ. सुधा शर्मा ने कहा- एग्जाम का टाइम शनिवार सुबह 10 से 12 बजे तक था। एग्जाम शुरू होने के 20 मिनट बाद

स्टूडेंट्स का हंगामा, परीक्षा रद्द की, 1 सितंबर को दोबारा होगा पेपर

अचानक से कई स्टूडेंट्स के कंप्यूटर बंद पड़ गए। हमें एग्जाम इनविजिलेटर (परीक्षा निरीक्षक) ने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण लाइट चली गई है। थोड़ी देर में आ जाएगी।

ऑब्जर्वर डॉ. हर्षिता सचदेवा ने बताया- पावर सप्लाई में कुछ दिक्कत थी, इसीलिए आधे कंप्यूटर बंद हो गए थे। पता नहीं कैसे आधे कंप्यूटर काम कर थे। पावर सप्लाई कभी आ रही थी, कभी जा रही थी। इसीलिए कुछ कंप्यूटर काम नहीं कर रहे थे। एनटीए ने परीक्षा कैंसिल कर दी है।

झारखंड की सीमेंट फैक्टरी में ब्लास्ट, 3 इंजीनियरों की मौत

एजेंसी, रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ के बरकाकाना में मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्टरी में बड़ा हादसा हो गया। फैक्टरी में काम के दौरान अचानक टरबाइन ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में 3 इंजीनियर्स की झुलसने से मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। यूनिट इंचार्ज का कहना है कि ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ। प्रबंधन से कई बार एसी लगाने का कहा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मृतकों की पहचान रांची के संजीव कुमार केसरी (50), बोकारो के जगेश्वर बिहार के विनीत महतो (25) और गढ़वा निवासी अभिषेक पांडेय (24) के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। घटना को लेकर इलाके में तनाव की स्थिति बनी थी। लोगों में फैक्टरी प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी है।

जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं हो सकता: जस्टिस संजय करोल

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई भाषण में कहा कि जज भगवान नहीं होते। उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। जस्टिस करोल ने कहा, हम जज कोई भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं कर सकते। न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है।

जजों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए। जस्टिस करोल ने कहा कि संविधान जजों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की उम्मीद नहीं करता। वह कानून को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है।

कहा- न्याय के लिए विनम्रता जरूरी, याचिकाकर्ता के पीछे खड़े इंसान को भी देखें

जस्टिस करोल ने संवैधानिकता और न्याय के अर्थ पर बात करते हुए कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का सबसे आसान तरीका धर्म है।

उन्होंने साफ किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है। उन्होंने कहा कि जज का कर्तव्य न्याय का सम्मान करना और यह सुनिश्चित करना है कि अदालत के सामने खड़ा हर व्यक्ति, चाहे वह कितना भी छोटा या कमजोर क्यों न हो, देखा और सुना जाए।

उत्तर प्रदेश में पर्याप्त चीनी उपलब्ध: योगी

सीएम ने की चीनी उपलब्धता की समीक्षा, कहा- कतई परेशान न हों आमजन

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है, इसलिए आम नागरिक कतई परेशान न हों। प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है।

चीनी मिलों ने दो महीने (जून-जुलाई) में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलें 15 अक्तूबर से संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल (कुल 179.38 लाख कुंतल) चीनी प्रदेश में उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जून व जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है, इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर 15 अक्तूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद की समस्त पंजीकृत चीनी मिलों, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराते हुए उपलब्ध स्टॉक की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट प्राप्त करें। निर्धारित सीमा से अधिक स्टॉक धारित करने अथवा जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई की जाए।

भ्रम फैलाने व कालाबाजारी करने वालों पर करें कार्रवाई

मुख्यमंत्री योगी ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी बताकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि चीनी की कालाबाजारी और भ्रम फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने भारत सरकार के निर्देश के क्रम में कहा कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक चीनी स्टॉक का भंडारण नहीं करेगा और वे एक समय में 400 टन से ज्यादा स्टॉक भी नहीं रख सकते। बल्क कंज्यूमर्स (10 मीट्रिक टन प्रतिमाह खपत) भी 15 दिन से अधिक का स्टॉक नहीं रख सकते। चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के अंतर्गत विक्रित चीनी को विक्रय की तिथि से सात दिन से अधिक अवधि तक गोदाम में नहीं रोकेंगी।

सर्दी-जुकाम की दो दवाइयों का संयोजन बच्चों के लिए बैन

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खासी जुकाम की क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड के संयोजन वाली सभी फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन(एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर नए प्रतिबंध लागू किए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि चार साल से कम उम्र के बच्चों को ये दवाएं नहीं दी जाएंगी। शनिवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, इन दवाओं के लेबल, पैकेज इंसर्ट व प्रचार सामग्री पर चेतावनी लिखना अनिवार्य होगा। इससे पहले 15 अप्रैल 2025 को कुछ चुनिंदा एफडीसी दवाओं पर यह प्रतिबंध लगाया गया था, अब सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए

4 साल से छोटे बच्चों को खतरा पैकेट पर वार्निंग लिखना जरूरी

क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाली सभी एफडीसी दवाओं को इस नियम के तहत शामिल कर लिया है। सरकार ने यह फैसला विशेषज्ञ समिति और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर लिया है। सरकार का कहना है कि चार साल से कम उम्र के बच्चों में इन दवाओं के इस्तेमाल से जोखिम हो सकता है।

पंजाब के सीएम केवल चुटकुले सुनाकर टाइम पास कर रहे: मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान केवल चुटकुले सुनाकर अपना टाइम पास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भगवंत मान बताएं कि आम आदमी पार्टी द्वारा पिछले चुनाव के समय महिलाओं व युवाओं से किए वादों का क्या हुआ? आम आदमी पार्टी ने महिलाओं से हर महीने 1000 रुपए देने का वादा किया था और सरकार बने 5 साल होने को है और अब अगले चुनाव सिर पर आ गए हैं, तब भी पंजाब के मुख्यमंत्री स्टेज से महिलाओं से पूछ रहे हैं कि बहन एक महीने के पैसे खाते में डालूं या दो महीने के या तीन महीने के? यह मजाक नहीं तो और क्या है? इसी प्रकार कानून-व्यवस्था की खराब हालत के चलते इंडस्ट्री पंजाब से पलायन कर रही है जिससे युवाओं

के सामने रोजगार का संकट खड़ा है, हताश-निराश युवा लगातार नशे के दलदल में धंसता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंजाब के पटियाला जिले के घनौर कस्बे में आयोजित तीज महोत्सव में पंजाब की मातृशक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महिलाओं को नारी सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं को कोथलियां और सूट वितरित किए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली महिला कलाकारों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले चुनाव में तो आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों को गुमराह करके वोट ले लिए लेकिन इस बार पंजाब की जनता, विशेषकर माताएं-बहनें पूरी तरह से जागरूक हैं। इस बार महिलाएं पंजाब में बदलाव करने के लिए तत्पर हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर वे पंजाब में भाजपा की सरकार बनाकर पुन: हंसता-खेलता पंजाब बनाएंगी। पंजाब का युवा वर्ग भी अब यहां भाजपा सरकार बनाने का मन बना चुका है।

भारत-मॉरीशस ने किया दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत व मॉरीशस ने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए पांच वर्ष के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) मॉरीशस की पेट्रोल, हाईस्पीड डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) की पूरी आयात जरूरत पूरी करेगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की 20-21 अगस्त की मॉरीशस यात्रा के दौरान समझौते के दस्तावेजों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों देशों ने तेल एवं गैस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन भी किया है। इसमें पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और जैव ईंधन क्षेत्र में सहयोग शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की ऊर्जा सुरक्षा साझेदार के रूप में भूमिका को और मजबूत करेगा।

तमिलनाडु में मुख्यमंत्री रेखा ने कार्बिड सेंटर का किया उद्घाटन, कहा-

संक्रामक रोगों पर अत्याधुनिक शोध को मिलेगी नई गति

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तमिलनाडु में वेलूर स्थित वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) में 'सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च इन बैक्टीरियोफेज एंड इंफेक्शियस डिजीजेज' (कार्बिड) का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा आज अनुसंधान से समाधान और नवाचार से जनकल्याण की दिशा में नई ऊंचाइयां छू रही है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के सहयोग से स्थापित यह केंद्र संक्रामक रोगों के क्षेत्र में अत्याधुनिक शोध को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान स्वस्थ भारत के संकल्प को मजबूत करते हुए वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान में भारत की भूमिका को और सशक्त

कहा- वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान में भारत की भूमिका होगी और मजबूत

बनाएंगे। उल्लेखनीय है कि आईसीएमआर द्वारा फंड किए गए प्रतिष्ठित एक्स्ट्रा-म्यूरल 'सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च' प्रोग्राम के तहत वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में डॉ. एन रमेश ने कार्बिड की स्थापना की। कार्बिड जानलेवा बैक्टीरियल इन्फेक्शन से निपटने के लिए बैक्टीरियोफेज के आइसोलेशन, कैरेक्टराइजेशन और इलाज में उनके इस्तेमाल से जुड़ी अत्याधुनिक रिसर्च को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। खासकर एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोध) के बढ़ते मामलों को देखते हुए। यह सेंटर संक्रामक रोगों के मैनेजमेंट में मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, ट्रांसलेशनल रिसर्च और कंसल्टेंसी सर्विस पर सक्रिय रूप से काम करता है।

हरिद्वार में मुख्यमंत्री ने भूरी वाले महाराज को अर्पित की श्रद्धांजलि

हताश और कुंठा में हैं राहुल गांधी: धामी

एजेंसी, हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के सप्तसरोवर मार्ग स्थित बंदी छोड़ श्री ब्रह्मनिवास आश्रम में आयोजित 51वें निर्वाण दिवस कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मलीन भूरी वाले महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की और संत समाज व धार्मिक संस्थाओं के योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे पवित्र स्थानों पर वही व्यक्ति पहुंचता है, जिस पर सद्गुरु की कृपा होती है। धार्मिक संस्थाओं और संत समाज ने हमेशा धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सद्गुरुओं ने स्वयं को तिल-तिल जलाकर राष्ट्र की रक्षा का मार्ग दिखाया है। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर की जा रही कार्रवाई से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री धामी ने भाजपा सरकारों का बचाव करते हुए कहा कि इसी कारण

कहा- पीएम मोदी के नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर बढ़ा भारत का सम्मान

देश की जनता डबल इंजन की सरकारों को चुन रही है। उन्होंने दावा किया कि जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली सरकारों को जनता नकार रही है।

धामी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय से रुकी योजनाएं अब धरातल पर आ रही हैं और विकास कार्यों में तुष्टिकरण को आधार नहीं बनाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के हंगामे को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की हताशा और कुंठा लगातार बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनके भीतर सामंतवादी सोच है और वह इससे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। धामी ने कहा कि राहुल गांधी यह मानकर चल रहे हैं कि देश की संसद और देश उनके हिसाब से चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग लंबे समय तक देश की सत्ता पर अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते रहे, आज उनके मुताबिक परिस्थितियां नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सामान्य परिवार से आने के बावजूद देश को बेहतर ढंग से चला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के हर वर्ग के लिए काम हो रहा है और वैश्विक स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से विपक्ष में हताशा दिखाई दे रही है।

मानसून सत्र — मुख्यमंत्री सुक्खू ने तीन पूर्व विधायकों के निधन पर जताया शोक, योगदान को किया याद

जल शक्ति विभाग में भरे जाएंगे मल्टी टास्क वर्कर के चार हजार पद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शनिवार को सदन की कार्यवाही की शुरुआत तीन पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त करने के साथ हुई।

सदन में पूर्व विधायक ज्ञान चंद, विजयेंद्र सिंह व राम चंद भाटिया के निधन पर शोकोद्गार प्रकट किए गए। सदस्यों ने उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन में योगदान को याद किया और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद सदन में कुछ क्षण का मौन रखा गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शोकोद्गार व्यक्त करते हुए पूर्व विधायक विजयेंद्र सिंह के राजनीतिक जीवन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विजयेंद्र सिंह का 1 जुलाई 2026 को 80 वर्ष की

आयु में निधन हुआ। वह नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 1977, 1982, 1985, 1990 और 1993 में नालागढ़ का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की थी। प्रदेश सरकार में उन्होंने मुख्य संसदीय सचिव और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली। मुख्यमंत्री ने नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राम चंद भाटिया को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 78 वर्ष की आयु में 29 जुलाई 2026 को उनका निधन हुआ। राम चंद भाटिया नगरोटा से तीन बार विधानसभा सदस्य रहे।

उन्होंने 1982, 1985 और 1990 में विधानसभा चुनाव जीते। वह विधानसभा की कई समितियों के सदस्य भी रहे। मुख्यमंत्री ने थुरल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ज्ञान चंद के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान चंद का 3 जून 2026 को 89 वर्ष की आयु में निधन हुआ। उन्होंने 1977 में थुरल विधानसभा क्षेत्र का विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया था। मुख्यमंत्री सुक्खू ने तीनों पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक जताते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त कीं। वहीं, हिमाचल प्रदेश विधानसभा में शनिवार को प्रश्नकाल के दौरान जल शक्ति विभाग में मल्टी टास्क वर्कर का मामला उठा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधायक भुवनेश्वर गौड़ के सवाल के जवाब में कहा कि जल शक्ति विभाग में जल्द ही मल्टी टास्क वर्कर के 4 हजार पद भरे जाएंगे। मल्टी टास्क वर्करों की भर्ती पूर्व सरकार के समय बनाई गई नीति के आधार पर जारी है।

खाली पड़े कार्यशील पदों को भरा जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग और हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड में खाली पड़े कार्यशील पदों को भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली बोर्ड के अधिशाषी अभियंता के माध्यम से बिजली मित्रों की भर्ती की जाएगी। मनाली विधानसभा क्षेत्र में भी बिजली मित्रों की भर्ती होगी। इसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। बेलदार के पदों को लेकर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन पदों को पूर्व सरकार के समय ही समाप्त कर दिया गया था। इनके स्थान पर मल्टी टास्क वर्कर की नीति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ या आपदा के समय होने वाला काम ठेके पर कराया जाता है। यह काम ठेकेदार के माध्यम से कराया जाता है। मुख्यमंत्री के अनुसार यह व्यवस्था पिछले 40 से 50 वर्षों से चली आ रही है।

हिमाचल में पंचायत चौकीदारों के 566 पद समाप्त

पंचायतों में 400 बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं की होगी तैनाती, सरकार को होगी सालाना 1.70 करोड़ की बचत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की ग्राम पंचायतों में वर्षों से सुरक्षा और रखरखाव से जुड़े कार्य संभाल रहे पंचायत चौकीदारों के 566 रिक्त पद समाप्त कर दिए गए हैं। सरकार ने इन पदों को डाइंग कैडर घोषित करने का निर्णय लिया है। अब इनकी जगह ग्राम पंचायतों में 400 बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं की बाह्य सेवा आधार पर नियुक्ति की जाएगी। विधायक इंद्र दत्त लखनपाल के सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने विधानसभा में यह जानकारी दी। सरकार के अनुसार नई व्यवस्था लागू होने से वित्तीय बोझ कम होगा और हर वर्ष करीब 1.70 करोड़ रुपये की बचत होगी।

आयुष विभाग में 111 पद खाली : आयुष विभाग में आयुष फार्मासिस्ट के 111 पद वर्तमान में रिक्त हैं। विधायक आशीष शर्मा के सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि जनवरी 2023 से अब तक आयुर्वेदिक फार्मेसी अधिकारियों के 81 पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं। विभाग के अनुसार कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और पदोन्नति के कारण समय-समय पर पद रिक्त होते हैं। इन रिक्तियों को प्रचलित भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के तहत भरने की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

भरमौर में बढ़ा मानव-वन्यजीव संघर्ष : चंबा जिले के भरमौर विधानसभा क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने बताया कि पिछले तीन वर्षों के दौरान जंगली भालुओं के हमलों से जुड़े 22 मामलों में प्रभावित लोगों को कुल 8.91 लाख रुपये की राहत राशि वितरित की गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में वन्यजीवों और आबादी के बीच बढ़ते संपर्क को देखते हुए ऐसे मामलों में राहत और सुरक्षा उपायों को लेकर लगातार मांग उठती रही है।

चिकित्सा संस्थानों में 1,164 पद स्वीकृत : राज्य सरकार ने चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अधीन आने वाले आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों और डेंटल कॉलेजों में पिछले तीन वर्षों के दौरान 1,164 पद स्वीकृत किए हैं।

ग्रामीण सेवाओं में बदलाव पर सरकार का जोर

सरकार के अनुसार पंचायतों में बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं की तैनाती से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न आवश्यक कार्यों को एक ही व्यवस्था के तहत पूरा करने में मदद मिलेगी। इन कर्मचारियों से पंचायतों में सफाई, रखरखाव, सार्वजनिक संपत्तियों की देखरेख और अन्य स्थानीय कार्यों से संबंधित जिम्मेदारियां लिए जाने की संभावना है। बाह्य सेवा आधार पर नियुक्ति होने से पंचायतों को जरूरत के अनुसार मानव संसाधन उपलब्ध कराने में भी सुविधा मिलेगी। वहीं आयुष विभाग में रिक्त पदों का मामला भी विधानसभा में चर्चा का विषय रहा। सरकार ने कहा कि विभाग में रिक्तियों को भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के अनुसार भरने की प्रक्रिया जारी रहती है। इससे आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायता मिलने की उम्मीद है। भरमौर क्षेत्र में भालुओं के हमलों से जुड़े मामलों को लेकर सरकार ने राहत राशि के आंकड़े भी सदन में रखे।

विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल के लिखित उत्तर में सरकार ने बताया कि इन संस्थानों के भवन निर्माण के लिए कुल 7,79,32,97,469 रुपये की राशि उपलब्ध करवाई गई है।

इसके अतिरिक्त भवनों के रखरखाव के लिए 33,87,06,981 रुपये स्वीकृत किए गए हैं। सरकार के अनुसार चिकित्सा संस्थानों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए स्वीकृत पदों तथा निर्माण कार्यों पर काम किया जा रहा है। विधानसभा में दिए गए इन जवाबों से स्पष्ट हुआ कि सरकार विभिन्न विभागों में खाली पदों, कर्मचारियों की नियुक्ति, पंचायत स्तर पर कार्य व्यवस्था, मानव-वन्यजीव संघर्ष और स्वास्थ्य संस्थानों के बुनियादी ढांचे से जुड़े मामलों पर जानकारी उपलब्ध करा रही है।

टांडा में स्टेंट घोटाले को लेकर भाजपा का हमला, स्वास्थ्य मंत्री पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता,धर्मशाला। कांगड़ा स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल टांडा में सामने आए कथित स्टेंट घोटाले को लेकर भाजपा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा ने मामले को गंभीर बताते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और स्वास्थ्य मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

शनिवार को जारी बयान में संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि मरीजों के जीवन और आर्थिक हितों से जुड़े इस मामले में सरकार का रवैया बेहद ढुलमुल है। उन्होंने कहा कि करीब 14 हजार रुपये कीमत का स्टेंट मरीजों को लगभग 40 हजार रुपये में बेचे जाने की बात सामने आई है। उनका आरोप है कि निविदा प्रक्रिया में अयोग्य घोषित की गई फर्मों को भी कथित तौर पर आपूर्ति के ठेके दिए गए।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जांच रिपोर्ट में निविदा प्रक्रिया में अनियमितताओं, अनधिकृत भंडारण और अधिक कीमत वसूलने जैसे आरोप सामने आए हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार लोगों और अधिकारियों के खिलाफ अब तक सख्त आपराधिक कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने सरकार से जवाब मांगा।

संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार ने केवल समिति गठित कर मामले को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास किया है। उन्होंने पूछा कि यदि अनियमितताएं सामने आई हैं तो दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांगड़ा और आसपास के जिलों से हर वर्ष बड़ी संख्या में मरीज टांडा के हृदय रोग विभाग में उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मरीजों के हितों से जुड़े मामले में सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से तत्काल इस्तीफे की मांग की।

संजय शर्मा ने कहा कि टांडा मेडिकल कॉलेज जैसे प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान में मरीजों से जुड़ी किसी भी वित्तीय अनियमितता को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि स्टेंट की कीमतों में कथित अंतर से मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा। भाजपा ने सरकार से मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और संबंधित फर्मों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच में यदि अनियमितताओं की पुष्टि होती है तो जिम्मेदार लोगों पर आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने सरकार से पूरी प्रक्रिया और जांच की प्रगति सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई।

मंडी में विद्यार्थियों को शैक्षणिक-सामाजिक गतिविधियों में आगे बढ़ने का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के इतिहास विभाग की इतिहास सोसायटी एवं मीडिया क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी से मुलाकात की। इस दौरान सोसायटी की अध्यक्ष मनीषा और उपाध्यक्ष लखविंदर ने कुलपति को विभाग की विभिन्न शैक्षणिक, शोध, सह-पाठ्यक्रम, सांस्कृतिक और मीडिया गतिविधियों की जानकारी दी। कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने विभाग की गतिविधियों पर संतोष व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

हिमाचल में आठ आईएएस समेत 13 अधिकारियों की सेवानिवृत्ति तय, 2027 तक खाली होंगे कई अहम पद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने आठ आईएएस अधिकारियों समेत 13 अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की तारीख तय कर दी है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार इन अधिकारियों की सरकारी सेवा से विदाई जनवरी से अक्टूबर 2027 के बीच होगी। इनमें प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर तैनात कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

आठ आईएएस अधिकारियों में सबसे पहले 2018 बैच के डॉ. पंकज ललित 31 जनवरी 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। वह वर्तमान में निदेशक महिला एवं बाल विकास के पद पर हैं। 1994 बैच के ओंकार चंद शर्मा और 2018 बैच के दलीप कुमार नेगी 28 फरवरी 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। ओंकार चंद शर्मा अतिरिक्त मुख्य सचिव जनजातीय विकास एवं परिवहन हैं, जबकि दलीप कुमार नेगी विशेष सचिव राज्य कर एवं आबकारी तथा गृह के पद पर कार्यरत हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों की सेवानिवृत्ति से कई अहम पदों पर बदलाव तय

2019 बैच के सतीश कुमार शर्मा 31 अगस्त 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। वह राजस्व प्रशिक्षण संस्थान जोगिंदरनगर के निदेशक हैं। 2010 बैच के चंदर प्रकाश वर्मा और 2014 बैच के पंकज राय 30 सितंबर 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। चंदर प्रकाश वर्मा सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सचिव लोकायुक्त के पद पर हैं, जबकि पंकज राय पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में डिप्टी डायरेक्टर (प्रशासन) हैं।

2015 बैच के हरबंस सिंह ब्रास्कॉन और 2019 बैच के आशीष कुमार कोहली 31 अक्टूबर 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। ब्रास्कॉन विशेष सचिव पीडब्ल्यूडी, एसएडी, जीएडी और संसदीय कार्य के साथ शिमला स्मार्ट सिटी के सीईओ-कम-एमडी हैं। आशीष कुमार कोहली निदेशक स्कूल शिक्षा हैं।

सरकारी आवास आवंटन में पारदर्शिता पर हाईकोर्ट ने सरकार को दिए कड़े निर्देश

हाईकोर्ट ने मौजूदा व्यवस्था को अपारदर्शी बताया, आवास आवंटन में सुझाए बदलाव

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य में सरकारी आवासों के आवंटन की मौजूदा व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे तर्कहीन और अपारदर्शी बताया है। अदालत ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को आवास देने की वर्तमान प्रक्रिया काफी हद तक लॉटरी जैसी प्रतीत होती है और इसमें पारदर्शिता तथा व्यावहारिकता का अभाव है। न्यायमूर्ति अजय मोहन गोयल ने सरकार को सरकारी आवास आवंटन से जुड़े नियमों की समीक्षा कर व्यवस्था में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए हैं।

यह आदेश अमित कुमार ठाकुर की ओर से दायर याचिका की सुनवाई के दौरान पारित किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने हिमाचल प्रदेश सरकारी आवास आवंटन (सामान्य पूल) नियम, 1994 के नियम छह पर विशेष आपत्ति जताई। इस नियम के तहत कर्मचारियों को प्रत्येक कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में सरकारी आवास प्राप्त करने के लिए नए सिरे से आवेदन करना पड़ता है।

हर साल नए आवेदन की व्यवस्था पर सवाल: अदालत ने कहा कि वर्ष की शुरुआत में आवेदन की प्रक्रिया ऐसी स्थिति पैदा करती है, जिसमें जो व्यक्ति पहले आवेदन कर देता है, उसे प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कोर्ट ने इस व्यवस्था की तुलना 'फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट' से करते हुए कहा कि इस तरह की प्रक्रिया के पीछे कोई ठोस और तर्कसंगत आधार दिखाई नहीं देता।

हाईकोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग के एकाधिकार और मौजूदा अपारदर्शी व्यवस्था को समाप्त करने के लिए व्यावहारिक बदलाव करने की आवश्यकता जताई। अदालत ने कहा कि सरकारी आवास आवंटन की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें कर्मचारियों के साथ समान व्यवहार हो और आवास उपलब्ध कराने में स्पष्ट प्राथमिकता तय हो।

स्थायी सूची बनाने का सुझाव : कोर्ट ने निर्देश दिया कि हर साल नई सूची या नया प्रारूप तैयार करने के बजाय एक स्थायी और एकल सूची बनाई जानी चाहिए। इसमें कर्मचारियों की वरिष्ठता आवेदन जमा करने की तारीख के आधार पर निर्धारित की जा सकती है। इससे कर्मचारियों को हर वर्ष दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी और आवास आवंटन की प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित हो सकेगी।

अदालत ने कहा कि जिन कर्मचारियों को सरकारी आवास मिल जाता है, उनका नाम सूची से हटा दिया जाना चाहिए। इसी तरह सेवानिवृत्त होने वाले या स्थानांतरित कर्मचारियों के नाम भी सूची से हटाए जाएं।

5 सितंबर तक आवेदन का मौका, होमगार्ड भर्ती अभ्यर्थी जल्द करें आवेदन

होमगार्डों को पुलिस भर्ती में मिली पांच साल आयु की छूट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पुलिस कांस्टेबल (पुरुष एवं महिला) भर्ती की तैयारी कर रहे होमगार्ड जवानों के लिए राहत की खबर है। प्रदेश सरकार के गृह विभाग के निर्णय के बाद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग ने होमगार्ड जवानों को ऊपरी आयु सीमा में एकमुश्त पांच वर्ष की विशेष छूट देने का निर्णय लिया है। आयोग ने इस संबंध में आवश्यक शुद्धि पत्र जारी कर दिया है।

आयु सीमा में छूट मिलने के बाद पात्र होमगार्ड अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर देने के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिन बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक अभ्यर्थी 5 सितंबर 2026 रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद आयोग का आवेदन पोर्टल स्वत: बंद हो जाएगा।

नए पात्र अभ्यर्थियों को मिलेगा अवसर आयोग के इस निर्णय से उन होमगार्ड जवानों को लाभ मिलेगा, जो पहले निर्धारित आयु सीमा के कारण पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे थे। पांच वर्ष की विशेष छूट के बाद ऐसे अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पात्र हो सकेंगे।

लोक सेवा आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों ने पहले ही इस भर्ती के लिए सफलतापूर्वक आवेदन कर दिया है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है। पहले से आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों के आवेदन यथावत मान्य रहेंगे।

केवल आयु सीमा में मिली विशेष छूट के दायरे में आने वाले नए पात्र होमगार्ड जवानों को ही बढ़ाई गई समय सीमा के दौरान अपना पंजीकरण और आवेदन पूरा करना होगा।

केवल ऑनलाइन आवेदन की सुविधा : आयोग ने अभ्यर्थियों को स्पष्ट किया है कि आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं। डाक, व्यक्तिगत रूप से या किसी अन्य ऑफलाइन माध्यम से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आयोग ने अभ्यर्थियों से आवेदन करते समय सभी आवश्यक जानकारी और दस्तावेज सावधानीपूर्वक भरने की अपील की है। आवेदन की अंतिम तिथि 5 सितंबर 2026 है, इसलिए पात्र उम्मीदवारों को अंतिम समय का इंतजार न करने की सलाह दी गई है।

वंदे मातरम् विरोध पर कांग्रेस से माफी की मांग, बिंदल ने साधा तीखा निशाना

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने विधानसभा में संपूर्ण 'वंदे मातरम्' के गायन को लेकर कांग्रेस के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन का विरोध कर कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और अमर बलिदानियों की भावनाओं का अपमान किया है। बिंदल ने कांग्रेस से अपने रुख पर पुनर्विचार करने और देश से माफी मांगने की मांग की।

डॉ. बिंदल ने शनिवार को कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 'वंदे मातरम्' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह केवल एक गीत नहीं था, बल्कि आजादी के आंदोलन के दौरान देशभक्ति और संघर्ष का प्रमुख उद्घोष बना। अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों ने इसके उद्घोष के साथ अंग्रेजी शासन का विरोध किया और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन तक बलिदान कर दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आजाद भारत में कांग्रेस की ओर से संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन का विरोध किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि आखिर उसे संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन से आपत्ति क्यों है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े विषयों को राजनीतिक लाभ के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए।

बिंदल ने कांग्रेस पर वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही विभाजन की त्रासदी झेल चुका है और उसके घाव आज भी इतिहास के पीड़ादायक अध्याय हैं। इसके बावजूद कांग्रेस ने कथित तौर पर राजनीतिक हितों को राष्ट्रीय गौरव से जुड़े मुद्दों से ऊपर रखा है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को एकजुट करने और उनमें राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में हिमाचल प्रदेश विधानसभा जैसे लोकतांत्रिक और संवैधानिक मंच पर इसके सम्मान को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

बिंदल ने कहा कि वंदे मातरम् किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। यह मातृभूमि के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रतीक है।

हलफनामे की कानूनी खामी से रामलाल ठाकुर की चुनाव याचिका खारिज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने श्री नैना देवी जी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक एवं पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणधीर शर्मा के निर्वाचन को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री रामलाल ठाकुर की चुनाव याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति संदीप शर्मा की अदालत ने 18 अगस्त 2026 को चुनाव याचिका संख्या एक, 2022 में यह फैसला सुनाया। इसके साथ ही वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाली यह याचिका हाईकोर्ट में समाप्त हो गई।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में श्री नैना देवी जी क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे रामलाल ठाकुर ने भाजपा प्रत्याशी रणधीर शर्मा के निर्वाचन को चुनौती दी थी। याचिका में मतगणना, डाक मतपत्र और कथित भ्रष्ट आचरण से संबंधित कई आरोप लगाए गए थे। विधानसभा चुनाव 12 नवंबर 2022 को हुआ था, जबकि मतगणना आठ दिसंबर 2022 को हुई थी।

मामले की सुनवाई के दौरान रणधीर शर्मा की ओर से चुनाव याचिका में मौजूद वैधानिक कमियों पर आपत्ति जताई गई। मुख्य मुद्दा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 83(1), चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 94ए और निर्धारित प्रारूप-25 के अनुसार हलफनामा दाखिल नहीं किए जाने से जुड़ा था।

हाईकोर्ट ने 26 सितंबर 2025 के आदेश में पाया था कि रामलाल ठाकुर की ओर से चुनाव याचिका के समर्थन में दाखिल हलफनामा निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। अदालत ने कमी दूर करने के लिए 15 अक्टूबर 2025 तक नया हलफनामा दाखिल करने का अवसर दिया था। साथ ही स्पष्ट किया था कि तय समय में अनुपालन नहीं होने पर याचिका आदेश सात नियम 11, सीपीसी के तहत खारिज की जा सकती है।

इसके बाद अक्टूबर 2025 में नया हलफनामा दाखिल किया गया, लेकिन रणधीर शर्मा की ओर से उस पर भी आपत्ति जताई गई। अंतिम सुनवाई में अदालत ने नए हलफनामे और निर्धारित प्रारूप-25 का परीक्षण किया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में सुधीर शर्मा से विजिलेंस ने शिमला मुख्यालय में दोबारा की लंबी पूछताछ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। आय से अधिक संपत्ति मामले में भाजपा विधायक सुधीर शर्मा शुक्रवार को शिमला स्थित विजिलेंस मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश हुए। धर्मशाला विजिलेंस थाने के तहत चल रही जांच में उनसे करीब पौने दो घंटे तक पूछताछ की गई। सुधीर शर्मा भाजपा विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ विजिलेंस मुख्यालय पहुंचे।

इससे पहले 18 अगस्त को धर्मशाला में भी उनसे पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद सुधीर शर्मा ने सरकार और विजिलेंस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताया था। हालांकि उन्होंने कहा कि वह कानून और जांच प्रक्रिया का सम्मान करते हैं और मांगी गई जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं।

विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान सुधीर शर्मा से उनकी आय, संपत्तियों, निवेश, भूमि लेनदेन और खर्च से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली गई। रक्कड़ स्थित उनके आवास के निर्माण और साज-सज्जा पर हुए खर्च का विवरण भी मांगा गया। इसमें ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के नाम, किए गए कार्य, बिल, भुगतान की राशि, तारीख और भुगतान के माध्यम सहित बैंकिंग व वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक, सुधीर शर्मा मकान निर्माण में लगे ठेकेदारों का पूरा विवरण उपलब्ध नहीं करा सके।

विजिलेंस ने आय, संपत्ति और निवेश से जुड़े दस्तावेजों पर सुधीर से मांगा जवाब

पूछताछ के दौरान सुधीर शर्मा के साथ विधायक विपिन सिंह परमार, सतपाल सिंह सत्ती, बलबीर वर्मा, डॉ. जनक राज, इंद्रदत्त लखनपाल, राकेश जम्वाल और त्रिलोक जम्वाल समेत अन्य नेता भी विजिलेंस मुख्यालय पहुंचे। लोकेंद्र कुमार, दीप राज, आशीष शर्मा और पूर्ण चंद ठाकुर ने भी वहां पहुंचकर समर्थन जताया।

2016 की चार्जशीट से अलग है मामला : भाजपा ने 24 दिसंबर 2016 को तत्कालीन वीरभद्र सिंह सरकार के खिलाफ 75 पन्नों की चार्जशीट तत्कालीन राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सौंपी थी। उस समय सुधीर शर्मा शहरी विकास मंत्री थे। चार्जशीट में शहरी विकास विभाग, हिमुडा और बिल्डरों से जुड़े मामलों में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे।

वेतनसंकट तीन माह के वेतन और एरियर को लेकर मिड डे मील वर्कर्स ने शिक्षा निदेशक से लगाई गुहार

तीन माह से अटका वेतन, मिड डे मील वर्कर्स ने उठाई आवाज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला। मिड डे मील वर्कर्स यूनियन संबंधित सीटू के प्रतिनिधिमंडल ने पिछले तीन महीनों के वेतन और बकाया एरियर के भुगतान समेत विभिन्न मांगों को लेकर निदेशक प्रारंभिक शिक्षा विभाग आशीष कोहली से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मई, जून और जुलाई का लंबित वेतन जल्द जारी करने की मांग रखी। निदेशक ने प्रतिनिधिमंडल को वेतन और एरियर का शीघ्र भुगतान करने तथा हर महीने समय पर पूरा वेतन देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही मेडिकल जांच समेत अन्य मुद्दों पर भी सकारात्मक समाधान का भरोसा दिलाया।

प्रतिनिधिमंडल में सीटू जिला कोषाध्यक्ष बालक राम, यूनियन महासचिव शांति देवी, जानकी मेहता, सुनीता, जयवंती, बिमला, सुमन, कविता, रीना, रीता, यशोदा, दलीप और श्रीकांत सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

सीटू जिला कोषाध्यक्ष बालक राम और महासचिव शांति देवी ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों का समाधान नहीं किया तो सितंबर में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में करीब 21 हजार बच्चों के लिए मिड डे मील तैयार करने का काम वर्कर्स करती हैं, लेकिन उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट की एकल और खंडपीठ मिड डे मील वर्कर्स के पक्ष में फैसला दे चुकी हैं। अदालत ने 10 महीने के बजाय 12 महीने का वेतन देने की बात कही थी, लेकिन सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया है। वर्कर्स को पूरे वर्ष नियमित अवकाश भी नहीं मिलता और कई बार तीन-तीन महीने तक वेतन लंबित रहता है।

यूनियन ने मांग की कि हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार 12 महीने का वेतन दिया जाए और हरियाणा की तर्ज पर मासिक वेतन सात हजार रुपये किया जाए। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की तर्ज पर साल में 20 दिन की छुट्टी, 25 बच्चों की अनिवार्य संख्या की शर्त समाप्त करने, सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी और पेंशन देने की मांग की गई।

वर्कर्स ने मेडिकल जांच का पूरा खर्च शिक्षा विभाग द्वारा उठाने, मिड डे मील योजना को जमा दो कक्षा तक लागू करने और हर महीने की पहली तारीख को पूरा वेतन जारी करने की मांग भी रखी। चुनाव के दौरान पोलिंग पार्टियों के लिए भोजन तैयार करने पर अतिरिक्त मानदेय देने और मिड डे मील वर्कर्स को नियमित करने के लिए नीति बनाने की मांग भी उठाई गई।

मिड डे मील वर्कर्स यूनियन संबंधित सीटू के प्रतिनिधिमंडल ने मई, जून और जुलाई के लंबित वेतन तथा एरियर के भुगतान को लेकर निदेशक प्रारंभिक शिक्षा विभाग आशीष कोहली से मुलाकात की। निदेशक ने जल्द भुगतान और हर महीने समय पर पूरा वेतन देने का आश्वासन दिया। यूनियन ने चेतावनी दी कि मांगों का समाधान नहीं होने पर सितंबर में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। वर्कर्स ने 10 की बजाय 12 महीने का वेतन, सात हजार रुपये मासिक मानदेय, साल में 20 दिन अवकाश, सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी-पेंशन और चिकित्सा जांच का पूरा खर्च विभाग द्वारा उठाने की मांग की।

यमुनोत्री में पहली बार पहुंचे 6.68 लाख श्रद्धालु

चारधाम यात्रा ने बनाया नया रिकॉर्ड, पिछले वर्ष के मुकाबले 5.22 लाख अधिक श्रद्धालु पहुंचे धाम

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में चुनौतीपूर्ण मानसूनी परिस्थितियों के बावजूद चारधाम यात्रा लगातार जारी है और श्रद्धालुओं की आस्था का उत्साह कम नहीं हुआ है। यात्रा शुरू होने के 125 दिनों में ही बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में 48 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5 लाख 22 हजार 634 अधिक है। बढ़ती श्रद्धालु संख्या ने इस वर्ष की यात्रा को खास बना दिया है। खासतौर पर यमुनोत्री धाम में यात्रियों की संख्या ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। पहली बार यहां 6 लाख 68 हजार से अधिक श्रद्धालु मां यमुना के दर्शन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रियों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार की ओर से चारों धामों और यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की

गई हैं। जिलाधिकारियों को भी यात्रा व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। मानसून के दौरान भूस्खलन, अतिवृष्टि और सड़क अवरोध जैसी चुनौतियों को देखते हुए प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य सरकार के अनुसार रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिलों में आपदा प्रबंधन तंत्र को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। मौसम खराब होने की स्थिति में यात्रा को नियंत्रित किया जा रहा है। प्रशासन की कोशिश है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके। मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्गों की निगरानी भी लगातार की जा रही है।

इस वर्ष 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा की शुरुआत हुई थी। 21 अगस्त तक बदरीनाथ धाम में 16 लाख 54 हजार 263, केदारनाथ धाम में 14 लाख 65 हजार 370, गंगोत्री धाम में 7 लाख 47 हजार 671 और यमुनोत्री धाम में 6 लाख 68 हजार 163 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

बदरीनाथ समेत सभी धामों में बढ़ा यात्रियों का आंकड़ा

बदरीनाथ धाम में भी इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष यहां 3 लाख 62 हजार 304 अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। यह बढ़ोतरी उत्तराखंड के धार्मिक पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं यमुनोत्री धाम में भी पिछले वर्षों की तुलना में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। वर्ष 2025 में यहां 6 लाख 44 हजार 637 श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि इस वर्ष 6 लाख 68 हजार 163 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ श्रद्धालुओं की आस्था ने बनाया नया रिकॉर्ड

देहरादून। सरकार का कहना है कि चारधाम यात्रा केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं है बल्कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था और पर्यटन गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण आधार है। यात्रा से स्थानीय होटल, ढाबे, परिवहन, घोड़ा-खच्चर संचालक, छोटे दुकानदार और अन्य कारोबार जुड़े हुए हैं। ऐसे में यात्रियों की बढ़ती संख्या से स्थानीय लोगों को भी रोजगार और व्यवसाय के अवसर मिल रहे हैं।

हालांकि मानसून के दौरान यात्रा संचालन प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। सरकार का जोर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ाने से अधिक उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने पर है। मौसम के अनुसार यात्रा को नियंत्रित करना, संवेदनशील मार्गों पर निगरानी रखना और आपदा प्रबंधन दलों को तैयार रखना इसी रणनीति का हिस्सा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए चारधाम यात्रा आगे भी जारी रखने की तैयारी है।

संत समाज के मार्गदर्शन से धर्म, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण को मिलती है प्रेरणा : धामी

सीएम धामी ने 51वें निर्वाण दिवस पर सतगुरु लाल दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सहस्रसरोवर रोड, भूपतवाला स्थित श्री ब्रह्म निवास आश्रम में सतगुरु लाल दास महाराज के 51वें निर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने सतगुरु लाल दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने आध्यात्मिकता, सेवा, सत्य और भक्ति के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत समाज ने सदैव धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और आचार्यों का मार्गदर्शन समाज को धर्म एवं संस्कृति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति कठिन परिस्थितियों में भी समाज और राष्ट्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने की सीख देती है।धामी ने कहा कि देश में सनातन धार्मिक संस्कृति के पुनर्जागरण का स्वर्णिम काल चल रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के साथ उत्तराखंड के धार्मिक

संत समाज के मार्गदर्शन से आगे बढ़ता उत्तराखंड।

स्थलों के विकास पर भी सरकार विशेष ध्यान दे रही है। 2013 की आपदा में क्षतिग्रस्त केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से किया गया है। मंदिर माला मिशन के तहत प्रदेश के विभिन्न मंदिरों के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी जारी है।

उन्होंने कहा कि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इससे दुर्गम तीर्थस्थलों तक श्रद्धालुओं की पहुंच आसान होगी और बुजुर्ग तीर्थयात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। हरिद्वार में गंगा कॉरिडोर, ऋषिकेश कॉरिडोर, आस्था पथ तथा शारदा और यमुना तटों के विकास के कार्य भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड के मूल स्वरूप, पवित्रता और सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। देश-दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। देवभूमि की संस्कृति और सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाली गतिविधियों तथा अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बदली गांवों की तस्वीर : भाजपा

अनिल थपलियाल। भाजपा प्रवक्ता ने उत्तराखंड में विकास कार्यों को लेकर सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ा गया। उत्तराखंड की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए 250 की आबादी वाले गांवों तक सड़क पहुंचाने का निर्णय लिया गया। सड़क कनेक्टिविटी बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक अधिकारियों की पहुंच आसान हुई है। उन्होंने धामी सरकार को विकास के प्रति प्रतिबद्ध बताया।

तलवाड़ी महाविद्यालय में गूंजा नशामुक्त समाज का संदेश

अनिल थपलियाल। थराली के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आलम सिंह फरस्वाण राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी में एंटी ड्रग सेल ने नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों और कर्मचारियों को नशे के बढ़ते प्रचलन और उसके दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने नशामुक्त समाज के निर्माण में परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज की सामूहिक भूमिका पर जोर दिया। चित्रों और प्रस्तुतियों के माध्यम से शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान बताए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ ली।

देहरादून में कानून-व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

अनिल थपलियाल। देहरादून में लगातार बढ़ते गोलीकांड और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ कांग्रेस ने शनिवार को 'जन सुरक्षा न्याय मार्च–सुरक्षित राजधानी, जवाबदेह सरकार' के तहत प्रदर्शन किया। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में पथरी बाग चौक से लाल पुल चौक तक निकाले गए मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजधानी की जनता डर के साए में नहीं, बल्कि सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण में रहने का अधिकार रखती है। उन्होंने सरकार से कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी तय करने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

दो गुटों में विवाद के बाद फायरिंग, युवक के कंधे में लगी गोली

अनिल थपलियाल। देहरादून के पटेलनगर इंडस्ट्री एरिया में दो गुटों के विवाद के बाद दिनदहाड़े फायरिंग से हड़कंप मच गया। हथियारबंद युवकों ने पहले एक गुट पर गोली चलाई और पीछा करने पर दोबारा फायरिंग की, जिसमें साहिल नामक युवक के कंधे में गोली लगी। घायल को महंत इंद्रेश अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने एक आरोपी रोहित को कार समेत गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

गैरसैंण में चट्टान पर फंसी गाय को फायर यूनिट ने सुरक्षित बचाया

उदित नैनवाल। नगर पंचायत गैरसैंण की सूचना पर फायर यूनिट की टीम 22 अगस्त को आगर चट्टी के समीप पुल के नीचे पहुंची। यहां नदी किनारे चट्टान में एक गाय फंसी हुई थी। तेज बहाव और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद फायर कर्मियों ने सूझबूझ और तत्परता से रेस्क्यू अभियान चलाकर गाय को सुरक्षित बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने भी अभियान में सहयोग किया। टीम की तत्परता से बेजुबान की जान बचाई जा सकी।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाला अंतरराज्यीय गिरोह गिरफ्तार, 192 कार्ड बरामद

अनिल थपलियाल। विकासनगर पुलिस ने एटीएम बूथों पर मदद के बहाने कार्ड बदलकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों के 192 एटीएम कार्ड, अवैध तमंचा, दो कारतूस, नकदी, मोबाइल फोन, कार और बाइक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बुजुर्गों, महिलाओं और सीधे-सादे लोगों को निशाना बनाकर उनका कार्ड बदलते और पिन हासिल कर खाते से रकम निकाल लेते थे। आरोपी कई राज्यों में ऐसी वारदातों के मामलों में जेल जा चुके हैं।

पौड़ी के शिक्षक गबर सिंह बिष्ट को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

भारतेंदु संवाददाता, पौड़ी। पौड़ी के शिक्षक गबर सिंह बिष्ट को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान मिलेगा। शिक्षा में उनके नवाचारों से विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल की। उनके प्रयासों से 30 से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति मिली। कोरोना काल में भी उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से बच्चों को पढ़ाया।

रतूड़ा इंटर कॉलेज में पुलिस का जागरूकता कार्यक्रम छात्रों को अपराध से बचाव की दी जानकारी

अनिल थपलियाल

रुद्रप्रयाग पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में छात्र-छात्राओं को अपराधों से बचाव, नशामुक्ति, साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजकीय इंटर कॉलेज रतूड़ा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसओजी एवं एएनटीएफ प्रभारी उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार और कोतवाली रुद्रप्रयाग की महिला उपनिरीक्षक भागीरथी भंडारी ने विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। जितेंद्र कुमार ने स्मैक, चरस, गांजा, अफीम और डोडा जैसे मादक पदार्थों के सेवन व अवैध कारोबार के दुष्परिणाम बताए तथा विद्यार्थियों को शिक्षा, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

साइबर सुरक्षा के तहत अज्ञात कॉल, फर्जी नौकरी, लॉटरी, ओटीपी और यूपीआई पिन से संबंधित धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी गई। साइबर अपराध होने पर 1930 और साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत की जानकारी दी गई। महिला उपनिरीक्षक ने महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकार, साइबर बुलिंग और आपातकालीन सहायता के लिए 112 तथा गौरा शक्ति की जानकारी दी। साथ ही नाबालिगों को वाहन न चलाने और हेलमेट पहनने की अपील की गई।

भाजपा ने कांग्रेस पर एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने का लगाया आरोप

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में भाजपा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में बाधा डालने और बीएलओ तथा भाजपा के बीएलए-2 को धमकाने का आरोप लगाया है। प्रदेश महामंत्री एवं एसआईआर प्रभारी तरुण बंसल के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराई। भाजपा ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर मतदाताओं के नाम दो राज्यों में दर्ज होने, मृत्यु या स्थानांतरण जैसी स्थिति में आपत्ति दर्ज कराने के बाद शिकायतकर्ताओं और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े लोगों को धमकाया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने इसे सरकारी कार्य में बाधा बताते हुए आरोपितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। भाजपा ने कहा कि एसआईआर संवैधानिक प्रक्रिया है और स्वतंत्र तथा पारदर्शी तरीके से त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करने के लिए इसमें किसी भी तरह का व्यवधान नहीं होना चाहिए।

पीपलकोटी टनल हादसा : टनल में फंसी जिंदगियों के लिए दिन-रात चला रेस्क्यू ऑपरेशन

उदित नैनवाल

13 अगस्त की शाम मायापुर (पीपलकोटी) स्थित टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में पानी के रिसाव और भूस्खलन की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। जिलाधिकारी चमोली गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार तत्काल घटनास्थल पहुंचे। बारिश, अंधेरे, मलबे और टनल के भीतर की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद रेस्क्यू टीमों का लक्ष्य हर श्रमिक तक पहुंचना रहा। पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक लगातार अभियान की निगरानी की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी पूरी रात अधिकारियों के संपर्क में रहे और 14 अगस्त को खराब मौसम के बावजूद पीपलकोटी पहुंचकर अभियान का जायजा लिया। उन्होंने रेस्क्यू टीमों का मनोबल बढ़ाया और घायल श्रमिकों से मुलाकात की। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, सेना, सीआईएसएफ, डीडीआरएफ, फायर सर्विस, जिला प्रशासन और अन्य एजेंसियों ने समन्वय के साथ 117 घंटे से अधिक समय तक अभियान चलाया।

टनल से पानी निकालने, मलबा हटाने और मशीनरी बाहर निकालने के साथ लगातार खोजबीन की गई। प्रशासन ने प्रभावित श्रमिकों और उनके परिजनों की सहायता को भी प्राथमिकता दी। यह अभियान कई परिवारों के लिए उम्मीद लेकर आया, लेकिन कुछ श्रमिकों को न बचा पाने का दर्द भी हमेशा जुड़ा रहेगा।

12 दिन बाद मिला लापता चालक हवलदार पंकज रुधौला का शव

उदित नैनवाल

ज्योतिर्मठ तहसील क्षेत्र के ग्राम लोंग सेगड़ी के समीप 10 अगस्त को तमक नाले में अतिवृष्टि से आए तेज पानी और मलबे की चपेट में आने से सीमा सड़क संगठन की 123 इकाई में तैनात चालक हवलदार पंकज रुधौला लापता हो गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सीमा सड़क संगठन और गढ़वाल राइफल्स की टीमों ने सघन खोज अभियान शुरू किया। ड्रोन और प्रशिक्षित खोजी कुत्तों की मदद से तमक नाले, आसपास के क्षेत्रों और नदी किनारे लगातार तलाश की गई। कठिन परिस्थितियों के बावजूद 12 दिनों तक अभियान जारी रहा। शनिवार को धौलीगंगा नदी किनारे भलागांव के पास पंकज रुधौला का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

गंगा की सहायक नदियों में प्लास्टिक रोकने को लेकर प्रशासन सख्त

उदित नैनवाल

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में शनिवार को जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में गंगा और उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता, सीवरेज, सेप्टेज तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि गंगा की मुख्य धारा तक पहुंचने से पहले ही सहायक नदियों, नालों और जलस्रोतों में प्लास्टिक तथा ठोस कचरे के प्रवाह को प्रभावी तरीके से रोका जाए। उन्होंने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का नियमित और प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में बिना शोधन के सीवेज को नदियों में प्रवाहित न किया जाए। सेप्टिक टैंकों से निकलने वाले अपशिष्ट का भी वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नगर निकायों को स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, नियमित संग्रहण और वैज्ञानिक निस्तारण व्यवस्था मजबूत करने को कहा। अधिक मात्रा में ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले संस्थानों और प्रतिष्ठानों को चिन्हित कर उनके स्तर पर प्रभावी कचरा प्रबंधन व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एसडीओ फॉरेस्ट जुगल किशोर, परियोजना निदेशक आनंद सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों से पर्यावरण संरक्षण और नदी स्वच्छता के लिए आपसी समन्वय से प्रभावी कार्रवाई करने पर जोर दिया गया।

सितंबर से उत्तराखंड में गरमाएगा सियासी माहौल, पहाड़ में प्रियंका तो मैदान में राहुल को उतारेगी कांग्रेस

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस सितंबर से अपने राष्ट्रीय नेताओं को मैदान में उतारकर सियासी माहौल गरमाने की तैयारी में है। पार्टी की रणनीति के तहत राहुल गांधी मैदानी जिलों हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में सभाएं व रैलियां करेंगे, जबकि प्रियंका गांधी वाड्रा पर्वतीय जिलों चमोली और अल्मोड़ा में जनसभाओं के जरिए पार्टी की चुनावी रणनीति को धार देंगी। प्रस्तावित कार्यक्रमों की तिथियां जल्द तय की जाएंगी। राहुल गांधी युवाओं, रोजगार, महंगाई और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे। वहीं प्रियंका गांधी पलायन, महिलाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे पहाड़ी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरेंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट समेत अन्य नेताओं के दौरे भी प्रस्तावित हैं। कांग्रेस की योजना राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता के साथ प्रदेश संगठन को मजबूत करने और स्थानीय मुद्दों को चुनावी अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाने की है।

बीआईएस ने उद्योगों को बताए गुणवत्ता और सुरक्षा के भारतीय मानक

अनिल थपलियाल

भारतीय मानक ब्यूरो के देहरादून शाखा कार्यालय की ओर से सिडकुल हरिद्वार स्थित होटल गार्डन व्यू में औद्योगिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य उद्योग जगत को पैकेजिंग और कॉस्मेटिक्स से संबंधित भारतीय मानकों की जानकारी देना तथा उत्पादों की गुणवत्ता और उपभोक्ता सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष बीआईएस देहरादून के निदेशक एवं प्रमुख हेमंत बी. अडे ने कहा कि भारतीय मानक गुणवत्ता, सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने उद्योगों से बीआईएस मानकों को अपनाकर उत्पादों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की अपील की।

◆ सिडकुल हरिद्वार में बीआईएस का औद्योगिक सम्मेलन, पैकेजिंग और कॉस्मेटिक्स के गुणवत्ता मानकों पर हुआ मंथन

बीआईएस की संयुक्त निदेशक नीलम सिंह ने तकनीकी प्रस्तुति के माध्यम से पैकेजिंग तथा कॉस्मेटिक्स से जुड़े विभिन्न भारतीय मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण और प्रमाणन प्रक्रिया की जानकारी दी। एसएमएयू हरिद्वार के उपाध्यक्ष डॉ. मोहिंदर आहूजा ने ऐसे आयोजनों को उद्योगों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में उपयोगी बताया। सम्मेलन में सिडकुल क्षेत्र के उद्योग प्रतिनिधियों, उद्यमियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस दौरान मानकों के अनुपालन और गुणवत्ता सुधार से जुड़े विषयों पर सक्रिय चर्चा हुई।

देहरादून में देशभर के 50 कलाकार दिखाएंगे लोक कला का हुनर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में 'वन्दे मातरम्–150 वर्ष' की थीम पर 24 से 27 अगस्त तक चार दिवसीय लोक एवं जनजातीय कला कार्यशाला, प्रदर्शनी और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले आयोजन में देशभर के करीब 50 कलाकार हिस्सा लेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य लोक एवं जनजातीय कला को प्रोत्साहित करने के साथ पारंपरिक कला विधाओं को नई पीढ़ी से जोड़ना है। कलाकार भारतीय संस्कृति, परंपराओं, प्रकृति, लोक जीवन और राष्ट्रप्रेम को अपनी कलाकृतियों में प्रस्तुत करेंगे।

प्रशिक्षण लीन सिक्स सिग्मा प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को मिलेंगे बेहतर अवसर

रोजगार और शोध में आधुनिक कौशल जरूरी : ऋतु खण्डूडी भूषण

अनिल थपलियाल

कोटद्वार स्थित डॉ. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला का विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भविष्य के लिए रोजगार क्षमता, करियर एवं शोध विकास तथा लीन सिक्स सिग्मा के माध्यम से संस्थागत प्रक्रियाओं में उत्कृष्टता पर केंद्रित रहा। समापन कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को समस्याओं की पहचान करने, उनके प्रभावी समाधान तलाशने और संस्थागत प्रक्रियाओं को अधिक बेहतर, व्यवस्थित तथा परिणाममुखी बनाने की जानकारी दी गई। इंटरनेशनल प्रोसेस एक्सीलेंस काउंसिल के रिसोर्स पर्सन दीपक द्विवेदी ने प्रतिभागियों को लीन सिक्स सिग्मा, गुणवत्ता प्रबंधन, प्रक्रिया सुधार और कार्यक्षमता बढ़ाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया।

समापन अवसर पर ऋतु खण्डूडी भूषण ने विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों, छात्र-छात्राओं और प्रतिभागियों को लीन सिक्स सिग्मा व्हाइट बेल्ट के प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से गुणवत्ता प्रबंधन, समस्या समाधान, प्रक्रिया सुधार और आधुनिक तकनीक से जुड़े व्यावहारिक कौशल विकसित करने में सहायता मिलती है।

कई प्रतिभागी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे

कार्यशाला का आयोजन एवं संचालन महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. आर.के. द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) डी.एस. नेगी, प्रो. (डॉ.) ज्योति खरे, प्रो. (डॉ.) इंदु तिवारी, डॉ. मोहन कुकरेती, डॉ. संजय मदान, डॉ. सुमन सिंह सहित प्राध्यापक, विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कोटद्वार कॉलेज में स्थापित होगा एक्सीलेंस प्रोसेसिंग सेल

विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कोटद्वार के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में एक्सीलेंस प्रोसेसिंग सेल स्थापित किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, प्रक्रिया उत्कृष्टता और कौशल विकास के क्षेत्र में सीखने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास महाविद्यालय को नई दिशा देने के साथ विद्यार्थियों को बदलते रोजगार बाजार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

ये सुविधाएं मिलेंगी

महाविद्यालय के अनुसार, संस्थान के लिए यह कार्यशाला विशेष उपलब्धि रही। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार भारत का पहला ऐसा महाविद्यालय बना है, जहां बायोटेक्नोलॉजी, वनस्पति विज्ञान और बीजेएमसी विभागों के अधिकांश छात्र-छात्राओं ने लीन सिक्स सिग्मा व्हाइट बेल्ट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है। इससे विद्यार्थियों में गुणवत्ता, कार्यक्षमता और समस्या समाधान की समझ विकसित होने की उम्मीद है।

जनता की राय से तैयार होगा कांग्रेस का पंजाब चुनावी घोषणापत्र

युवाओं, किसानों और कामगारों से सुझाव लेकर 2027 चुनाव के लिए घोषणापत्र तैयार करेगी कांग्रेस

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने चुनावी घोषणापत्र को केवल राजनीतिक वादों का दस्तावेज बनाने के बजाय इसे जनता की आकांक्षाओं, समस्याओं और जरूरतों पर आधारित बनाने का फैसला किया है। कांग्रेस की नवनियुक्त घोषणापत्र समिति ने तय किया है कि राज्य के सभी वर्गों और क्षेत्रों के लोगों से सुझाव लेकर 'जनता का घोषणापत्र' तैयार किया जाएगा। समिति जल्द ही पंजाब के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर लोगों से सीधे संवाद करेगी।

घोषणापत्र समिति की पहली बैठक चंडीगढ़ में हुई। इसकी अध्यक्षता फतेहगढ़ साहिब से सांसद डॉ. अमर सिंह ने की। बैठक में अमृतसर से सांसद गुरजीत सिंह औजला, पूर्व मंत्री परगट सिंह और हरदियाल सिंह कंबोज समेत समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए। बैठक में घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया और जनता से सुझाव जुटाने के तरीके पर विस्तार से चर्चा की गई। समिति ने माना कि घोषणापत्र पार्टी संगठन के भीतर बैठकर तैयार करने के बजाय जनता की वास्तविक प्राथमिकताओं को समझकर बनाया जाना चाहिए।

युवाओं और नई पीढ़ी पर विशेष ध्यान : कांग्रेस इस बार युवाओं और पहली बार मतदान करने वाली नई पीढ़ी के मुद्दों को घोषणापत्र में प्रमुख स्थान देने की तैयारी में है। शिक्षा, परीक्षा व्यवस्था और रोजगार को युवाओं से जुड़े प्रमुख मुद्दों के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी का मानना है कि पंजाब के बड़ी संख्या में युवा बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों की तलाश में दूसरे राज्यों और विदेशों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि उन्हें पंजाब में ही बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए किस तरह की नीतियां बनाई जानी चाहिए।

समिति विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में भी युवाओं से बातचीत करने की योजना बना रही है। विद्यार्थियों से उनकी शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और भविष्य से जुड़ी अपेक्षाओं के बारे में सुझाव लिए जाएंगे। युवाओं की बदलती जरूरतों और आकांक्षाओं को चुनावी दस्तावेज में जगह देने पर विशेष जोर रहेगा। हालिया रिपोर्टों के अनुसार कांग्रेस की योजना युवा केंद्रित मुद्दों को घोषणापत्र की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल करने की है।

किसानों से लेकर कामगारों तक संवाद : घोषणापत्र समिति की पहुंच केवल युवाओं तक सीमित नहीं रहेगी। समिति किसानों, व्यापारियों, उद्योग प्रतिनिधियों, कर्मचारी संगठनों, शिक्षकों, प्रोफेसरों, सामाजिक संस्थाओं, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से भी सुझाव लेगी। इसके अलावा छोटे कामगारों और रोजमर्रा की आजीविका से जुड़े लोगों की समस्याओं को भी समझने का प्रयास किया जाएगा।

कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। इसलिए किसानों से खेती, लागत, आय और कृषि क्षेत्र से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों पर सुझाव लिए जाएंगे। वहीं उद्योग और व्यापार क्षेत्र से निवेश, रोजगार और कारोबार को बढ़ावा देने से जुड़े विषयों पर राय ली जाएगी।

जीरकपुर लग्जरी स्टोर से डेढ़ करोड़ का सामान गायब, मैनेजर पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट स्थित फिनेस द लग्जरी स्टोर से करीब डेढ़ करोड़ रुपये का रेडीमेड कपड़ा, आयातित कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान गायब होने का मामला सामने आया है। स्टोर मालिक अरविंद कुमार की शिकायत पर पुलिस ने स्टोर मैनेजर मोहिना दीवानी उर्फ डिंपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 306 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, सामान की आवाजाही और संबंधित लोगों की गतिविधियों की जांच कर रही है।

शिकायत के अनुसार, 10 अगस्त की सुबह स्टोर कर्मचारी सिया और मंजू वहां पहुंचीं तो शटर का ताला टूटा हुआ मिला। दोनों ने अंदर जाकर जांच की तो बड़ी मात्रा में सामान गायब था। स्टोर मालिक को इसकी सूचना दी गई। प्रारंभिक जांच में 200 से अधिक रेडीमेड ड्रेस, करीब 15 हजार मीटर आयातित कपड़ा, दो एसी, लैपटॉप और कंप्यूटर सिस्टम, साउंड सिस्टम, शीशे, फर्नीचर, स्टोर फिक्स्चर तथा कपड़ों के नमूने समेत कई अन्य वस्तुएं गायब पाई गईं।

स्टोर मालिक ने गायब सामान की अनुमानित कीमत करीब 1.50 करोड़ रुपये बताई है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन स्टॉक रजिस्टर, खरीद बिल, इन्वेंट्री रिकॉर्ड और अन्य कारोबारी दस्तावेजों के मिलान के बाद ही हो सकेगा।

सुरक्षा गार्ड के बयान से मैनेजर पर संदेह : शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि सुरक्षा गार्ड ने कर्मचारियों को जानकारी दी थी कि 9 अगस्त की शाम करीब सात से आठ बजे के बीच स्टोर मैनेजर मोहिना दीवानी को स्टोर के पीछे सामान की आवाजाही के दौरान देखा गया था। पूछताछ करने पर मैनेजर ने कथित तौर पर बताया था कि स्टोर की जगह बदली जा रही है। इसके बाद चोरी का पता चलने पर कर्मचारियों ने मालिक को इसकी जानकारी दी। शिकायत के मुताबिक, कर्मचारियों ने बाद में अपटाउन स्काईला स्थित मैनेजर के फ्लैट पर जाकर जांच की। वहां कुछ ऐसी वस्तुएं मिलीं, जो स्टोर से संबंधित प्रतीत हो रही थीं। कर्मचारियों ने इन वस्तुओं की तस्वीरें स्टोर मालिक को भेजीं।

न्यूज ब्रीफ

पटियाला के शिक्षक दिनेश कुमार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। सरकारी विक्टोरिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पटियाला के शिक्षक दिनेश कुमार को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयनित किया गया है। यह देश के शिक्षकों को दिए जाने वाले प्रतिष्ठित सम्मानों में शामिल है। पुरस्कार शिक्षक दिवस पर 5 सितंबर को राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने दिनेश कुमार को बधाई देते हुए उन्हें शिक्षक समुदाय के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पंजाब के शिक्षकों का मनोबल बढ़ाएगी और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगी। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति पंजाब सरकार का संकल्प भी मजबूत होगा।

एमडी बनकर ठगों ने कंपनी से उड़ाए 1.90 करोड़ रुपए, दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। साइबर ठगों ने कंपनी के प्रबंध निदेशक की पहचान का इस्तेमाल कर लेखा अधिकारी से 1.90 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। पुलिस ने नोएडा में छापेमारी कर दिनेश भारती और कुलदीप को गिरफ्तार किया है। दिनेश से दो और कुलदीप से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि दोनों ने फर्जी नामों से बैंक खाते खुलवाए थे। ठगों ने प्रबंध निदेशक की फोटो व्हाट्सएप पर लगाकर कर्मचारी को संदेश भेजा कि वह जरूरी बैठक में व्यस्त हैं और तत्काल रकम भेजनी है। कर्मचारी ने विश्वास कर कंपनी के खाते से रकम ट्रांसफर कर दी। दोबारा पैसे मांगने पर कर्मचारी ने प्रबंध निदेशक से संपर्क किया, तब ठगी का पता चला। रकम नोएडा की एक कंपनी के चालू खाते में भेजी गई थी। दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

महिलाओं के लिए आईफोन लंगर का एलान राजा दी किंग ने बताईं शर्तें

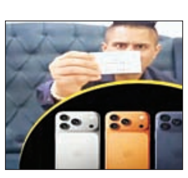

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। अमृतसर के कारोबारी राकेश त्रेहन उर्फ राजा दी किंग ने महिलाओं के लिए आईफोन लंगर लगाने का एलान किया है। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में उन्होंने बताया कि योजना में केवल 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाएं भाग ले सकती हैं। इसके लिए दिए गए नंबर पर 'जय माता दी' लिखकर भेजना होगा, जिसके बाद संबंधित महिला को एक वाट्सऐप समूह में जोड़ा जाएगा। समूह में रोजाना 'जय माता दी' लिखने की शर्त बताई गई है। इससे पहले राजा दी किंग ने पेट्रोल लंगर लगाने की घोषणा की थी, जिसे प्रशासनिक अनुमति और सुरक्षा कारणों से रोक दिया गया था।

सीवरेज में गोबर बहाना पड़ा महंगा, चार डेयरी मालिकों पर केस दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना। शहर में सीवरेज और ईटीपी लाइनों में अनधिकृत रूप से गोबर बहाने वाले डेयरी संचालकों के खिलाफ नगर निगम ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। जोन-डी के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ह|रू) सेल के नोडल अफसर की शिकायत पर थाना ख्र पुलिस ने चार डेयरी मालिकों के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पहले मामले में गुरसेवक सिंह और जोगिंदर सिंह पर डेयरी से गायों का गोबर पानी के जरिए सीधे ईटीपी लाइन में बहाने का आरोप है। दूसरे मामले में मुख्तियार सिंह और पप्पू को नामजद किया गया है। नगर निगम के अनुसार, इस तरह गोबर बहाने से सीवरेज और ईटीपी लाइनें चोक होने के साथ प्रदूषण का खतरा बढ़ता है। पुलिस ने चारों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सीवरेज या ईटीपी लाइनों में गोबर डालना प्रतिबंधित है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि नियम तोड़ने वाले अन्य डेयरी संचालकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

78 लाख के चेक बाउंस मामले में पंजाब के किसान को अदालत से बड़ी राहत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

78 लाख रुपये के चेक बाउंस मामले में पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के अमलोह निवासी किसान नरिंदर सिंह को चंडीगढ़ जिला अदालत से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उन्हें मामले में बरी कर दिया। नरिंदर सिंह के खिलाफ कोटक महिंद्रा बैंक ने चेक बाउंस का मामला दायर किया था। बैंक का आरोप था कि किसान ने 58 लाख रुपये की किसान क्रेडिट सीमा ली थी, जिसका समय पर भुगतान नहीं किया गया। ब्याज और अन्य देनदारी जोड़ने के बाद रकम करीब 78 लाख रुपये हो गई थी।

बैंक के अनुसार इस देनदारी के बदले नरिंदर सिंह ने 78 लाख रुपये का चेक दिया था। बैंक में जमा करने पर खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण चेक बाउंस हो गया। इसके बाद बैंक ने चेक बाउंस कानून के तहत अदालत में मामला दायर किया।

वहीं, नरिंदर सिंह की ओर से अधिवक्ता गौरव सहोता ने बैंक के आरोपों का विरोध किया। उन्होंने अदालत में दलील दी कि संबंधित चेक किसान ने भुगतान के लिए नहीं, बल्कि केवल सुरक्षा के तौर पर दिया था। यह चेक मूल रूप से आइएनजी व्यासा बैंक को दिया गया था। बाद में वर्ष 2015 में आइएनजी व्यासा बैंक का कोटक महिंद्रा बैंक में विलय हो गया था।

बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि बैंक की ओर से स्वयं सूचना जारी की गई थी कि 28 फरवरी 2016 के बाद आइएनजी व्यासा बैंक के पुराने चेक से लेनदेन नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद वर्ष 2020 में कोटक महिंद्रा बैंक ने नरिंदर सिंह का पुराना चेक कथित तौर पर उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल किया और उसके आधार पर चेक बाउंस का मामला दर्ज कराया।

अधिवक्ता गौरव सहोता ने तर्क दिया कि किसान ने यह चेक केवल सुरक्षा के रूप में दिया था और बैंक को इसे बाद में भुगतान के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं थी।

रखड़ पूनिया मेले में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, एक मंच पर होंगे सैनी-शिवराज

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी ने माझा क्षेत्र में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। बाबा बकाला में होने वाले प्रसिद्ध रखड़ पूनिया मेले के दौरान भाजपा की ओर से बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एक मंच पर नजर आएंगे। इसे पंजाब में भाजपा के आगामी चुनावी अभियान की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा हाईकमान पहले ही संकेत दे चुका है कि पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। ऐसे में माझा क्षेत्र में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को संगठन के विस्तार और चुनावी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करने की तैयारी : भाजपा इस कार्यक्रम के जरिये माझा क्षेत्र में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के साथ कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने का प्रयास करेगी। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव से पहले संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए और अधिक से अधिक लोगों तक केंद्र सरकार की नीतियों और उपलब्धियों का संदेश पहुंचाया जाए।

पिछले कुछ समय में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पंजाब दौरों में भी तेजी आई है। उनके लगातार पंजाब दौरे को 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी नेताओं का मानना है कि माझा क्षेत्र में बड़े नेताओं की मौजूदगी से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी।

गठबंधन पर असमंजस, अकेले चुनाव की तैयारी : भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन को लेकर लंबे समय से राजनीतिक चर्चाएं चलती रही हैं।

महंगाई भत्ते पर हाईकोर्ट का रुख सख्त, पंजाब सरकार को 31 अगस्त तक देना होगा जवाब

महंगाई भत्ते पर हाईकोर्ट में टली सुनवाई, पंजाब के कर्मचारियों-पेंशनरों का इंतजार 27 अक्टूबर तक बढ़ा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) जारी नहीं किए जाने के मामले में दायर याचिका पर सरकार को नोटिस ऑफ मोशन जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई अब 27 अक्टूबर को होगी। अदालत के इस निर्णय के बाद प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ते के भुगतान के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। हालांकि, सरकार को 31 अगस्त तक अदालत के पहले के आदेशों की पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है, जिसके बाद इस मामले की स्थिति कुछ हद तक स्पष्ट होने की उम्मीद है।

यह याचिका हाईकोर्ट के तीन अगस्त को महंगाई भत्ता जारी करने के संबंध में दिए गए निर्देशों की कथित तौर पर पालना नहीं होने को लेकर दाखिल की गई थी। याचिका में पंजाब सरकार के मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा को भी पक्ष बनाया गया है। पेंशनरों की ओर से अदालत का रुख किए जाने के बाद कर्मचारियों और पेंशनरों को उम्मीद थी कि शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सरकार को महंगाई भत्ते के भुगतान को लेकर कोई सख्त निर्देश मिल सकते हैं। हालांकि, सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि पहले दिए गए आदेशों की पालना रिपोर्ट दाखिल करने के लिए उसे 31 अगस्त तक का समय मिला हुआ है।

सरकार की ओर से दी गई इस जानकारी को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 27 अक्टूबर के लिए निर्धारित कर दी। ऐसे में अब सरकार के सामने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी पालना रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश करने की जिम्मेदारी है। इस रिपोर्ट में सरकार की ओर से महंगाई भत्ते के संबंध में की गई कार्रवाई और अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी दिए जाने की संभावना है।

महंगाई भत्ता पंजाब के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों से जुड़ा लंबे समय से लंबित अहम मुद्दा है। बढ़ती महंगाई के बीच कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए डीए उनके मासिक वेतन और पेंशन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। अलग-अलग कर्मचारी और पेंशनर संगठन समय-समय पर सरकार से बकाया महंगाई भत्ता जारी करने की मांग उठाते रहे हैं। संगठनों का कहना है कि डीए में देरी का सीधा असर कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

हाईकोर्ट में मामला पहुंचने के बाद सरकार पर अदालत के निर्देशों की पालना को लेकर दबाव और बढ़ गया है। अब 31 अगस्त की समय सीमा महत्वपूर्ण हो गई है। इसी अवधि में सरकार को अदालत के समक्ष अपनी पालना रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। रिपोर्ट में सरकार यह स्पष्ट कर सकती है कि तीन अगस्त को दिए गए आदेशों के बाद महंगाई भत्ते के भुगतान को लेकर उसने क्या कदम उठाए हैं और कर्मचारियों तथा पेंशनरों को इसका लाभ कब तक मिल सकता है।

मिट्टी ढहने से दो मजदूरों की मौत पर कंस्ट्रक्शन कंपनी समेत चार पर केस

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। एयरोसिटी के ए-ब्लॉक में निर्माणाधीन निजी अस्पताल की साइट पर मिट्टी ढहने से दो मजदूरों की मौत के मामले में पुलिस ने कंस्ट्रक्शन कंपनी समेत चार आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच के दौरान निर्माण कार्य में लापरवाही सामने आने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। हादसे में दो मजदूरों की मौत हुई थी, जबकि एक मजदूर घायल हो गया था।

◆ साइट पर लापरवाही के आरोप में चार नामजद, सभी आरोपित हादसे के बाद से फरार

पुलिस ने साइट मैनेजर हरिंदर सिंह, लेबर मैनेजर राम बाबू, प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश चौहान और संबंधित कंस्ट्रक्शन कंपनी को आरोपित बनाया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपित फिलहाल फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं।

डीएसपी सिटी-2 हरसिमरन सिंह बल ने बताया कि हादसे की जांच के दौरान निर्माण स्थल पर लापरवाही के तथ्य सामने आए। इसके बाद संबंधित लोगों और कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और काम के दौरान अपनाए गए सुरक्षा उपायों की भी जांच कर रही है।

वहीं, डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल ने हादसे को गंभीरता से लेते हुए गमाडा और पुलिस को अलग-अलग जांच करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस को यह पता लगाने के लिए कहा गया है कि हादसे के पीछे ठेकेदार या अस्पताल प्रबंधन की ओर से किसी तरह की लापरवाही तो नहीं हुई। जांच में निर्माण स्थल पर मिट्टी की खुदाई, मजदूरों की सुरक्षा और आवश्यक इंतजामों की भी पड़ताल की जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना है।

पंजाब बंद से थमा जनजीवन, सिख बंदियों की रिहाई को लेकर तेज हुआ आंदोलन

कौमी इंसाफ मोर्चे की पंजाब बंद की पुकार से बाजार सूने, यातायात प्रभावित, कड़ी रही सुरक्षा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में शुक्रवार को कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से बुलाए गए सात घंटे के बंद का व्यापक असर देखने को मिला। सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक राज्य के कई हिस्सों में बाजार, दुकानें और सड़कें सुनसान नजर आईं। बंद से करीब 18 जिले प्रभावित हुए। अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस ने कई स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी।

बाजार बंद रहने और सार्वजनिक परिवहन प्रभावित होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ स्थानों पर एंबुलेंस भी जाम में फंस गईं। प्रदर्शन के दौरान कई जगह पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की स्थिति बनी। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया।

क्या है कौमी इंसाफ मोर्चा कौमी इंसाफ मोर्चा (त्त्ख्रूरू) सिख बंदियों की रिहाई की मांग को लेकर चलाया जा रहा संगठन है। मोर्चे का मुख्य मुद्दा ऐसे सिख कैदियों की रिहाई है, जो अपनी निर्धारित सजा पूरी कर चुके हैं, लेकिन अभी भी जेलों में बंद हैं।

इस अभियान की शुरुआत 7 जनवरी 2023 को चंडीगढ़ के सेक्टर-52/53 और मोहाली स्थित वाईपीएस चौक से हुई थी। इसके बाद मोर्चे को कई सिख संगठनों और राजनीतिक समूहों का समर्थन मिला। इनमें शिरोमणि अकाली दल (वारिस पंजाब दे), अन्य अकाली गुट और कुछ निहंग संगठनों समेत विभिन्न सिख संस्थाएं शामिल हैं।

किन कैदियों की रिहाई की मांग? मोर्चा मुख्य रूप से उन सिख बंदियों की रिहाई और पैरोल की मांग कर रहा है, जो लंबे समय से जेल में हैं। इनमें पूर्व पंजाब मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या और 1993 दिल्ली बम धमाके जैसे गंभीर मामलों में दोषी ठहराए गए कुछ कैदी शामिल हैं। मोर्चे की प्रमुख मांगों में बलवंत सिंह राजोआना की रिहाई का मुद्दा शामिल है। उन्हें 2007 में फांसी की सजा सुनाई गई थी, हालांकि उनकी फांसी कई बार टल चुकी है।

इसके अलावा जगतार सिंह हवारा की रिहाई और पैरोल की मांग भी की जा रही है। उन्हें पहले फांसी की सजा सुनाई गई थी, जिसे 2010 में उम्रकैद में बदल दिया गया।

मोर्चा 1993 दिल्ली बम धमाके के मामले में दोषी ठहराए गए देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर, जगतार सिंह तारा और परमजीत सिंह भ्योरा समेत अन्य बंदियों की रिहाई की भी मांग कर रहा है।

कौन कर रहा है नेतृत्व? कौमी इंसाफ मोर्चा के कन्वीनर भाई पाल सिंह फ्रांस हैं। उन्होंने ही पंजाब बंद का आह्वान किया था। बंद को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अकाली दल (वारिस पंजाब दे), किसान संगठनों और विभिन्न व्यापारी संगठनों सहित कई समूहों का समर्थन मिला।

मोर्चे का कहना है कि जिन कैदियों ने अपनी कानूनी सजा पूरी कर ली है, उन्हें लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं है। वहीं, गंभीर आपराधिक मामलों से जुड़े बंदियों की रिहाई का मुद्दा सुरक्षा और कानूनी प्रक्रियाओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि कौमी इंसाफ मोर्चे की मांगें पंजाब में लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

पंजाब बंद के बाद कौमी इंसाफ मोर्चे की मांगों को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। मोर्चा लंबे समय से सिख बंदियों की रिहाई और पैरोल की मांग उठा रहा है। समर्थकों का कहना है कि जिन कैदियों ने अपनी सजा पूरी कर ली है, उन्हें रिहा किया जाना चाहिए। वहीं, सरकार और प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखने की चुनौती है। पंजाब बंद के दौरान बाजार और परिवहन प्रभावित होने से आम लोगों को परेशानी हुई। अब नजर इस बात पर है कि सरकार मोर्चे की मांगों पर क्या रुख अपनाती है और क्या बातचीत के जरिए इस मुद्दे का कोई समाधान निकलता है।

बारिश में खुली चंडीगढ़ की ड्रेनेज व्यवस्था की पोल अब निजी एजेंसियां संभालेंगी सीवर का रखरखाव

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

तेज बारिश के बाद चंडीगढ़ में जगह-जगह दो से तीन फीट तक पानी जमा होने और कई स्थानों पर सड़कें धंसने से शहर की जल निकासी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए। देश के पहले योजनाबद्ध शहर की बदहाल स्थिति की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया और टेलीविजन चैनलों पर सामने आने के बाद नगर निगम अब सीवर और ड्रेनेज व्यवस्था के रखरखाव में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। निगम पहली बार शहर की सीवर और ड्रेनेज पाइपलाइनों के वार्षिक रखरखाव का काम निजी एजेंसियों को सौंपने जा रहा है।

इसके तहत निजी एजेंसियां पूरे साल पाइपलाइनों की सफाई, गाद निकालने, जाम दूर करने, नियमित निगरानी और जरूरत पड़ने पर मरम्मत का काम करेंगी। मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने निगम सदन की बैठक में बताया कि पाइपलाइन और क्षेत्र के हिसाब से वार्षिक दर तय की जाएगी। निगम आयुक्त अमित कुमार ने कहा कि फिलहाल पाइपलाइन टूटने या अन्य समस्या आने पर निविदा प्रक्रिया में समय लगता है। वार्षिक अनुबंध होने के बाद ठेकेदार को तत्काल काम शुरू करने के निर्देश दिए जा सकेंगे।

बारिश के दौरान सेक्टर-6, सेक्टर-28 समेत कई इलाकों में सड़कें धंसने की घटनाएं सामने आई थीं। जलभराव के बाद महापौर सौरभ जोशी ने अधिकारियों के शहर का जायजा लेने नहीं निकलने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में केवल मैनहोल से गाद निकालकर सफाई का दावा किया जाता है, जबकि पाइपलाइनों के अंदर जमा गाद और अवरोधों की नियमित सफाई नहीं होती।

नई व्यवस्था में एजेंसियों को सुपर सक्शन मशीन और रोबोटिक सीवर सफाई जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। एजेंसी पाइपलाइन के भीतर जाम और गाद की स्थिति की जांच कर उसे साफ करेगी तथा क्षतिग्रस्त हिस्सों की पहचान कर मरम्मत भी करेगी। फिलहाल निगम के पास सुपर सक्शन मशीन उपलब्ध नहीं है। निगम का दावा है कि वार्षिक रखरखाव से मानसून से पहले पाइपलाइनों की सफाई और तैयारी हो सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

सीमावर्ती इलाकों में बढ़ा पर्यटन, बदली घाटी की तस्वीर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाके अब धीरे-धीरे नए पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। बेहतर बुनियादी ढांचे और लंबे समय से जारी युद्धविराम के कारण केरन, टंगधार, उड़ी और गुरेज जैसे क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है। कुपवाड़ा की टंगधार घाटी में साधना दर्रे से पहुंचने के बाद पर्यटकों को हरे-भरे मैदान, पहाड़ और घने जंगल देखने को मिलते हैं। वहीं किशनगंगा नदी के किनारे स्थित टीटवाल में पुनर्निर्मित शारदा मंदिर पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और इतिहास प्रेमियों को आकर्षित कर रहा है। बारामुला का उड़ी क्षेत्र अमन सेतु के कारण रणनीतिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। बांडीपोरा की गुरेज घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पारंपरिक लकड़ी के घरों, दर्द-शिना संस्कृति और हब्बा खातून चोटी के लिए प्रसिद्ध हो रही है। इन इलाकों में पर्यटन बढ़ने से होमस्टे, स्थानीय गाइड, परिवहन, हस्तशिल्प और छोटे कारोबारों को फायदा मिलने की उम्मीद है। हालांकि, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता जरूरी होगी।

पुत्रदा एकादशी पर करें विष्णु पूजा, मिलेगा विशेष फल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। श्रावण शुक्ल पक्ष की पवित्रा एकादशी, जिसे पुत्रदा एकादशी भी कहा जाता है, इस वर्ष स्मार्त संप्रदाय के श्रद्धालु 23 अगस्त और वैष्णव संप्रदाय के श्रद्धालु 24 अगस्त को मनाएंगे। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एकादशी तिथि 23 अगस्त की रात 2 बजे शुरू होकर 24 अगस्त सुबह 4:18 बजे तक रहेगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत से पापों से मुक्ति, दीर्घायु और मोक्ष की प्राप्ति होती है। निःसंतान दंपतियों के लिए भी यह व्रत विशेष माना जाता है और उत्तम संतान की प्राप्ति की मान्यता है। शास्त्री ने श्रद्धालुओं से भगवान लक्ष्मी-नारायण की पूजा, 'ॐ नमो वासुदेवाय' मंत्र का जाप और जरूरतमंदों को दान करने की अपील की। व्रत के दौरान सात्विक आहार, संयम और नशे से दूरी रखने की सलाह दी गई है।

कबाड़ से सजा श्रीनगर का अनोखा वेस्ट टू वंडर गार्डन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। स्वच्छ भारत अभियान के 'रिड्यूज, रीयूज और रिसाइकिल' मंत्र को अपनाते हुए जम्मू-कश्मीर के बागबानी विभाग ने श्रीनगर के पोलोव्यू इलाके में अनूठा 'वेस्ट टू वंडर गार्डन' तैयार किया है। 16 कनाल में फैले इस पार्क को शुक्रवार को आम लोगों के लिए खोल दिया गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसका उद्घाटन किया। घाटी में यह अपनी तरह का पहला पार्क है। गार्डन को पुराने कचरे, पेड़ों की सूखी शाखाओं, मशीनों के पुर्जों, पुराने वाहनों और टायरों से सजाया गया है। बेकार सामान को आकर्षक रूप देकर पौधों और फूलों के लिए इस्तेमाल किया गया है। विभाग ने कश्मीरी टोकरी, कांगड़ी, टांगा और शिकारा जैसी पारंपरिक वस्तुओं को भी गार्डन में शामिल किया है। विभाग के अनुसार, इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ लोगों और पर्यटकों को पुरानी वस्तुओं के पुनः उपयोग के लिए प्रेरित करना है। इससे कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता के साथ स्थानीय संस्कृति और विरासत की झलक भी देखने को मिलेगी।

अनंतनाग में भालू के हमले से 65 वर्षीय महिला घायल

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को जंगली भालू के हमले से 65 वर्षीय महिला घायल हो गई। घटना अचबल इलाके के दरपोरा खुंडूरा गांव में हुई। हमले के बाद महिला को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज अनंतनाग ले जाया गया। पुलिस अधिकारी के अनुसार घायल महिला की पहचान दरपोरा निवासी मुबीना बानो (65) के रूप में हुई है। वह स्वर्गीय मोहम्मद मकबूल मंटू की पत्नी हैं। बताया गया कि महिला पर अचानक जंगली भालू ने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल बन गया। इलाके में पहले भी जंगली जानवरों की मौजूदगी को लेकर लोगों में आशंका बनी रहती है। भालू के हमले के बाद ग्रामीणों ने सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ाने की मांग की है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। वन विभाग को भी घटना की जानकारी दिए जाने की संभावना है। अधिकारियों की ओर से क्षेत्र में भालू की गतिविधियों पर नजर रखने और लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा सकती है। फिलहाल घायल महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

नाले सिंध में डूबे युवक का शव दो दिन बाद बरामद

भारतेंदु संवाददाता,कंगन । गांदरबल जिले के कंगन इलाके में नाले सिंध से शनिवार को 18 वर्षीय युवक का शव बरामद किया गया। युवक दो दिन पहले स्नान करते समय नदी में डूबने के बाद लापता हो गया था। मृतक की पहचान श्रीनगर निवासी बिलाल अहमद हाजम के पुत्र दानिश बिलाल (18) के रूप में हुई है। अधिकारी के अनुसार, दानिश शुक्रवार को किजपारा के डंपिंग पार्क के पास नाले सिंध में स्नान कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने के बाद लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। करीब दो दिनों तक चले अभियान के बाद शनिवार को कंगन के प्रांग इलाके के पास नाले सिंध से युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना पर परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है। आवश्यक चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया।

एक महीने बाद खुला दूधपथरी, पहले दिन 500 पर्यटकों ने किया खूबसूरत वादियों का दीदार

दूधपथरी खुलने के साथ बडगाम में पर्यटन कारोबार को नई गति मिलने की बढ़ी उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दूधपथरी एक महीने से अधिक समय तक बंद रहने के बाद शनिवार को फिर पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। इसके साथ ही यहां पर्यटन गतिविधियां दोबारा शुरू हो गईं। लंबे समय बाद दूधपथरी पहुंचने वाले सैलानियों में उत्साह नजर आया। पहले ही दिन करीब 500 पर्यटकों ने इस खूबसूरत पर्यटन स्थल की सैर की।

दूधपथरी विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीएस बेग ने पर्यटन स्थल के दोबारा खुलने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दूधपथरी में पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां फिर शुरू हो गई हैं। पर्यटकों की आवाजाही शुरू होने से इलाके में भी पहले जैसी चहलपहल लौटने लगी है। पर्यटन स्थल के आसपास कारोबार करने वाले छोटे दुकानदारों और ढाबा संचालकों के लिए भी यह राहत की खबर है।

लंबे समय तक दूधपथरी बंद रहने के कारण इनकी गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। अब पर्यटकों की वापसी के साथ स्थानीय ढाबा संचालकों ने भी अपना काम दोबारा शुरू कर दिया है। इससे स्थानीय कारोबार को गति मिलने की उम्मीद है।

दूधपथरी अपनी प्राकृतिक खूबसूरती, हरे-भरे मैदानों और शांत वातावरण के लिए पर्यटकों के बीच खास पहचान रखता है। कश्मीर आने वाले सैलानियों के लिए यह आकर्षक पर्यटन स्थलों में शामिल है। इसके दोबारा खुलने से पर्यटकों को कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का अवसर मिला है। अधिकारियों और स्थानीय कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यहां पर्यटकों की संख्या और बढ़ेगी। इससे पर्यटन से जुड़े लोगों की आय बढ़ने के साथ क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

56 छात्रों से शुरू हुआ सफर, अब वैश्विक पहचान की ओर

एलजी सिन्हा का भरोसा, अगले दशक में वैश्विक मंच पर चमकेगा आईआईएम जम्मू

◆ **अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों से बढ़ा संस्थान।**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू ने अपनी स्थापना के दस वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संस्थान की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यदि आईआईएम जम्मू आत्मविश्वास, नई सोच और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ता रहा तो अगले दशक में यह वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने में सफल होगा।

उपराज्यपाल ने कहा कि आने वाले समय में दुनिया भर में आईआईएम जम्मू का नाम गर्व और सम्मान के साथ लिया जाएगा। उन्होंने संस्थान की दस साल की यात्रा को जम्मू-कश्मीर के शैक्षणिक इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। मनोज सिन्हा के अनुसार, आईआईएम जम्मू की शुरुआत करीब एक दशक पहले कनाल रोड स्थित अस्थायी परिसर में महज 56 छात्रों के साथ हुई थी। सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह सफर आज देश के तेजी से उभरते प्रबंधन संस्थानों तक पहुंच चुका है। संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सक्रियता बढ़ाई है।

आईआईएम जम्मू देश का पांचवां ऐसा आईआईएम बन गया है, जिसे एएमबीए और ईएफएमडी दोनों की मान्यता प्राप्त है। संस्थान ने फ्रांस, मोरक्को, दक्षिण कोरिया, ग्रीस, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, स्वीडन, ताइवान और ब्राजील के संस्थानों के साथ शैक्षणिक साझेदारी विकसित की है। शोध के क्षेत्र में भी संस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उपराज्यपाल ने शिक्षकों, छात्रों और पूर्व छात्रों से नवाचार तथा शोध को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कुपवाड़ा-अनंतनाग में एनआईए ने कई संदिग्ध ठिकाने खंगाले

आतंक के मददगारों पर एनआईए की नजर कश्मीर में एकसाथ कई ठिकानों पर छापे

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

◆ **ड्रग्स-टेरर लिंक की जांच में एनआईए ने छापे मारे।**

जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। कुपवाड़ा और अनंतनाग जिलों में एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी कर संदिग्ध ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क से जुड़े ठिकानों की तलाशी ली गई। कार्रवाई का उद्देश्य आतंकी गतिविधियों के लिए कथित मदद, संसाधनों और संपर्कों से जुड़े सुराग जुटाना बताया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, अनंतनाग जिले में एनआईए की टीम ने तीन अलग-अलग स्थानों को निशाना बनाया। जांच के दौरान संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गई और कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, विशेषकर मोबाइल फोन, को जांच के लिए जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई है।

एजेंसी इन उपकरणों से नेटवर्क से जुड़े संपर्कों और गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। यह कार्रवाई प्राथमिकी संख्या आरसी/2026/02 के तहत चल रही जांच का हिस्सा है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है। जांच एजेंसी आतंकी नेटवर्क और उसके संभावित मददगारों के बीच संबंधों की पड़ताल कर रही है। जांच का एक अहम पहलू कथित ड्रग्स-टेरर संबंध भी है। जांच एजेंसी ड्रग्स-टेरर संबंध और आतंकी नेटवर्क को मिलने वाली संभावित आर्थिक मदद की भी पड़ताल कर रही है।

चार साल बाद जम्मू-कश्मीर के 14 जेकेएएस अफसर बनेंगे आईएएस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा के 14 सेवारत अधिकारियों के भारतीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति के लिए चयन को मंजूरी मिल गई है। लंबे समय से लंबित यह प्रक्रिया करीब चार साल बाद आगे बढ़ी है। इससे प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारियों में खुशी का माहौल है और चयनित अधिकारियों के आईएएस में औपचारिक समावेशन का रास्ता साफ हो गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने चयनित 14 अधिकारियों से उनकी सहमति मांगी है। अधिकारियों की सहमति मिलने के बाद आईएएस में उनके औपचारिक समावेशन की अधिसूचना जारी की जाएगी। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद चयनित अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा का हिस्सा बन जाएंगे। जानकारी के अनुसार, 23 और 24 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग की बैठक हुई थी।

श्रीनगर पहुंचे नासिर हुसैन, नई कांग्रेस कार्यकारिणी पर होगा विचार

अनंतनाग जिला कांग्रेस कमेटी का गठन, नए नेताओं को जिम्मेदारी

◆ **प्रदेश कार्यकारिणी गठन से पहले कांग्रेस में बैठकों का दौर।**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस में नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की कवायद तेज हो गई है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी नासिर हुसैन शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे। पिछले दस दिनों में यह उनका दूसरा दौरा है। इस दौरान वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और जिला अध्यक्षों के साथ संगठन के पुनर्गठन को लेकर चर्चा करेंगे।

नई कार्यकारिणी के गठन से पहले सभी जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को श्रीनगर बुलाया गया है। बैठक में नए ब्लॉक अध्यक्षों और जिला कमेटियों के गठन पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस हाईकमान नई प्रदेश कार्यकारिणी में पदाधिकारियों की संख्या सीमित रखने के पक्ष में है। संगठन में सक्रिय और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं को जिम्मेदारी देने पर जोर रहेगा।

श्रीनगर पहुंचने के बाद नासिर हुसैन ने प्रदेशाध्यक्ष तारिक हमीद करा और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद विभिन्न नेताओं से कार्यकारिणी में संभावित नामों और संगठन की मजबूती को लेकर सुझाव लिए जाएंगे। इसी बीच अनंतनाग जिला कांग्रेस कमेटी का भी गठन किया गया है। इसमें नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पार्टी का प्रयास जिला और ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूत करना है।

त्योहारों से पहले जम्मू में चीनी के दामों ने बढ़ाई मिठास की चिंता

चीनी की बढ़ती कीमतों से मिठाई कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं की बढ़ी चिंता

◆ **एक महीने में चीनी के थोक दाम 10 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गए।**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

त्योहारों का मौसम शुरू होने से पहले चीनी के लगातार बढ़ते दामों ने आम उपभोक्ताओं और मिठाई कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। जम्मू में पिछले करीब एक महीने में चीनी के थोक दाम में लगभग 10 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। इससे रक्षाबंधन समेत आगामी त्योहारों में मिठाइयों और पारंपरिक पकवानों की लागत बढ़ने की आशंका है।

थोक बाजार में बढ़ी कीमतों का असर खुदरा बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। 21 जुलाई को चीनी का थोक भाव 51 से 53 रुपये और खुदरा भाव 55 से 58 रुपये प्रति किलो था। 10 अगस्त को थोक भाव बढ़कर 56 से 58 रुपये और खुदरा भाव 62 से 67 रुपये हो गया। 21 अगस्त तक थोक कीमत 62 से 65 रुपये और खुदरा भाव 70 से 75 रुपये प्रति किलो पहुंच गया।

मिठाई कारोबारियों के अनुसार चीनी के अलावा दूध, मावा, घी और सूखे मेवों जैसे कच्चे माल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल मिठाइयों के दाम में बड़ी वृद्धि नहीं की गई है, लेकिन यदि चीनी की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो आने वाले दिनों में इसका असर मिठाइयों की कीमतों पर पड़ सकता है।

त्योहारों के दौरान चीनी की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है। रक्षाबंधन के बाद जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों का सिलसिला शुरू होगा। ऐसे में बढ़ी कीमतें घरेलू बजट के साथ कारोबारियों की लागत भी बढ़ा सकती हैं।

जम्मू में चीनी की मुख्य आपूर्ति पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होती है। बढ़ती कीमतों को देखते हुए सरकार ने थोक विक्रेताओं, मिल मालिकों और चीनी से उत्पाद बनाने वाली इकाइयों के लिए भंडारण सीमा भी सीमित की है।

बिलावर एसिड अटैक मामले में दोषी को उम्रकैद, मां को दस साल कारावास की सजा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कठुआ की अदालत ने वर्ष 2021 के बहुचर्चित बिलावर एसिड अटैक मामले में दोषी विपुल शर्मा को उम्रकैद और उसकी मां रेवा देवी को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कठुआ प्रवीन पंडोह ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए विपुल पर एक लाख रुपये और रेवा देवी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना नहीं देने पर दोनों को तीन-तीन महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला दो अगस्त 2021 का है, जब बिलावर के ढेर फिंटर इलाके में कथित संयुक्त भूमि पर निर्माण को लेकर विवाद हुआ था। विरोध के दौरान एक ही परिवार के चार सदस्य तेजाब हमले में घायल हुए थे। अदालत के अनुसार विपुल ने दो पीड़ितों पर तेजाब फेंका, जबकि रेवा देवी ने एक पीड़ित के पैर पर तेजाब डाला।

जम्मू-कश्मीर में सांसद-विधायकों से जुड़े 24 आपराधिक मामले लंबित

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में मौजूदा और पूर्व सांसदों व विधायकों से जुड़े 24 आपराधिक मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। इनमें भ्रष्टाचार, आपराधिक कदाचार, मारपीट, संपत्ति संबंधी अपराध, कानून-व्यवस्था से जुड़े मामले और आतंकवाद से संबंधित आरोप शामिल हैं। हाईकोर्ट की जून की जिला-वार स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, महीने की शुरुआत में 25 मामले लंबित थे। जून में एक मामले का निपटारा हुआ और कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया, जिससे 30 जून तक संख्या घटकर 24 रह गई।

जिला-वार आंकड़ों में जम्मू और डोडा सबसे ऊपर हैं। जम्मू में नौ मामले लंबित हैं, जबकि डोडा के विधायक मेहराज-उद-दीन मलिक से जुड़े नौ मामले दर्ज हैं। इनमें आठ मामले डोडा जिले में हैं। उनके खिलाफ भद्रवाह, ठाठरी और गंदोह में भी मामले चल रहे हैं।

अनंतनाग और श्रीनगर में तीन-तीन, जबकि पुलवामा में एक मामला लंबित है। अन्य जिलों के साथ-साथ लेह और कारगिल में सांसदों या विधायकों से जुड़े कोई लंबित मामले नहीं हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कई मुकदमे दो दशक से अधिक पुराने हैं।

अनंतनाग में पूर्व विधायक पीर मंजूर अहमद के खिलाफ 1993 की एफआईआर से जुड़ा मामला 1997 से अदालत में है और साक्ष्य के चरण में है। पूर्व विधायक फिरोज अहमद शाह के खिलाफ भी 1993 के विजिलेंस मामले की सुनवाई जारी है।

महंगाई जम्मू-कश्मीर में सितंबर से बढ़ी बिजली दरें होंगी लागू, घरेलू उपभोक्ताओं को भी देना होगा अतिरिक्त बिल

जम्मू-कश्मीर में बिजली दरों में 6.83 प्रतिशत बढ़ोतरी, सितंबर से नई दरें होगी लागू

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में बिजली उपभोक्ताओं को महंगाई का झटका लगने वाला है। जॉइंट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने बिजली दरों में औसतन 6.83 प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। नया टैरिफ 1 सितंबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगा। यह बढ़ोतरी जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड और कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड दोनों के उपभोक्ताओं पर लागू होगी।

आयोग ने घरेलू, बीपीएल और छोटे कृषि उपभोक्ताओं को राहत देते हुए रियायती दरें बरकरार रखी हैं। मीटर वाले घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 0 से 200 यूनिट तक 2.45 रुपये प्रति यूनिट, 201 से 400 यूनिट तक 4.20 रुपये और 400 यूनिट से अधिक खपत पर 4.60 रुपये प्रति यूनिट की दर तय की गई है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए स्थायी शुल्क 10 रुपये प्रति किलोवाट प्रतिमाह रहेगा।

बीपीएल परिवारों को 30 यूनिट तक खपत पर 1.40 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलेगी। इसके लिए वैध बीपीएल प्रमाणपत्र जरूरी होगा। किसानों को भी राहत दी गई है। 20 अश्वशक्ति तक के कृषि कनेक्शन पर दर 1.05 रुपये प्रति यूनिट रखी गई है।

वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट तक 3.75 रुपये और इसके बाद 5.70 रुपये प्रति यूनिट की दर तय की गई है। वहीं उद्योगों के लिए अलग-अलग वोल्टेज स्तर के अनुसार दरें निर्धारित की गई हैं। अधिक वोल्टेज पर बिजली लेने वाले औद्योगिक उपभोक्ताओं को कुछ रियायत भी मिलेगी।

नए टैरिफ में समय आधारित बिजली दर का भी प्रावधान किया गया है। 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत भार वाले पात्र उपभोक्ताओं पर व्यस्त समय में अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि सौर ऊर्जा वाले समय में 20 प्रतिशत तक छूट मिलेगी।

फर्जी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी आदतन अपराधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर ने फर्जी सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में एक आदतन अपराधी के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपी की पहचान कुपवाड़ा जिले के लश्तियाल कलारूस निवासी अब्दुल मजीद मीर के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, ईओडब्ल्यू ने मीर के खिलाफ कुपवाड़ा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोपपत्र पेश किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 420, 468, 471 और 201 आरपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जांच एजेंसी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि अब्दुल मजीद मीर ने उसे सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देकर लाखों रुपये लिए। धोखाधड़ी को विश्वसनीय दिखाने के लिए आरोपी ने जम्मू-कश्मीर बैंक के अध्यक्ष/मुख्य कार्यकारी अधिकारी की ओर से जारी किया गया एक फर्जी नियुक्ति पत्र भी शिकायतकर्ता को सौंपा।

शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। ईओडब्ल्यू ने जांच के दौरान संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए और उपलब्ध दस्तावेजों व अन्य साक्ष्यों की जांच की। जांच में आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया गया।

स्वचालित जांच केंद्रों की देरी से आठ जिलों में व्यावसायिक वाहनों के अटके प्रमाणपत्र

व्यावसायिक वाहन मालिकों पर बढ़ा जुर्माना

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में तय समय सीमा तक स्वचालित वाहन परीक्षण केंद्र स्थापित नहीं होने का सीधा असर व्यावसायिक वाहन मालिकों पर पड़ रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने आठ जिलों के परिवहन अधिकारियों की परिवहन पोर्टल तक पहुंच रोक दी है। इससे व्यावसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र जारी और नवीनीकृत नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप कई वाहन सड़कों से बाहर हो गए हैं और मालिकों पर रोजाना जुर्माने का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

परिवहन विभाग को कठुआ, उधमपुर, रियासी, श्रीनगर, पुलवामा, बडगाम, कुलगाम और गांदरबल में एक जुलाई तक स्वचालित परीक्षण केंद्र स्थापित कर उन्हें चालू करना था। हालांकि अभी तक जम्मू और सांबा में केवल दो केंद्र ही संचालित हो सके हैं। इसके बाद संबंधित जिलों के परिवहन अधिकारियों की पोर्टल पहुंच बंद कर दी गई।

फिटनेस प्रमाणपत्र अटके, परमिट भी प्रभावित : पोर्टल बंद होने से सैकड़ों लंबित फिटनेस प्रमाणपत्र जारी नहीं हो पा रहे हैं। फिटनेस प्रमाणपत्र के बिना रूट परमिट जारी या नवीनीकृत नहीं किया जा सकता। वाहन मालिकों का कहना है कि लंबित प्रमाणपत्रों के कारण प्रतिदिन 25 रुपये का जुर्माना लग रहा है। रूट परमिट के नवीनीकरण पर 50 रुपये अतिरिक्त शुल्क या जुर्माना भी देना पड़ रहा है।

ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव शेख मोहम्मद यूसुफ के मुताबिक, अब भी सैकड़ों आवेदन लंबित हैं। मामला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कश्मीर, परिवहन आयुक्त और परिवहन सचिव के सामने उठाया जा चुका है, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

प्राचीन किले के अवशेष आज भी सुनाते हैं रेहलू के गौरव की कहानी

डॉ. संदीप महाजन
आशीष दमीर, कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जनपद की धरा इतिहास, संस्कृति और वीरता की अनेक अमर गाथाओं की साक्षी रही है। इन्हीं में एक नाम है रेहलू का। आज यह एक शांत और साधारण-सा गांव दिखाई देता है, किंतु एक समय ऐसा था जब रेहलू रियासत पूरे शाहपुर क्षेत्र में ज्ञान, व्यापार, सामाजिक नेतृत्व और राष्ट्रीय चेतना का प्रमुख केंद्र हुआ करती थी। इतिहास के बदलते दौर और समय की धूल ने इसकी चमक को भले ही कुछ धुंधला कर दिया हो, लेकिन इसकी गौरवगाथा आज भी यहां की मिट्टी, लोगों और परंपराओं में जीवित है।

भारत के विभाजन से पहले का समय याद करें तो शाहपुर, चड़ी और आसपास के अनेक कस्बे आज की तरह विकसित नहीं थे। उस समय रेहलू क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां शिक्षा का वातावरण था, व्यापार फल-फूल रहा था और समाज को दिशा देने वाले अनेक प्रतिष्ठित परिवार निवास करते थे। शिक्षा को सम्मान प्राप्त था और विद्वानों, शिक्षकों तथा जनसेवकों की एक समृद्ध परंपरा यहां विकसित हुई। अनेक लोगों ने प्रशासन, चिकित्सा, शिक्षा और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान देकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया।

रेहलू केवल आर्थिक गतिविधियों का केंद्र नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का भी केंद्र था। यहां मेल-मिलाप, परस्पर सहयोग और सामाजिक समरसता जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थे। यही कारण था कि आसपास के गांवों के लोग भी रेहलू को सम्मान और विश्वास की दृष्टि से देखते थे।

यदि रेहलू की सबसे बड़ी पहचान किसी एक बात से बनती है, तो वह है इसकी अद्वितीय सैनिक परंपरा। कहा जाए कि यहां लगभग हर परिवार ने देश की रक्षा के लिए अपना एक सदस्य भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना अथवा अर्धसैनिक बलों को समर्पित किया है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी यहां के युवाओं ने सीमाओं पर तिरंगे की रक्षा को अपना सर्वोच्च कर्तव्य माना है। अनेक सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में देश की सेवा की, अनेक सम्मानित हुए और कई परिवारों ने राष्ट्रहित में अपने प्रियजनों का सर्वोच्च बलिदान भी दिया।

रेहलू में सेना की वर्दी केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सम्मान, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। यहां बच्चों का बचपन देशभक्ति की कहानियां सुनते हुए बीतता है और युवाओं के लिए मातृभूमि की सेवा जीवन का सबसे बड़ा गौरव मानी जाती है। यही परंपरा इस गांव को विशिष्ट बनाती है।

आज भी रेहलू में स्थित प्राचीन किले के अवशेष इस क्षेत्र के समृद्ध अतीत की मौन कहानी कहते हैं। समय ने भले ही इन दीवारों को खंडहरों में बदल दिया हो, किंतु उनका अस्तित्व आज भी इस बात का प्रमाण है कि यह भूमि कभी वैभव, स्वाभिमान और समृद्ध संस्कृति का केंद्र रही होगी। इन अवशेषों का संरक्षण केवल पुरातत्व का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक स्मृति और सांस्कृतिक पहचान को बचाने का दायित्व भी है।

रेहलू की पहचान उसकी पवित्र खोली खड्ड के बिना अधूरी है। सदियों से बहती यह निर्मल जलधारा केवल पानी का स्रोत नहीं रही, बल्कि पूरे क्षेत्र के जीवन का आधार रही है। इसके जल ने कभी जाति, धर्म, वर्ग या रंग का भेद नहीं किया। इसने सभी की प्यास बुझाई, खेतों को सींचा और समानता तथा सहअस्तित्व का संदेश दिया।

मेरे लिए खोली खड्ड केवल एक नदी नहीं, बल्कि बचपन की सबसे अनमोल स्मृतियों का संसार है। बचपन में इसके स्वच्छ जल में घंटों स्नान करना, इसके किनारों पर खेलना और इसकी मधुर ध्वनि को सुनना जीवन का सबसे बड़ा आनंद था। आज भी, जीवन के उत्तरार्ध में, जब कभी अवसर मिलता है, तो इसकी पावन धारा में एक डुबकी लगाना मेरे लिए किसी तीर्थ से कम नहीं लगता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जीवन के बदलते रिश्तों के बीच परमात्मा से जुड़ाव ही मनुष्य का वास्तविक लक्ष्य

डॉ. मनोज डोगरा
स्वतंत्र लेखक

इस संसार में मनुष्य अनेक रिश्तों से जुड़ा होता है। जन्म लेते ही सबसे पहले उसे माता-पिता का स्नेह मिलता है। धीरे-धीरे परिवार, भाई-बहन, मित्र और अन्य रिश्तेदार उसके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। समय के साथ जीवन की परिस्थितियां बदलती रहती हैं और रिश्तों की प्राथमिकताएं भी बदल जाती हैं। बचपन में माता-पिता सबसे प्रिय होते हैं, युवावस्था में मित्रों और जीवनसाथी का महत्व बढ़ जाता है तथा आगे चलकर संतान जीवन का केंद्र बन जाती है। यही संसार की स्वाभाविक व्यवस्था है। किंतु इन सभी रिश्तों के बीच एक ऐसा संबंध भी है, जो कभी समाप्त नहीं होता और जो हर परिस्थिति में हमारे साथ रहता है। वह संबंध परमात्मा का है, जो हमारा सबसे प्रिय, सबसे सच्चा और सबसे बड़ा हमदर्द है।

मां का प्रेम संसार का सबसे पवित्र प्रेम माना जाता है। मां केवल बच्चे को जन्म ही नहीं देती, बल्कि उसके पालन-पोषण, सुरक्षा और संस्कारों के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देती है। वह हर क्षण इस चिंता में रहती है कि उसके बच्चे को कोई कष्ट न पहुंचे। माता-पिता अपने बच्चों के सुख के लिए अनेक त्याग करते हैं, लेकिन समय के परिवर्तन के साथ कई बार वही संतान अपने वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा करने लगती है। यह जीवन का एक कटु सत्य है कि सांसारिक रिश्ते समय और परिस्थितियों के अनुसार बदल सकते हैं। अंतत: प्रत्येक व्यक्ति को एक दिन सबका साथ छोड़कर इस संसार से विदा होना पड़ता है।

जब जीवन में दुख, संकट और अकेलापन आता है, तब मनुष्य को परमात्मा की याद आती है। वास्तव में वही एक ऐसा सहारा है, जो प्रत्यक्ष दिखाई न देने पर भी हर पल हमारे साथ रहता है। वह हमारे मन की पुकार सुनता है और उचित समय पर हमारी सहायता भी करता है। दुर्भाग्य यह है कि जिस परमात्मा ने हमें जीवन दिया, उसी से मिलने और उसे जानने का प्रयास हम बहुत कम करते हैं। हम संसार की अस्थायी वस्तुओं में इतना उलझ जाते हैं कि अपने वास्तविक लक्ष्य को भूल जाते हैं।

मानव जीवन का उद्देश्य केवल धन, संपत्ति और सांसारिक सुख-सुविधाएं प्राप्त करना नहीं है। इस जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य परमात्मा की भक्ति करना और उससे मिलाप का मार्ग खोजना है। हम जानते हैं कि जो जन्म लेता है, उसका एक दिन अंत भी निश्चित है। इसके बावजूद मनुष्य स्वयं को अमर मानकर भविष्य की लंबी-लंबी योजनाएं बनाता रहता है। उसे यह नहीं मालूम कि मृत्यु कब और किस रूप में सामने आ जाए। हम यह भी नहीं जानते कि हम कहां से आए हैं, इस संसार में हमारा वास्तविक कार्य क्या है और अंत में हमें कहां जाना है। जब मंजिल का ही ज्ञान न हो तो जीवन की यात्रा दिशाहीन हो जाती है।

इन्हीं विचारों से यह प्रश्न उठता है कि जिसने हमें इस संसार में भेजा है, वह कहां है और हमें दिखाई क्यों नहीं देता। धर्मग्रंथों का उत्तर स्पष्ट है कि परमात्मा सर्वव्यापी है। वह प्रत्येक जीव और प्रत्येक कण में विद्यमान है, लेकिन उसे देखने के लिए बाहरी आंखों से अधिक अंत:करण की निर्मलता आवश्यक है। गोस्वामी तुलसीदास ने *रामचरितमानस* में लिखा है— * 'हरि व्यापक सर्वत्र समाना, प्रेम ते प्रकट होहिं मैं जाना। '* अर्थात परमात्मा हर स्थान पर विद्यमान है, किंतु वह प्रेम और भक्ति के माध्यम से ही अनुभव होता है। जब हृदय में सच्चा प्रेम, अटूट विश्वास और निष्कपट आस्था जागती है, तभी परमात्मा का साक्षात्कार संभव होता है।

रामचरितमानस में ही एक अन्य स्थान पर कहा गया है— * 'मिले न रघुपति बिन अनुराग, किए योग तप ज्ञान विराग। '* इसका आशय है कि केवल योग, तप, ज्ञान या वैराग्य से परमात्मा की प्राप्ति नहीं होती, बल्कि उसके लिए सच्चा प्रेम और समर्पण आवश्यक है। यही प्रेम भक्ति का मूल आधार है और यही आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाला सेतु बनता है।

भक्ति का सर्वोत्तम उदाहरण संत मीरा बाई का जीवन है। उन्होंने सांसारिक वैभव का त्याग कर अपने आराध्य श्रीकृष्ण को ही अपना सर्वस्व माना।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

एकाकी होता जीवन का संध्या काल

यह समाचार सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला था कि सोनीपत, हरियाणा के वृद्धाश्रम में रह रहे एक वयोवृद्ध पिता की मृत्यु के बाद उनकी तीनों बेटियों या नाती-नातिनों में से कोई भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ। बेटियों ने वीडियो काल पर अंतिम संस्कार करना चुना। दिवंगत पिता प्रतिष्ठित व्यापारी थे। उन्होंने अपनी तीनों बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया और उनका विवाह कर पिता होने का दायित्व निर्वाह किया, फिर भी बेटियां न तो उनके अंतिम संस्कार में आईं और न ही तेरहवीं में। पिछले कुछ वर्षों में वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों द्वारा अपमानित, उपेक्षित और तिरस्कृत हुए हैं। बुजुर्ग भरा-पूरा परिवार और संसाधन होने के बाद भी अपने मकानों या वृद्धाश्रमों में एकाकी जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह लगातार स्वार्थी, यांत्रिक और संवेदनहीन होते जा रहे समकालीन समाज के रोबोटीकरण का प्रतिबिंब है।

तीन बेटियों के अंतिम संस्कार में शामिल न होने को केवल अमानवीय कहकर नजरंदाज नहीं किया जा सकता। इसके पीछे कुछ ठोस सामाजिक और आर्थिक कारण काम कर रहे हैं। पहला है समय की पुनर्परिभाषा। आज के शहरी जीवन में समय को उत्पादकता से जोड़ दिया गया है। हर गतिविधि का मूल्यांकन इस आधार पर होता है कि उससे करियर या आय में कितनी वृद्धि होगी। अंतिम संस्कार इस पैमाने पर खरा नहीं उतरता। उससे कोई स्वार्थसिद्धि या लाभ नहीं होता, इसलिए वह महत्वहीन हो जाता है। दूसरा कारण भावनात्मक दूरी है। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक माता-पिता से नहीं मिलता तो उनके प्रति लगाव कम हो जाता है। मृत्यु की जानकारी एक निर्जीव सूचना बनकर रह जाती है, एक आघात नहीं। तीसरा कारण सामाजिक स्वीकृति में बदलाव है।

पहले यदि कोई संतान माता-पिता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होती थी तो उसे अपराध-बोध और एक किस्म के सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता था। आज ऐसे व्यवहार को 'व्यस्त जीवन जनित विवशता' कहकर सामान्यीकृत सा कर दिया गया है। परंपरागत रूप से भारतीय समाज में बेटियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे माता-पिता की अधिक देखभाल करेंगी, पर अब बेटियां भी नौकरी के कारण उसी प्रतिस्पर्धी व्यवस्था का हिस्सा बन रही हैं, जिसमें पुरुष पहले से थे। उनका व्यवहार भी बेटों जैसा होता जा रहा है। इसका अर्थ यह नहीं कि बेटियां संवेदनहीन हो गई हैं, बल्कि यह है कि बाजार आधारित आर्थिकी ने स्त्री और पुरुष दोनों को उत्पादक और उपभोक्ता में अवमूल्यित कर दिया है।

पिछले कुछ दशकों में संयुक्त परिवार टूटे हैं और एकल परिवार का चलन बढ़ा है। शहरीकरण, शिक्षा और रोजगार के अवसरों के कारण लोगों का पलायन और विस्थापन हुआ है। भौगोलिक दूरी का सीधा असर बुजुर्ग माता-पिता पर पड़ा है। उनके पास दो विकल्प बचे हैं—या तो अकेले रहें या वृद्धाश्रम में। दोनों ही स्थितियों में उनकी देखभाल और भावनात्मक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। अबाध स्वतंत्रता, निजता की चाह और असीम भौतिकता ने भी परिवारों की नींव को हिलाया है। जब पति-पत्नी दोनों नौकरी करते हैं तो वृद्धाश्रम को एक व्यावहारिक समाधान मानकर बुजुर्गों को निर्वासित कर दिया जाता है। प्रारंभ में महीने में मिलने का वादा होता है। फिर यह अवधि बढ़ती जाती है। फोन पर बात भी औपचारिक होती जाती है। धीरे-धीरे बुजुर्ग बच्चों के जीवन से निष्कासित हो जाते हैं।

भारत में वरिष्ठ नागरिकों के अकेलेपन की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। महानगरों में रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में युवा पीढ़ी अपने माता-पिता से दूर चली जाती है। कई बुजुर्ग आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद भावनात्मक अकेलेपन का सामना करते हैं। वृद्धाश्रमों में रहने वाले अनेक बुजुर्गों के बच्चे देश के भीतर ही रहते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि समस्या केवल आर्थिक तंगी की नहीं है, बल्कि आत्मकेंद्रित और उपयोगितावादी मूल्यचेतना से भी जुड़ी है। आज अंतिम संस्कार के लिए 'लास्ट जर्नी' जैसी सेवा प्रदाता कंपनियां अस्तित्व में आ चुकी हैं। यदि आज की पीढ़ी अपने माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार कर रही है तो आने वाली पीढ़ी भी कल यही करेगी। यह एक सामाजिक दुष्चक्र है।

परिवार नामक संस्था भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता रही है। उसे बचाने और मजबूत करने की आवश्यकता है। 'कुटुंब प्रबोधन' जैसे अभियान परिवार के सदस्यों के बीच संवाद, संस्कार और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास करते हैं। नीतिगत स्तर पर सरकार को वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों के लिए होम हेल्थ केयर, डे केयर सेंटर और सामुदायिक केंद्रों को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार ने माता-पिता की देखभाल के लिए 45 दिन की छुट्टियां देने का प्रस्ताव किया है। अन्य कंपनियों और प्रतिष्ठानों को भी कर्मचारियों को 'चाइल्ड केयर लीव' और 'पैरेंट्स केयर लीव' देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्हें ऐसा करने पर कर में छूट जैसी सुविधाएं दी जा सकती हैं। व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करना होगा। माता-पिता की देखभाल केवल आर्थिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक दायित्व भी है। नई पीढ़ी को बुजुर्गों के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का भाव सिखाना होगा।

-शिवांश धाकड़

कविता

यदि पेड़ बोल पाते

डॉ पी सी कौंडल, वरिष्ठ साहित्यकार
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

पेड़ हैं धरती के सच्चे साथी,
इनसे सुंदर दुनिया क्या होगी।
छाया देते, फल भी देते,
इनसे प्यारी नेमत क्या होगी।
सुबह-सुबह जब पत्ते हिलते,
ऐसा लगता पेड़ हैं गाते।
चिड़िया आकर डालों पर फिर,
मीठे-मीठे गीत सुनाते।
पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ,
धरती को हरियाली दो।
सूनी-सूनी राहों पर भी,
जीवन को खुशहाली दो।
पेड़ हमें स्वच्छ हवा देते,
गर्मी में शीतल छांव देते।
आंधी, बारिश, धूप में भी,
जीवन को आधार देते।
एक पेड़ जब हम लगाते,
सौ खुशियां घर में आती हैं।
पत्ते, फूल और फल देकर,
धरती को महकाती हैं।
पेड़ों को मत कभी सताना,
इनको काटो मत, बचाना।
आज लगाओ पौधा एक,
कल इसका फल जरूर पाना।
पेड़ बचेंगे, हम बचेंगे,
साफ रहेगी अपनी धरती।
आओ मिलकर शपथ ये लें,
पेड़ों से ही जीवन की प्रगति।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच युवाओं को पारंपरिक डिग्री के साथ नए कौशल की जरूरत

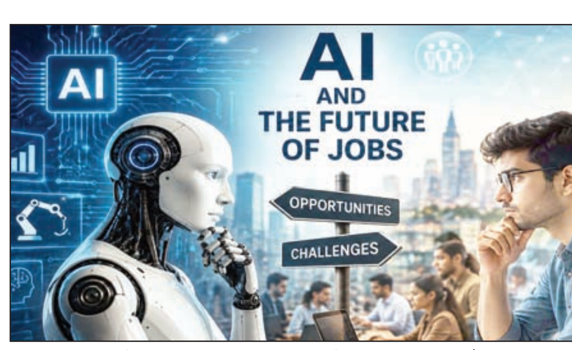

केशव शर्मा
स्वतंत्र लेखक

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) ने आधुनिक विश्व की कार्यशैली, अर्थव्यवस्था और जीवनशैली को अभूतपूर्व गति से बदलना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तेज़ी से ए.आई. तकनीक का विकास हुआ है, उसने लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, उद्योग, कृषि, मीडिया, परिवहन, न्याय व्यवस्था, रक्षा, ई-कॉमर्स और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में ए.आई. आधारित प्रणालियाँ तेजी से अपनाई जा रही हैं। यह तकनीक बड़ी मात्रा में उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण करने, जटिल समस्याओं का समाधान खोजने तथा कम समय में अधिक सटीक परिणाम देने में सक्षम है। इससे कार्यों की गति बढ़ी है, लागत कम हुई है और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लेकिन इन सकारात्मक परिवर्तनों के साथ एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी सामने आया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य में युवाओं के रोजगार के अवसरों को सीमित कर देगी? यह प्रश्न आज केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के करोड़ों युवाओं के मन में चिंता का विषय बना हुआ है।

आज का युवा ऐसे समय में अपने करियर की योजना बना रहा है जब तकनीकी परिवर्तन पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज़ गति से हो रहे हैं। अनेक बड़ी कंपनियाँ डेटा विश्लेषण, ग्राहक सेवा, लेखन, डिज़ाइन, प्रोग्रामिंग, लेखा, दस्तावेज़ तैयार करने, विपणन और प्रशासनिक कार्यों में ए.आई. आधारित प्रणालियों का उपयोग लगातार बढ़ा रही हैं। जिन कार्यों को पहले कई कर्मचारी मिलकर पूरा करते थे, वे अब आधुनिक सॉफ्टवेयर और बुद्धिमान प्रणालियों की सहायता से कम समय में पूरे होने लगे हैं। परिणामस्वरूप युवाओं में यह आशंका स्वाभाविक रूप से बढ़ रही है कि कहीं उनकी डिग्री, मेहनत और वर्षों से अर्जित कौशल का महत्व धीरे-धीरे कम न हो जाए। विशेष रूप से वे छात्र, जो पारंपरिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और आधुनिक तकनीकों से पर्याप्त परिचित नहीं हैं, भविष्य को लेकर अधिक चिंतित दिखाई देते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ए.आई. का सबसे अधिक प्रभाव उन नौकरियों पर पड़ सकता है जिनमें एक जैसे कार्य लगातार दोहराए जाते हैं। डेटा एंट्री, सामान्य ग्राहक सहायता, साधारण रिपोर्ट तैयार करना, दस्तावेजों का वर्गीकरण, बिलिंग, प्राथमिक लेखा कार्य और कुछ प्रशासनिक प्रक्रियाएँ अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसानी से स्वचालित की जा सकती हैं। ऐसे कार्यों में मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता कम होने से प्रतियोगिता बढ़ सकती है और रोजगार के पारंपरिक अवसर घट सकते हैं। यही कारण है कि कई युवा भविष्य की नौकरी को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि सभी नौकरियाँ समाप्त हो जाएँगी, बल्कि उनकी प्रकृति और कार्य करने का तरीका बदलता जाएगा।

दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि ए.आई. केवल रोजगार समाप्त करने वाली तकनीक नहीं है, बल्कि यह नए रोजगारों का भी सृजन कर रही है। मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, ए.आई. डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, ए.आई. प्रशिक्षण, तकनीकी परामर्श, स्वचालन प्रबंधन और नैतिक ए.आई. जैसे क्षेत्रों में रोजगार की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त ए.आई. आधारित स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थान और नई तकनीकी कंपनियाँ लाखों नए अवसर पैदा कर रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

छोटे पर्दे से बनीं स्टार

आशा नेगी का जन्म **23 अगस्त** 1989 को उत्तराखंड के देहरादून में हुआ था। उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर खास पहचान बनाई। छोटे पर्दे से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली आशा नेगी ने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर दर्शकों के बीच अपनी मजबूत जगह बनाई। उनकी सादगी, अभिनय क्षमता और स्क्रीन पर सहज उपस्थिति ने उन्हें युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया।

आशा नेगी
जन्म : 23 अगस्त 1989

आशा नेगी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा। उन्हें शुरुआती दौर में धारावाहिकों में काम करने का अवसर मिला, लेकिन उन्हें व्यापक लोकप्रियता एकता कपूर के चर्चित धारावाहिक पवित्र रिश्ता से मिली। इस धारावाहिक में उन्होंने पूर्वी देशमुख की भूमिका निभाई। उनके किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया और इसी भूमिका ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई।

इसके बाद आशा नेगी ने कई टेलीविजन धारावाहिकों और मनोरंजन कार्यक्रमों में काम किया। उन्होंने एक मुट्ठी आसमान, कुछ तो है तेरे मेरे दरमियां और बारिश जैसे धारावाहिकों में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। विशेष रूप से बारिश में उनका अभिनय दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। इस धारावाहिक में उन्होंने रोमांटिक और भावनात्मक भूमिका को सहजता के साथ प्रस्तुत किया।

टेलीविजन के साथ-साथ आशा नेगी ने डिजिटल मंच पर भी अपनी पहचान बनाई। वेब सीरीज के बढ़ते प्रभाव के साथ उन्होंने ऐसे किरदार चुने जिनमें अभिनय की अलग-अलग संभावनाएं थीं। डिजिटल मंच ने उन्हें पारंपरिक टेलीविजन भूमिकाओं से अलग तरह के किरदार निभाने का अवसर दिया। इससे उनकी अभिनय क्षमता का एक नया पक्ष दर्शकों के सामने आया। आशा नेगी ने मनोरंजन जगत में अपनी पहचान केवल ग्लैमर के आधार पर नहीं, बल्कि अभिनय के माध्यम से बनाई। उनके करियर में कई ऐसे पड़ाव आए जब उन्होंने अलग-अलग तरह की भूमिकाओं को स्वीकार किया और खुद को एक ही तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखा। यही कारण है कि उनके प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ती गई।

प्राचीन शिवलिंग और अद्भुत वास्तुकला समेटे सदाशिव ध्यांसूर महादेव मंदिर की अनोखी पहचान

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक

भारत हिमालय की गोद में स्थित हिमाचल प्रदेश की देवभूमि ऋषि-मुनियों, साधु-संतों और तपस्वियों की धरती रही है। यह भूमि प्राचीन धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण देश ही नहीं बल्कि विश्व के पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी विशेष पहचान रखती है। हिमाचल प्रदेश में अनेक ऐसे प्राचीन धार्मिक स्थल हैं, जहां आस्था और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। इसी श्रृंखला में ऊना जनपद का क्षेत्र भी अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए विशेष महत्व रखता है। यहां स्थित प्राचीन मंदिर केवल श्रद्धा के केंद्र नहीं हैं, बल्कि क्षेत्र के इतिहास और वास्तुकला की समृद्ध परंपरा को भी अपने भीतर संजोए हुए हैं।

ऊना के विभिन्न हिस्सों में अनेक देवी-देवताओं के प्राचीन मंदिर विद्यमान हैं, जो धार्मिक आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। इन्हीं पवित्र स्थलों में सदाशिव ध्यांसूर महादेव मंदिर का विशेष स्थान है। यह मंदिर ऊना-अंब राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे बड़ूही मार्ग से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर तलमेड़ा-बही ग्रामीण क्षेत्र की पर्वतीय तलहटी में हरे-भरे जंगलों के बीच स्थित है। मंदिर की अद्भुत नक्काशी और प्राचीन वास्तुकला को देखकर श्रद्धालु और पर्यटक सहज ही आकर्षित हो जाते हैं।

मान्यताओं के अनुसार यह मंदिर लगभग 2500 वर्ष से भी अधिक पुराना है। प्राचीन सदाशिव ध्यांसूर महादेव मंदिर घने शीशम, खैर, पलाह, आम और बेर के वृक्षों से आच्छादित है। मंदिर के आसपास का प्राकृतिक वातावरण इसकी सुंदरता को और बढ़ा देता है। यहां विचरण करते जंगली जानवर, पेड़ों की डालियों पर अठखेलियां करते बंदरों के झुंड और पक्षियों का मधुर कलरव श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराता है। प्रकृति की गोद में स्थित यह मंदिर धार्मिक यात्रा के साथ-साथ शांत वातावरण में कुछ समय बिताने का अवसर भी प्रदान करता है।

लोकमान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय इस पवित्र क्षेत्र में व्यतीत किया था। आज भी यहां सुरंगों, गुफाओं, कुंडों और बावड़ियों के रूप में कई प्राचीन अवशेष बताए जाते हैं। इन्हें स्थानीय जनश्रुतियां पांडव काल से जोड़ती हैं। हालांकि इन मान्यताओं की ऐतिहासिक पुष्टि अलग विषय है, लेकिन इन कथाओं ने इस धार्मिक स्थल की लोकआस्था को और अधिक मजबूत बनाया है।

जनश्रुति के अनुसार पांडवों के पुरोहित धौम्य ऋषि ने अपनी तीर्थ यात्रा के दौरान इसी स्थान पर भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें मनवांछित वर मांगने के लिए कहा। ऋषि धौम्य ने प्रार्थना की कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर उनके द्वारा पूजित शिवलिंग की पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा करेगा, उसकी मनोकामनाएं पूर्ण हों। मान्यता है कि भगवान शिव ने उनकी प्रार्थना स्वीकार करते हुए तथास्तु कहा था।

एक अन्य मान्यता के अनुसार इस प्राचीन शिवलिंग की खोज स्वामी ओंकारानंद गिरि महाराज ने वर्ष 1008 में की थी। उन्होंने यहां पहुंचकर मंदिर की पुनर्स्थापना करवाई। मंदिर के निर्माण के दौरान खुदाई में कई मूर्तियां, कलश और चक्र आदि प्राप्त होने की बात कही जाती है। स्थानीय लोग इन अवशेषों को पांडव काल से जोड़कर देखते हैं। मंदिर परिसर में स्थित भव्य और अलौकिक शिवलिंग आज भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है।

भक्तों की गहरी आस्था है कि सच्चे मन से भगवान शिव की आराधना करने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं यहां पूर्ण होती हैं। यही विश्वास इस मंदिर को स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष महत्व प्रदान करता है।

सावन माह में सदाशिव ध्यांसूर महादेव मंदिर का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के अलावा पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। सावन के दिनों में मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

पंजाब और हरियाणा से आने वाले श्रद्धालुओं की ओर से कई स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया जाता है। रात के समय भव्य जागरण आयोजित किए जाते हैं, जिनमें प्रसिद्ध कलाकार अपनी मधुर आवाज और भक्ति संगीत से वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं। घंटियों की ध्वनि, भगवान शिव के जयकारे और भजनों की स्वर लहरियां पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देती हैं।

यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि स्थानीय संस्कृति, सामाजिक सहभागिता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने वाला स्थल भी है। विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु यहां एक साथ पूजा-अर्चना करते हैं और धार्मिक आयोजनों में सहभागी बनते हैं। इस प्रकार मंदिर सामाजिक समरसता की भावना को भी मजबूत करता है। इतिहास, लोकमान्यता, धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध ऐसे स्थलों के संरक्षण की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। मंदिर के प्राचीन स्वरूप, आसपास के जंगलों, जलस्रोतों और ऐतिहासिक अवशेषों को सुरक्षित रखना सामूहिक जिम्मेदारी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

घबराई भाजपा बदल रही पीडीए के 'पी' की परिभाषा

एजेंसी, लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पीडीए में 'पी' को पाकिस्तान से जोड़ने वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा घबराई हुई है, इसलिए पीडीए के 'पी' की परिभाषा बदलने का प्रयास कर रही है। अखिलेश ने कहा कि एकरंगी लोग पीडीए के बहुरंग को नहीं समझ सकते। लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि जितनी भाजपा की पीड़ा बढ़ेगी, उतना ही पीडीए मजबूत होगा। उन्होंने पीडीए का अर्थ बताते हुए कहा कि इसका मतलब प्रेम, दया और अपनापन है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा और पीडीए के आंदोलन के जरिए सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सरकार बनाने का लक्ष्य है। सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकारी बजट की लूट को भाजपा ने अपना एजेंडा बना लिया है। उनके अनुसार, पीडीए समाज का उत्पीड़न हो रहा है और फर्जी मुठभेड़ों के साथ अपराधियों तथा भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के षड्यंत्र को विफल करने की ताकत समाजवादी पार्टी के पास है।

गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन नहीं तोड़ती और साथियों का साथ निभाती है। उन्होंने सहयोगी दलों को अधिक सीटें देने की बात भी कही। प्रयागराज की बाढ़ और जलभराव का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने सरकार पर विकास के नाम पर धन खर्च करने के बावजूद समस्या का समाधान न करने का आरोप लगाया। अखिलेश ने दावा किया कि जनता बदलाव के लिए तैयार है।

न्यूज ब्रीफ

कानपुर-दिल्ली रूट पर राजधानी शताब्दी समेत कई ट्रेनें चल रहीं घंटों लेट

एजेंसी, कानपुर। कानपुर सेंट्रल से दिल्ली जाने वाले रेलमार्ग पर पिछले एक महीने से ट्रेनों का समय पालन प्रभावित है। ट्रैक मरम्मत, ब्लाक और काशन के कारण कई प्रमुख ट्रेनें दो से तीन घंटे तक देरी से चल रही हैं। चेन पुलिंग और विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ने से भी परिचालन पर असर पड़ा है। पिछले 30 दिनों के आंकड़ों के अनुसार डिब्रूगढ़ राजधानी, सियालदह राजधानी और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनें 10 से 15 दिन निर्धारित समय से विलंबित होकर कानपुर सेंट्रल पहुंचीं और रवाना हुईं। तेजस एक्सप्रेस पांच दिन, जबकि दूरंतो नौ दिन देरी से चली। उत्तर मध्य रेल, प्रयागराज के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवम शर्मा ने बताया कि देश के विभिन्न रेल जोनों में मरम्मत और रखरखाव का काम जारी है। पीछे से आने वाली ट्रेनें विलंबित होने के कारण असर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज और कानपुर से निकलने वाली ट्रेनों के संचालन पर विशेष असर नहीं पड़ा है।

बाइक और स्कार्पियो की भिड़ंत में बिजली कर्मी ने तोड़ा दम

एजेंसी, औरैया। बेला-दिबियापुर मार्ग पर सहार थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम नीमहार मोड़ के पास तेज रफ्तार स्कार्पियो और बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में कन्नौज निवासी संविदा बिजली कर्मी उदय प्रताप (35) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी सहार पहुंचाया, जहां शनिवार सुबह उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उदय प्रताप बाइक से अपनी पत्नी प्रीति से मिलने सहार जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर के बाद स्कार्पियो चालक घायल की मदद करने के बजाय वाहन लेकर भागने लगा। कुछ दूर जाने पर वाहन का टायर फट गया और चालक स्कार्पियो छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। मृतक पिछले आठ वर्षों से बिजली विभाग में संविदा पर कार्यरत थे। उनके दो बेटे हैं।

लखनऊ से 80 बाइकर्स का दल चुनार किला और देवदरी के लिए रवाना

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन ने युवाओं और बाइकिंग के शौकीनों के लिए ऐतिहासिक व प्राकृतिक स्थलों को जोड़ते हुए दो दिवसीय यात्रा शुरू की है। शनिवार को 'द राइडिंग चैप्टर्स' के दूसरे संस्करण के तहत 80 बाइक सवार लखनऊ से रवाना हुए। यूपीएसटीडीसी के प्रबंध निदेशक आशीष कुमार ने 1090 चौराहे से यात्रा को हरी झंडी दिखाई। सुल्तानपुर और जौनपुर होते हुए बाइकर्स सारनाथ पहुंचेंगे और फिर चुनारगढ़ जाएंगे। यात्रा में ऐतिहासिक चुनारगढ़ के साथ देवदरी और राजदरी जलप्रपात भी शामिल हैं। रविवार को दल शूलटंकेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन और गंगा आरती के बाद जलप्रपातों की ओर रवाना होगा। पर्यटन विभाग का उद्देश्य अल्पज्ञात स्थलों को पहचान दिलाकर युवाओं को इतिहास, संस्कृति, प्रकृति और रोमांच से जोड़ना है।

कुएं में जहरीली गैस बनी काल, तीन लोगों की मौत

एजेंसी, चंदौली। शहाबगंज थाना क्षेत्र के किड़हिरा गांव में शनिवार को कुएं से खराब सबमर्सिबल निकालते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक और व्यक्ति गैस के प्रभाव से अचेत हो गया। मृतकों की पहचान मोनू, मुजसेर आलम और वारिस अली के रूप में हुई है। गंभीर हालत में शमशेर को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया। वहीं मेराज के भी अचेत होने पर जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे से गांव में मातम पसरा है।

रनवे पर विमान के पिछले हिस्से में टक्कर, यात्री घंटों रहे परेशान

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान में टेल इम्पैक्ट मिलने के बाद उसे परिचालन से हटा दिया गया। इसके चलते 19 अगस्त को गोरखपुर से दिल्ली जाने वाली उड़ान करीब पांच घंटे 30 मिनट विलंबित हुई। यात्रियों को काफी देर तक एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा। बाद में एयरलाइंस ने वैकल्पिक विमान की व्यवस्था कर यात्रियों को दिल्ली भेजा। एयरपोर्ट निदेशक संजय कुमार के अनुसार, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2381 दिल्ली से गोरखपुर पहुंची थी। एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद विमान वीटी-आईएलआर में तकनीकी कारणों से टेल इम्पैक्ट की जानकारी मिली। इसके बाद विमान को आगे की उड़ान के लिए रोक दिया गया। तकनीकी जांच शुरू की गई।

यूपी चुनाव में 6.09 करोड़ महिला मतदाता तय कर सकती हैं सत्ता का रुख

यूपी चुनाव में महिला मतदाता बनेंगी सत्ता की नई चाबी

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच प्रदेश की राजनीति में महिला मतदाताओं की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। अब तक चुनावी रणनीतियों में जातीय समीकरणों को सबसे अधिक महत्व दिया जाता रहा है, लेकिन इस बार करीब 6.09 करोड़ महिला मतदाता राजनीतिक दलों के लिए बड़ा और निर्णायक वोट बैंक बनकर उभर रही हैं। कुल मतदाताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 45.46 प्रतिशत है। इतनी बड़ी संख्या चुनावी नतीजों की दिशा बदलने में अहम भूमिका निभा सकती है।

उत्तर प्रदेश में लंबे समय से चुनावी राजनीति यादव, गैर-यादव पिछड़ा वर्ग, दलित, ब्राह्मण और मुस्लिम जैसे सामाजिक समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। राजनीतिक दल अपने-अपने परंपरागत वोट बैंक को मजबूत करने के साथ जातीय समूहों को साधने की रणनीति बनाते रहे हैं। हालांकि, बदलते चुनावी माहौल में महिलाओं को लेकर राजनीतिक दलों की प्राथमिकताएं भी तेजी से बदल रही हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाने और उनके लिए अलग कल्याणकारी योजनाएं घोषित करने की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा बढ़ती दिखाई दे रही है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं को चुनावी विमर्श में प्रमुखता मिल रही है। महिला मतदाताओं का महत्व केवल उनकी संख्या तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं की मतदान में बढ़ती भागीदारी ने राजनीतिक दलों को यह संकेत दिया है कि महिला मतदाता अब केवल परिवार के पारंपरिक राजनीतिक झुकाव के आधार पर मतदान नहीं करतीं। स्थानीय मुद्दे, सरकारी योजनाओं का लाभ, महंगाई, रोजगार, सुरक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति जैसे विषय भी उनके मतदान निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। यही कारण है कि राजनीतिक दल महिलाओं तक सीधे पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूहों, महिला लाभार्थियों, छात्राओं, कामकाजी महिलाओं और ग्रामीण परिवारों की महिलाओं को केंद्र में रखकर योजनाओं और अभियानों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के लिए भी यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि महिला मतदाता जातीय और धार्मिक समीकरणों से कितनी अलग होकर मतदान करती हैं। यदि महिलाओं का बड़ा हिस्सा मुद्दों और सरकारी योजनाओं के आधार पर मतदान करता है, तो 2027 का चुनाव पारंपरिक जातीय गणित से आगे निकल सकता है।

दरोगा के जन्मदिन पर साइबर ठगी 35 मिनट में उड़ाए 6.93 लाख

एजेंसी, बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में साइबर ठगों ने मोतीपुर थाने में तैनात दरोगा संजीत कुमार सिंह को उनके जन्मदिन पर ही अपना निशाना बना लिया। साइबर अपराधियों ने उनका मोबाइल हैक कर महज 35 मिनट के भीतर तीन बैंक खातों से करीब 6.93 लाख रुपये निकाल लिए। घटना की जानकारी मिलते ही दरोगा ने बैंकों की हेल्पलाइन से संपर्क कर रकम को तत्काल रोकने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

दरोगा के मुताबिक, अज्ञात साइबर ठगों ने उनके महाराजगंज स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से 35 मिनट में 11 अलग-अलग लेनदेन किए। इन लेनदेन के जरिए कुल 6,92,550 रुपये निकालकर सिटी बैंक और यस बैंक के खातों में भेजे गए। मोबाइल में संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद उन्होंने तत्काल संबंधित बैंकों को सूचना दी और रकम होल्ड कराने की गुहार लगाई। हालांकि, बैंक हेल्पलाइन से संपर्क के बावजूद खातों को समय रहते फ्रीज नहीं किया जा सका। इससे साइबर ठगी के मामलों में बैंकिंग व्यवस्था की त्वरित प्रतिक्रिया को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

पीड़ित दरोगा ने बताया कि उन्होंने किसी अज्ञात व्यक्ति को ओटीपी साझा नहीं किया और न ही कोई संदिग्ध मोबाइल ऐप डाउनलोड किया था। इसके बावजूद उनके मोबाइल और बैंक खातों तक साइबर अपराधियों की पहुंच कैसे बनी, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर विशेषज्ञों की मदद से जांच शुरू कर दी है। रकम किन खातों में पहुंची और ठगी के पीछे कौन लोग हैं, इसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

तेज रफ्तार बाइक दीवार से टकराई, 23 वर्षीय युवक की मौत

एजेंसी, गोरखपुर

मुंडेरा बाजार क्षेत्र में शनिवार सुबह तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित दीवार से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार 23 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौरीचौरा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक की पहचान चौरीचौरा थाना क्षेत्र के शत्रुघ्नपुर गांव के पासी टोला निवासी राजेश राजभर उर्फ बन्नू के रूप में हुई है। बताया गया कि शनिवार सुबह करीब आठ बजे राजेश बाइक से भौवापार गांव स्थित अपने मामा के घर जाने के लिए निकला था। सरदारनगर ब्लाक के पास पहुंचते ही उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे दीवार से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि राजेश को गंभीर चोटें आईं। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, हादसे की सूचना मिलने के बाद वे अस्पताल पहुंचे। मृतक के पिता ने आशंका जताई कि संभवतः किसी अज्ञात वाहन की टक्कर के कारण बाइक अनियंत्रित हुई होगी।

वाराणसी में गंगा उफान पर, चेतावनी बिंदु के करीब पहुंचा जलस्तर

एजेंसी, वाराणसी

◆ **प्रशासन** ने प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। जलस्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जरूरत पड़ने पर प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ का खतरा गहराने लगा है। शनिवार सुबह 10 बजे राजघाट स्थित केंद्रीय जल आयोग के गेज स्थल पर गंगा का जलस्तर 69.17 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर करीब एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर है।

ऐसे में अगले कुछ घंटों में जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार करने की आशंका है। खतरे का निशान 71.262 मीटर और उच्चतम बाढ़ स्तर 73.901 मीटर है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश को गंगा के बढ़ते जलस्तर की प्रमुख वजह माना जा रहा है। पानी बढ़ने के साथ ही वाराणसी के कई घाट जलमग्न हो गए हैं और तटवर्ती इलाकों की गलियों तथा निचली बस्तियों तक पानी पहुंचने लगा है।

अस्सी घाट पर आयोजित होने वाले 'सुबह-ए-बनारस' कार्यक्रम का मंच भी पानी में डूब गया है। प्राचीन शीतलाघाट स्थित माता शीतला मंदिर के गर्भगृह तक गंगा का पानी पहुंच गया। इसके बाद मंदिर के पुजारी ने माता शीतला की चल प्रतिमा को अहिल्याबाई घाट स्थित अहिलेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी।

बढ़ते जलस्तर और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए गंगा में नाव संचालन पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी गई है। वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट और एनडीआरएफ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रही हैं। ड्रोन कैमरों से भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें नावों से घाटों पर गश्त कर लोगों को सतर्क कर रही हैं। तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट की गलियों तक पहुंच गया है। इसके चलते शवदाह की व्यवस्था घाट के ऊपरी हिस्से की छत पर की जा रही है। अंतिम संस्कार के लिए पहुंच रहे लोगों को नाव के सहारे ऊपरी हिस्से तक जाना पड़ रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर भी जलस्तर बढ़ने से परेशानी बढ़ गई है। यहां अंतिम संस्कार के लिए लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है और ऊपरी हिस्से में व्यवस्था की जा रही है।

सुलतानपुर में सात स्मार्ट मीटर फटे करंट फैलने से चार लोग झुलसे

एजेंसी, सुलतानपुर। आवास विकास कॉलोनी के पास शनिवार को एक साथ सात घरों में लगे स्मार्ट मीटर फटने से अफरातफरी मच गई। हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्य झुलस गए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में बिजली विभाग के प्रति नाराजगी देखी गई।

जानकारी के अनुसार, पानी की टंकी के पास अलग-अलग घरों में लगे स्मार्ट मीटर अचानक फट गए। इसके बाद एक घर में शॉर्ट सर्किट से करंट फैल गया। हादसे में प्रीति, उनकी बेटियां राजवी और शाम्भवी तथा कंचन झुलस गईं। परिवार के लोगों के अनुसार, घटना के समय घर में अचानक तेज आवाज के साथ मीटर फटने लगे और कुछ ही देर में विद्युत करंट पूरे घर में फैल गया।

अधिकारियों के अनुसार, पेड़ की छंटाई के दौरान उसकी डाल 132 किलोवोल्ट की विद्युत लाइन से छू गई थी। इससे शॉर्ट सर्किट हुआ और सात स्मार्ट मीटर फट गए। हादसे में अन्य घरों के मीटर भी क्षतिग्रस्त हुए, हालांकि वहां किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पति ने धारदार हथियार से हमला कर पत्नी और बेटी को उतारा मौत के घाट

एजेंसी, गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में थाना खोड़ा क्षेत्र के लोकप्रिय विहार की गली नंबर-तीन में शनिवार तड़के एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। यहां एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला कर अपनी पत्नी और 15 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी, जबकि 14 वर्षीय दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इंदिरापुरम क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त सूर्य बली मौर्य ने बताया कि मूलरूप से बिहार के अररिया निवासी राजा अंसारी लोकप्रिय विहार स्थित मकान की चौथी मंजिल पर पत्नी बीबी तबस्सुम और दो बेटियों सना तबस्सुम (15) तथा रूबी तबस्सुम (14) के साथ रहता था। किसी बात को लेकर परिवार में विवाद हुआ, जिसके बाद राजा अंसारी ने पत्नी और दोनों बेटियों पर फरसा और चाकू से हमला कर दिया।

हमले में बीबी तबस्सुम और उनकी 15 वर्षीय बेटी सना की मौत हो गई, जबकि रूबी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बेटी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी के अनुसार, वारदात के बाद आरोपित मौके से फरार नहीं हुआ और घर के बाहर बैठा रहा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती पूछताछ में आरोपित ने आर्थिक तंगी के कारण तनाव में यह कदम उठाने की बात कही है।

जयंत चौधरी पर टिप्पणी से नाराज रालोद अखिलेश यादव पर साधा तीखा निशाना

◆ **'चवन्नी का रुपया' टिप्पणी पर रालोद का पलटवार, जयंत के समर्थन में उतरे नेता।**

एजेंसी, लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जयंत चौधरी पर की गई टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय लोक दल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। रालोद प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ एवं प्रवक्ता रोहित अग्रवाल ने आरोप लगाया कि जयंत चौधरी पर टिप्पणी कर अखिलेश यादव ने चौधरी परिवार और जाट समाज का अपमान किया है।

रोहित अग्रवाल ने कहा कि जाट समाज वीरता, स्वाभिमान, मेहनत और त्याग के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने मुलायम सिंह यादव को राजनीतिक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन आज उसी समाज को लेकर टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने अखिलेश यादव पर अपने पुराने गठबंधन सहयोगियों का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया। रोहित अग्रवाल ने कहा कि 2017 में कांग्रेस, 2019 में बसपा और 2022 में रालोद के साथ गठबंधन के दौरान भी सहयोगियों को लेकर विवाद सामने आए। उन्होंने कहा कि लगातार सहयोगियों पर टिप्पणी करने से सपा की छवि प्रभावित हो रही है।

रालोद नेता ने दावा किया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता इस तरह की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी और 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा को इसका राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ेगा। वहीं, रालोद के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने मायावती के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की टिप्पणी को लेकर जाट और ब्राह्मण समाज में नाराजगी है। अखिलेश यादव की 'चवन्नी का रुपया' वाली टिप्पणी को रालोद नेताओं ने जयंत चौधरी की ओर इशारा माना है।

दौरा राणा बेनी माधव की 222वीं जयंती में शामिल होंगे सीएम योगी, जनसभा को करेंगे संबोधित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कल रायबरेली दौरा, प्रशासन तैयारियों में जुटा

एजेंसी, रायबरेली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित 24 अगस्त के रायबरेली दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के अमर शहीद राणा बेनी माधव बक्श सिंह की 222वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भाव समर्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस दौरान मुख्यमंत्री पर्यटन विभाग द्वारा करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार सभागार का लोकार्पण करने के साथ जनसभा को भी संबोधित कर सकते हैं।

हालांकि, मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक कार्यक्रम प्रशासन को प्राप्त नहीं हुआ है। राणा बेनी माधव स्मारक समिति की ओर से 1857 की क्रांति के नायक राणा बेनी माधव सिंह की 222वीं जयंती पर समारोह आयोजित किया जा रहा है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री सभागार का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद रायबरेली के जीआईसी मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करने के साथ कई विकास योजनाओं का लोकार्पण भी कर सकते हैं।

प्रशासनिक स्तर पर मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए तैयारियां लगातार जारी हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग और साफ-सफाई की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। आईजी किरण यश ने भी प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर पालिका प्रशासन को मुख्यमंत्री के काफिले के संभावित मार्गों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़कों को गड्ढामुक्त करने, नालियों की सफाई, जलभराव रोकने और शहर में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि दौरे से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी। अपर जिलाधिकारी सिद्धार्थ ने बताया कि मुख्यमंत्री का अधिकृत कार्यक्रम अभी उपलब्ध नहीं हुआ है। इसके बावजूद प्रस्तावित दौरे को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रशासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अतिरिक्त बल तैनात करने की तैयारी है।

यातायात व्यवस्था होगी सुचारू

इसके अलावा कार्यक्रम स्थलों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। संभावित भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थलों को चिह्नित किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सभी व्यवस्थाओं की जांच कर लें। नगर पालिका की टीमें सड़कों और आसपास के क्षेत्रों की सफाई में जुटी हैं। जलभराव वाले स्थानों को भी चिन्हित कर वहां आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रयास है कि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और आम लोगों को भी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और तैयारियों की लगातार समीक्षा की जा रही है।

प्रेम प्रसंग के चलते बेटी ने प्रेमी संग मिलकर की पिता की हत्या

एजेंसी, बस्ती

◆ **रिश्तों को शर्मसार करने वाली वारदात से सनसनी**

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में छावनी थाना क्षेत्र के रमवापुर गांव में शुक्रवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई। आरोप है कि एक युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने शनिवार को बताया कि रमवापुर गांव निवासी कृष्णा (50) अपनी बेटी को तलाशते हुए घर से करीब सौ मीटर दूर बभरौली गांव के पास नहर किनारे पहुंचे थे। वहां उन्होंने अपनी बेटी को एक युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। पिता ने दोनों का विरोध किया। आरोप है कि इसी बात को लेकर बेटी और उसके प्रेमी ने मिलकर कृष्णा पर हंसिये से हमला कर दिया। हमले में कृष्णा की गर्दन और शरीर पर कई गंभीर वार किए गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद युवती अपने प्रेमी के साथ वहां से फरार हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक के भाई कांशीराम के अनुसार, उनकी भतीजी शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे बकरी चराने के लिए घर से निकली थी। देर शाम तक उसके वापस नहीं लौटने पर कृष्णा उसकी तलाश में निकले थे। इसके बाद देर रात उनकी हत्या की जानकारी सामने आई। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

चीनी व्यापारियों पर हरियाणा सरकार सख्त, 4000 क्विंटल से ज्यादा स्टॉक रखा तो होगी कार्रवाई

चीनी व्यापारी 30 दिनों से अधिक समय तक स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच हरियाणा सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। प्रदेश में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और बाजार में कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए सरकार ने व्यापारियों के लिए अधिकतम स्टॉक सीमा निर्धारित कर दी है।

नए नियमों के तहत कोई भी व्यापारी किसी एक स्थान या किसी भी समय पर 4000 क्विंटल यानी 400 टन से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा। निर्धारित सीमा से अधिक चीनी मिलने पर संबंधित व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक संबंधी नए निर्देश जारी किए गए हैं।

सरकार का उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना और बढ़ती कीमतों के बीच किसी भी प्रकार की कृत्रिम कमी पैदा होने से रोकना है। अधिकारियों को स्टॉक की निगरानी करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। नए प्रावधानों के अनुसार व्यापारी चीनी को प्राप्त होने की तारीख से 30 दिनों से अधिक समय तक अपने पास नहीं रख सकेंगे।

इसका मतलब है कि निर्धारित मात्रा के साथ-साथ स्टॉक रखने की अवधि पर भी सरकार की नजर रहेगी। इससे लंबे समय तक चीनी रोककर रखने और कीमतों में कृत्रिम बढ़ोतरी करने की कोशिशों पर अंकुश लगाने की उम्मीद है।

सरकार ने व्यापारियों के लिए स्टॉक की जानकारी उपलब्ध कराना भी आवश्यक किया है। व्यापारियों को अपने पास मौजूद चीनी के स्टॉक की घोषणा करनी होगी और इसमें होने वाले बदलाव की जानकारी नियमित रूप से देनी होगी। इसके लिए साप्ताहिक आधार पर स्टॉक की स्थिति अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं।

चीनी की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए सरकार बाजार में इसकी उपलब्धता को लेकर सतर्क है। अधिकारियों का मानना है कि पर्याप्त मात्रा में चीनी बाजार में उपलब्ध रहने से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। वहीं, जमाखोरी के कारण कृत्रिम कमी पैदा होने पर कीमतों में अचानक बढ़ोतरी की आशंका रहती है।

सज्जन कुमार को 'रोल मॉडल' बताने पर विवाद, भाजपा ने दीपेंद्र हुड्डा को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में दोषी ठहराए गए कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को कथित तौर पर 'रोल मॉडल' बताए जाने को लेकर रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा विवादों में घिर गए हैं। हुड्डा की ओर से सज्जन कुमार के निधन पर दी गई श्रद्धांजलि में इस्तेमाल किए गए शब्दों को लेकर हरियाणा और पंजाब में भाजपा समेत विपक्षी दलों ने कांग्रेस पर हमला बोला है।

विवाद बढ़ने के बाद नई दिल्ली स्थित दीपेंद्र हुड्डा के आवास के बाहर पोस्टर लगाए गए। इसके बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के जख्म आज भी भरे नहीं हैं। ऐसे में मृत सज्जन कुमार को रोल मॉडल बताए जाने की बात उनके दर्द को और बढ़ाने वाली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों ने 1984 में अपने प्रियजनों को खोया, उनके लिए इस तरह के बयान केवल राजनीतिक टिप्पणी नहीं हैं, बल्कि वर्षों पुराने जख्मों को फिर से कुरेदने जैसे हैं। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि सज्जन कुमार को किस बात का रोल मॉडल बताया जा रहा है।

नायब सैनी ने कांग्रेस से 1984 के दंगों के पीड़ित परिवारों से माफी मांगने की मांग भी की। उन्होंने राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' वाली राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पीड़ितों के दर्द को नजरअंदाज करना आखिर किस तरह की मोहब्बत है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। विपक्षी दल इस मुद्दे को कांग्रेस के खिलाफ प्रमुख राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए पीड़ित परिवारों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

जमानत पर जेल से बाहर आए युवक की हत्या, हमले में दो साथी भी घायल

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा जिले के रोड़ी कस्बे में पुरानी रंजिश के चलते जमानत पर जेल से बाहर आए युवक कुलबीर सिंह की हत्या कर दी गई। शुक्रवार देर रात कुलबीर अपने भाई रणधीर सिंह और भतीजे जगदीप सिंह के साथ खेत में पानी लगाने जा रहा था। गांव झोरड़ाली के बस अड्डे के पास हथियारबंद हमलावरों ने तीनों को घेरकर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। ग्रामीणों और परिजनों ने घायलों को सिरसा के नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान कुलबीर की मौत हो गई। रणधीर और जगदीप का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि कुलबीर हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था। उसका नाम कुछ वर्ष पहले हुई हत्या के मामले में आया था। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा में सफाई व्यवस्था ठप, हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की चल रही हड़ताल का पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। सिरसा के विधायक गोकुल सेतिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर स्थिति रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी। प्रदेश में कई दिनों से सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसके चलते विभिन्न शहरों और कस्बों में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। सरकार के साथ बैठकों में सहमति नहीं बनने पर कर्मचारी हड़ताल को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने दावा किया कि सरकार ने कर्मचारियों की सभी मांगें मान ली हैं। याची के वकील ने इसका विरोध करते हुए कई शहरों में कचरे से बीमारी फैलने का खतरा बताया। हाईकोर्ट ने अतिरिक्त मुख्य सचिव, शहरी स्थानीय निकाय विभाग से शपथपत्र मांगा है।

मिड-डे-मील में फर्जीवाड़े पर शिकंजा, तीन रिकॉर्ड से होगी बच्चों की हाजिरी की जांच

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। राजकीय स्कूलों में मिड-डे-मील की हाजिरी में फर्जीवाड़े पर शिक्षा निदेशालय ने सख्ती की है। अब कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों की दैनिक हाजिरी का सत्यापन किया जाएगा। उपस्थिति स्कूल रजिस्टर के साथ पीएम पोषण एप और एमआईएस पोर्टल पर भी दर्ज करनी होगी। तीनों रिकॉर्ड में अंतर मिलने पर स्कूल मुखिया की जवाबदेही तय होगी। निर्देशों के अनुसार, कक्षा अध्यापक रोज विद्यार्थियों की हाजिरी लेकर उपस्थित बच्चों की संख्या मिड-डे-मील इंचार्ज को बताएंगे। इसके बाद रजिस्टर में कुल उपस्थिति दर्ज कर संबंधित शिक्षकों और स्कूल मुखिया के हस्ताक्षर करवाए जाएंगे। इसी आधार पर पीएम पोषण एप और एमआईएस पोर्टल पर उपस्थिति अपडेट होगी। खंड शिक्षा अधिकारी और डिप्टी डीईओ रोजाना स्कूलों के रिकॉर्ड की जांच करेंगे। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि हाजिरी में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

हरियाणा में स्कूल की बदहाली पर घमासान गैबीपुर सरपंच को किया गया निलंबित

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हरियाणा में सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति और शिक्षकों की कमी को लेकर चल रहे विवाद के बीच गैबीपुर गांव के सरपंच पवन मेहता को निलंबित कर दिया गया। डीसी हिसार महेंद्रपॉल ने शनिवार को सरपंच के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि, निलंबन पत्र में कार्रवाई का कारण स्कूल विवाद से अलग बताया गया है। शुक्रवार को शिक्षकों की कमी से नाराज ग्रामीणों ने गैबीपुर के सरकारी प्राथमिक स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया था। सूचना मिलने पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जिले सिंह और सरपंच मौके पर पहुंचे। अधिकारियों और सरपंच के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने स्कूल का ताला खोल दिया था।

सब्जी मंडी से सड़क जाम और गंदगी की समस्या, व्यापारियों ने विधायक से लगाई गुहार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

औद्योगिक नगरी पानीपत के सनौली रोड स्थित शिव चौक क्षेत्र में रोजाना लगने वाली पुरानी सब्जी और फल मंडी स्थानीय व्यापारियों व निवासियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। मंडी के कारण लगने वाले जाम, गंदगी और दुर्गंध से आसपास के दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

समस्या के समाधान की मांग को लेकर क्षेत्र के निवासियों, दुकानदारों और प्रमुख व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने शहरी विधायक प्रमोद विज से मुलाकात की। व्यापारियों ने विधायक को बताया कि मंडी लगने के दौरान सड़क पर वाहनों और खरीदारों की भीड़ बढ़ जाती है। इससे रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है। व्यापारियों का दावा है कि मंडी की अव्यवस्था के कारण उनका

पुरानी सब्जी मंडी की अव्यवस्था से परेशान व्यापारी विधायक से मिले।

कारोबार करीब 50 प्रतिशत तक प्रभावित हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क और आसपास की गलियों में मंडी खत्म होने के बाद सड़ी-गली सब्जियां, फल, पॉलीथिन और अन्य कचरा पड़ा रहता है। गंदगी के कारण क्षेत्र में दुर्गंध फैलती है और बीमारी फैलने का खतरा भी बना हुआ है। राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

भाखड़ा नहर में डूबने से आईटीआई छात्र की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। फतेहाबाद जिले के भूना क्षेत्र में 16 वर्षीय छात्र की भाखड़ा नहर में डूबने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्र का शव गांव सालमखेड़ा के पास नहर में तैरता हुआ बरामद हुआ। शनिवार को नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, गांव चौबारा निवासी भविष्य ने करीब 10 दिन पहले ही जमालपुर शेखां स्थित आईटीआई में दाखिला लिया था। शुक्रवार सुबह वह परिजनों से आईटीआई जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन गोरखपुर स्थित भाखड़ा नहर के पुल पर पहुंच गया। वहां उसने अपना स्कूल बैग नहर की पटरी पर रख दिया। एक राहगीर ने लावारिस बैग देखकर उसमें रखा मोबाइल फोन निकाला और परिजनों को सूचना दी।

हरियाणा में मानसून की वापसी, आज से तीन दिन बारिश; यमुनानगर समेत तीन जिलों में अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हरियाणा में मानसून ने एक बार फिर सक्रियता बढ़ा दी है। शुक्रवार को प्रदेश के 10 जिलों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जिसके बाद मौसम में बदलाव देखने को मिला। अगले तीन दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए तीन जिलों में तेज वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मानसून की सक्रियता बढ़ने से सोमवार तक हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो सकती है। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है। हालांकि, शुक्रवार को कुछ स्थानों पर बारिश के बाद दोपहर में धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी दर्ज

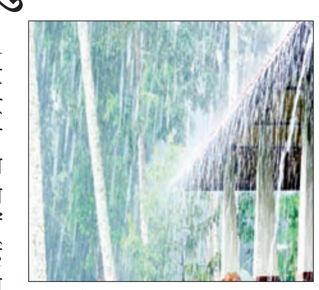

की गई।

शुक्रवार को फतेहाबाद, हांसी, हिसार, यमुनानगर, कैथल, गुरुग्राम, रोहतक, पानीपत, सोनीपत और करनाल में बूंदाबांदी हुई। हल्की बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से कुछ राहत मिली। किसानों के लिए भी इस समय होने वाली बारिश को लाभकारी माना जा रहा है। खेतों में खड़ी फसलों के लिए पर्याप्त नमी मिलने से सिंचाई की जरूरत कम हो सकती है। हिसार में शुक्रवार को बूंदाबांदी के बावजूद दोपहर में धूप निकल आई। इसके चलते यहां अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण दिन और रात के तापमान में भी अंतर देखने को मिल रहा है।

मौसम विभाग ने यमुनानगर, करनाल और पानीपत में तेज वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में बारिश के दौरान जलभराव और यातायात प्रभावित होने जैसी स्थिति बन सकती है। प्रशासन और स्थानीय लोगों को मौसम पर नजर रखने की सलाह दी गई है। अगले तीन दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने से प्रदेश के अन्य जिलों में भी मौसम सुहावना रहने की संभावना है। किसानों को भी मौसम के अनुसार कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है।

एक करोड़ की फिरौती मामले में सरकारी शिक्षक दबोचा, गैंगस्टर से कनेक्शन का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, नारायणगढ़

ज्वेलर से एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में नारायणगढ़ सीआईए स्टाफ ने मुख्य आरोपित सरकारी शिक्षक अजय कुमार उर्फ दर्शन लाल वालिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के तार गैंगस्टर वेंकट गर्ग से जुड़े होने की जांच की जा रही है। उस पर गैंगस्टर के साथ मिलकर संगठित अपराध में शामिल होने का आरोप है।

पुलिस ने आरोपी शिक्षक को शुक्रवार को नारायणगढ़ अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। रिमांड के दौरान पुलिस उससे रंगदारी मांगने की पूरी साजिश, गैंगस्टर से उसके संपर्क और अन्य संभावित सहयोगियों के बारे में पूछताछ करेगी। जानकारी के अनुसार, ज्वेलर को एक करोड़ रुपये की फिरौती देने के लिए धमकाया गया था। रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी

ज्वेलर से मांगी एक करोड़ की रंगदारी, सरकारी शिक्षक गिरफ्तार; पुलिस जुटी साजिश के खुलासे में।

गई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों तथा अन्य जानकारी के आधार पर सरकारी शिक्षक अजय वालिया तक पहुंची।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रंगदारी की मांग के पीछे उसकी क्या भूमिका थी और इस मामले में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल हैं। अजय वालिया पहले भी विवादों में रह चुके हैं। मिड डे मील प्रकरण में सरकार के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। हालांकि, वर्ष 2020 में हाई कोर्ट से उन्हें राहत मिली थी। इसके बाद उनका मुख्यालय यमुनानगर के प्रताप नगर स्थित खिजराबाद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निर्धारित किया गया था। पुलिस अब आरोपी के पुराने रिकॉर्ड और गैंगस्टर वेंकट गर्ग से उसके संबंधों की भी जांच कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि दोनों के बीच कब से संपर्क था और क्या पहले भी किसी आपराधिक गतिविधि में उसकी भूमिका रही है।

पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान पूछताछ से मामले से जुड़े कई अहम तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है। पुलिस यह भी पता लगाएगी कि रंगदारी की रकम वसूलने की योजना किस स्तर पर तैयार की गई थी और ज्वेलर को धमकी देने के लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले में अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी भी संभव है।

हिसार कोर्ट हत्याकांड: पोस्टमार्टम में 12 गोलियों के निशान, 15 से ज्यादा मिले जख्म

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

हिसार कोर्ट परिसर में ताबड़तोड़ गोलीबारी में मारे गए कुख्यात गैंगस्टर विनोद पानू उर्फ काणा के पोस्टमार्टम में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में फोरेंसिक विशेषज्ञों की निगरानी में मेडिकल बोर्ड ने करीब सात घंटे तक पोस्टमार्टम किया। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शुक्रवार शाम करीब सवा पांच बजे शव भारी पुलिस सुरक्षा के बीच स्वजन को सौंप दिया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार विनोद काणा के शरीर पर कुल 12 गोलियों के निशान मिले। इनमें से 10 गोलियां शरीर को भेदकर आरपार निकल गई थीं, जबकि दो गोलियां शरीर के अंदर धंसी मिलीं। चिकित्सकों ने एक गोली सिर और दूसरी दाहिनी बाजू से बरामद की। रिपोर्ट के मुताबिक छह गोलियां छाती के आरपार गईं, जिससे शरीर के अंदरूनी अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा। इसके अलावा कंधे, पेट और पैरों के आसपास भी गोलियों के निशान पाए गए। पोस्टमार्टम के दौरान शरीर पर 15 से अधिक चोटों की

पुष्टि हुई। इससे हमले की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

गौरतलब है कि वीरवार को विनोद पानू उर्फ काणा हिसार कोर्ट परिसर में पेशी के लिए आया था। इसी दौरान बाइक पर पहुंचे दो हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गंभीर रूप से घायल विनोद की मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार शाम को थुराना गांव में विनोद काणा का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस मामले में हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच आगे बढ़ा रही है। पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि वारदात से जुड़े सुराग मिल सकें।

हरियाणा में सड़क हादसों की जांच और मुआवजा प्रक्रिया होगी डिजिटल, ई-डीएआर से आएगी तेजी

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा में सड़क हादसों के बाद होने वाली जांच और मुआवजा प्रक्रिया को अब डिजिटल बनाने की तैयारी की जा रही है। ई-विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट यानी ई-डीएआर पोर्टल के माध्यम से हादसे की सूचना दर्ज करने से लेकर जांच, दस्तावेज तैयार करने और मुआवजे की प्रक्रिया तक को एक ही डिजिटल मंच से जोड़ा जाएगा। इससे प्रक्रिया में तेजी आने के साथ पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

सड़क हादसों में हर दिन औसतन 13 से 14 लोगों की जान जा रही है। हादसे के बाद पीड़ित और उनके परिवारों को पुलिस जांच, मेडिकल रिपोर्ट, बीमा संबंधी दस्तावेज और मुआवजे के लिए अलग-अलग प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इन औपचारिकताओं में काफी समय लग जाता है। ई-डीएआर व्यवस्था लागू होने के बाद इन प्रक्रियाओं को सरल और व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जाएगा। फतेहाबाद में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ओर से पुलिस

दुर्घटनास्थल से ही पुलिस दर्ज करेगी हादसे की पूरी जानकारी।

अधिकारियों और कर्मचारियों को ई-डीएआर पोर्टल के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को बताया गया कि हादसे से संबंधित आवश्यक जानकारी किस तरह डिजिटल माध्यम से दर्ज की जाएगी।

व्यवस्था लागू होने के बाद पुलिसकर्मी दुर्घटनास्थल से ही हादसे की जानकारी, फोटो और वीडियो पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण लाभ यह होगा कि हादसे से संबंधित पूरा रिकॉर्ड एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेगा। पुलिस, संबंधित विभागों और मुआवजा प्रक्रिया से जुड़े पक्षों को आवश्यक जानकारी आसानी से मिल सकेगी। इससे दस्तावेजों के आदान-प्रदान में लगने वाला समय भी कम हो सकता है।

ई-डीएआर पर दर्ज होने वाले आंकड़ों का इस्तेमाल सड़क हादसों के कारणों का अध्ययन करने और दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान करने में भी किया जा सकेगा। इसके आधार पर भविष्य में हादसों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिलेगी। इस डिजिटल व्यवस्था से दुर्घटना पीड़ित परिवारों को जांच और मुआवजे की प्रक्रिया में राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासन का उद्देश्य प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाना है।

हरियाणा के नए एडवोकेट जनरल बने पवन कुमार मुतनेजा, संभालेंगे बड़ी कानूनी जिम्मेदारी

संवैधानिक, दीवानी, आपराधिक और कंपनी कानून के मामलों में लंबा अनुभव रखने वाले मुतनेजा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पवन कुमार मुतनेजा को प्रदेश का नया एडवोकेट जनरल नियुक्त किया है। वह परविंदर सिंह चौहान की जगह यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। परविंदर सिंह चौहान के हाई कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त होने के बाद एडवोकेट जनरल का पद खाली हो गया था। अब सरकार ने लंबे कानूनी अनुभव वाले पवन कुमार मुतनेजा की नियुक्ति कर इस पद को भर दिया है।

पवन कुमार मुतनेजा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में लंबे समय से विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों की पैरवी कर रहे हैं। उन्हें संवैधानिक, दीवानी और आपराधिक मामलों के साथ-साथ श्रम कानून, कंपनी कानून और मध्यस्थता से जुड़े मामलों में भी विशेषज्ञता हासिल है। कानूनी क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। मुतनेजा ने अपने कानूनी करियर के दौरान कई जटिल और महत्वपूर्ण मामलों में विभिन्न संस्थानों का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, कॉरपोरेट निकायों और अन्य संस्थानों की ओर से भी हाई कोर्ट में पैरवी की है। संवैधानिक

मामलों की गहरी समझ के साथ उन्हें दीवानी मुकदमेबाजी और आपराधिक मामलों में भी व्यापक अनुभव प्राप्त है।

पवन कुमार मुतनेजा इससे पहले हरियाणा के अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर भी सेवाएं दे चुके हैं। इस दौरान उन्हें राज्य सरकार से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में सरकार का पक्ष रखने और पैरवी करने का अवसर मिला। सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों को अदालत में प्रभावी ढंग से रखने का उनका अनुभव अब एडवोकेट जनरल के रूप में उनके लिए उपयोगी साबित होगा। एडवोकेट जनरल राज्य सरकार का प्रमुख कानूनी सलाहकार होता है। प्रदेश सरकार से जुड़े महत्वपूर्ण संवैधानिक और कानूनी मामलों में अदालत के सामने सरकार का पक्ष रखना इस पद की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है। इसके अलावा सरकार को विभिन्न कानूनी मामलों में सलाह देने की जिम्मेदारी भी एडवोकेट जनरल के पास होती है।

मुतनेजा की विशेषज्ञता केवल संवैधानिक कानून तक सीमित नहीं है। वह औद्योगिक एवं श्रम कानून, कंपनी कानून, दीवानी मुकदमेबाजी और मध्यस्थता से संबंधित मामलों में भी काम कर चुके हैं। हाई कोर्ट में लंबे समय तक पैरवी करने के कारण उन्हें विभिन्न प्रकार के कानूनी मामलों की अच्छी समझ है। उनके अनुभव में जटिल कानूनी विवादों की पैरवी के साथ सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से जुड़े मामले भी शामिल रहे हैं। ऐसे में एडवोकेट जनरल के रूप में उनकी भूमिका प्रदेश सरकार के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। परविंदर सिंह चौहान के पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश बनने के बाद हरियाणा के एडवोकेट जनरल का पद खाली हो गया था।

सरकार को इस पद के लिए ऐसे वरिष्ठ अधिवक्ता की आवश्यकता थी, जिसे प्रदेश सरकार से जुड़े मामलों और हाई कोर्ट की कार्यप्रणाली का व्यापक अनुभव हो। अब पवन कुमार मुतनेजा की नियुक्ति के बाद यह पद भर गया है। मुतनेजा के सामने सरकार से जुड़े लंबित और नए कानूनी मामलों की पैरवी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। संवैधानिक मामलों से लेकर दीवानी, आपराधिक, श्रम और कंपनी कानून से जुड़े मामलों में सरकार का पक्ष मजबूती से रखना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उनकी नियुक्ति के बाद कानूनी क्षेत्र में भी इसे महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। लंबे अनुभव और विभिन्न कानूनी क्षेत्रों में विशेषज्ञता के कारण सरकार को उम्मीद है कि वह एडवोकेट जनरल के रूप में प्रभावी ढंग से जिम्मेदारी निभाएंगे। नियुक्ति के बाद सरकार से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों में उनकी भूमिका और अधिक अहम हो जाएगी।

हरियाणा टीईटी परिणाम जारी, 16 .57 फीसदी अभ्यर्थी सफल, लेवल-2 में सबसे बेहतर प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटीईटी) का परिणाम घोषित कर दिया है। परीक्षा में शामिल कुल अभ्यर्थियों में से 16.57 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल हुए हैं। इस बार परीक्षा के तीनों स्तरों में सफलता का प्रतिशत अलग-अलग रहा। लेवल-2 का परिणाम सबसे बेहतर रहा, जबकि लेवल-1 में सफलता का प्रतिशत सबसे कम रहा। बोर्ड के अनुसार, एचटीईटी परीक्षा में 1.92 लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने भाग लिया था। घोषित परिणाम के मुताबिक लेवल-1 में केवल 3.53 प्रतिशत अभ्यर्थी ही पात्रता हासिल कर सके। वहीं लेवल-2 में 20.71 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल रहे। लेवल-3 में सफलता का प्रतिशत 16.50 रहा। इस तरह तीनों स्तरों में लेवल-2 का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन शंकर लाल धूपड़ ने एचटीईटी लेवल-1, लेवल-2 और लेवल-3 का परिणाम जारी किया। परिणाम घोषित होने के बाद परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी अपना परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा परिणाम के साथ बोर्ड ने कुछ महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए हैं। बायोमेट्रिक सत्यापन से वंचित रह गए 964 अभ्यर्थियों को बोर्ड ने अंतिम मौका देने का निर्णय लिया है। इन अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना सत्यापन पूरा करना होगा। इसके बाद ही उनकी पात्रता से संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। परीक्षा में पूछे गए विवादित प्रश्नों

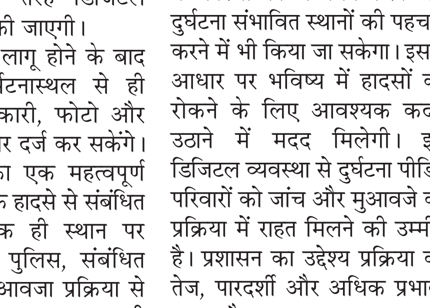

को लेकर भी बोर्ड ने स्थिति स्पष्ट की है। बोर्ड की ओर से विवादित प्रश्नों के संबंध में सभी अभ्यर्थियों को समान अंक दिए गए हैं। इससे ऐसे प्रश्नों को लेकर अभ्यर्थियों के बीच किसी तरह की असमानता न रहे, इसका ध्यान रखा गया है।

एचटीईटी का परिणाम प्रदेश में शिक्षक पात्रता हासिल करने की तैयारी कर रहे हजारों अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। सफल अभ्यर्थी आगामी शिक्षक भर्ती प्रक्रियाओं में पात्रता के अनुसार आवेदन कर सकेंगे। वहीं जिन अभ्यर्थियों को इस बार सफलता नहीं मिली है, उन्हें अगली परीक्षा के लिए फिर से तैयारी का अवसर मिलेगा। परिणाम जारी होने के बाद सफल अभ्यर्थियों में खुशी का माहौल है। वहीं असफल अभ्यर्थियों को आगामी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयारी का अवसर मिलेगा। बोर्ड की ओर से सत्यापन प्रक्रिया को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

रक्षा बंधन और ओणम पर निजामुद्दीन से तिरुवनंतपुरम के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

एजेंसी, नई दिल्ली

सावन, रक्षाबंधन और ओणम के चलते ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में हजरत निजामुद्दीन और तिरुवनंतपुरम सेंट्रल के बीच विशेष ट्रेन संख्या 04080/04079 संचालित की जाएगी। इससे उत्तर भारत से दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। हजरत निजामुद्दीन से विशेष ट्रेन 23 अगस्त को सुबह 6:40 बजे रवाना होगी। वापसी दिशा में तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से यह ट्रेन सुबह पांच बजे चलेगी। ट्रेन के संचालन से उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र समेत दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों को लाभ मिलेगा।

कई प्रमुख स्टेशनों पर होगा ठहराव : विशेष ट्रेन का रास्ते में मथुरा, कोटा, रतलाम, वडोदरा, उधना, वसई रोड, पनवेल, रोहा और रत्नागिरी समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। इसके अलावा ट्रेन थीविम, मडगांव, कारवार, कुम्टा, मूकांबिका रोड बिंदूर, कुंदापुरा, उडुपी, मंगलुरु, कासरगोड, कण्णूर, कोझिकोड और शोरनूर होते हुए आगे जाएगी। केरल में ट्रेन तृश्शूर, अलुवा, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टयम, चेंगन्नूर, कायमकुलम, कोल्लम और वर्कला शिवगिरी स्टेशनों पर भी रुकेगी।

यमुनापार में हो रही पेड़ों की अंधाधुंध कटाई प्रीत विहार में सरकारी पीपल रातोंरात धराशायी

पेड़ गिरने से टूटा बिजली का खंभा, बाल-बाल बचा सुरक्षा गार्ड; पुलिस ने अज्ञात पर किया मामला दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुनापार के कई इलाकों में पेड़ों की कथित अवैध कटाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्रीत विहार थाने से कुछ ही दूरी पर एक बिल्डर द्वारा लोक निर्माण विभाग की सड़क किनारे लगे पुराने पीपल के पेड़ को रात के अंधेरे में काटे जाने का मामला सामने आया है। पेड़ की भारी टहनियां बिजली के तारों पर जा गिरीं, जिससे बिजली का खंभा टूट गया और क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। घटना के दौरान सड़क किनारे मौजूद सुरक्षा गार्ड बाल-बाल बच गया।

कई इलाकों में पेड़ काटने के आरोप : स्थानीय लोगों का आरोप है कि विवेक विहार, प्रीत विहार, चांदबाग, मयूर विहार और आनंद विहार समेत यमुनापार के कई क्षेत्रों में निर्माण और संपत्ति से जुड़े कार्यों के

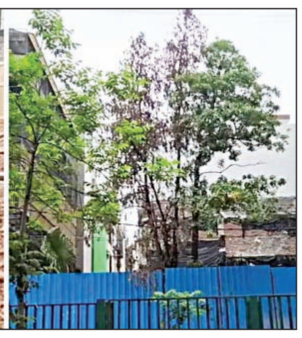

लिए पेड़ों की कटाई की जा रही है। आरोप है कि कुछ मामलों में पेड़ काटने के लिए संबंधित विभागों की अनुमति और कार्रवाई की अनदेखी की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि पेड़ों की कटाई के मामलों में वन विभाग, नगर निगम और पुलिस की भूमिका की जांच होनी चाहिए। लोगों का कहना है कि सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर लगे पेड़ों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की है, लेकिन कार्रवाई नहीं होने से पेड़ काटने वालों के हौसले बढ़ रहे हैं।

चार लाख रुपये में नीम का पेड़ काटने का दावा : स्थानीय सूत्रों के वाले से एक अन्य मामले में दावा किया गया है कि विवेक सी ब्लॉक में एक नीम का पेड़ चार लाख रुपये में काटा गया। आरोप है कि इस रकम का हिस्सा अलग-अलग विभागों के अधिकारियों तक पहुंचाया गया। यह भी दावा किया गया कि कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद मामले में कार्रवाई नहीं होगी और अज्ञात व्यक्ति को आरोपित बनाया जाएगा। इन गंभीर आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। मामले में जनप्रतिनिधियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

आधी रात को काटा गया पेड़ : प्रीत विहार डी ब्लॉक निवासी और अधिवक्ता आदित्य जैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोस में मकान संख्या डी-110 के बाहर कई वर्ष पुराना पेड़ था।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में घायल छात्र ने लगाया आंख की रोशनी प्रभावित होने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को आरक्षण के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान घायल हुए 20 वर्षीय साहिल लोचब की शिकायत पर संसद मार्ग थाना पुलिस ने 21 अगस्त को एफआईआर दर्ज की है। साहिल ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन की प्लेट उनकी दाहिनी आंख के पास लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और आंख की रोशनी प्रभावित हुई।

हरियाणा मूल के साहिल वर्तमान में परिवार के साथ दिल्ली के नजफगढ़ में रहते हैं। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग से पढ़ाई कर रहे हैं। शिकायत के अनुसार उनके पिता चालक हैं और वह तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े हैं। साहिल ने बताया कि उनके पिता दिव्यांग हैं और परिवार की जिम्मेदारियों में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रदर्शन के दौरान लगी चोट : शिकायत के मुताबिक 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों और युवाओं का प्रदर्शन चल रहा था। दोपहर के समय स्थिति बिगड़ने पर लाठीचार्ज और भगदड़ जैसी स्थिति बनी। साहिल अन्य युवाओं के साथ कनॉट प्लेस की ओर बढ़े। उनके अनुसार उस समय उनके हाथ में तिरंगा था और बड़ी संख्या में छात्र एवं युवा मौजूद थे।

साहिल का आरोप है कि इसी दौरान उनकी ओर पैलेट गन से फायर किया गया। इसके बाद उनके चेहरे, हाथ और छाती से खून निकलने लगा तथा दाहिनी आंख से दिखाई देना कम हो गया। उन्हें पहले लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकीय जांच और एमएलसी की गई।

आगरा के संजय प्लेस में फ्लेक्स गोदाम में भीषण आग, सारा सामान जलकर राख

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा के संजय प्लेस स्थित फ्रेंड्स टावर के बेसमेंट में शनिवार सुबह फ्लेक्स के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। देखते ही देखते आग ने गोदाम में रखे फ्लेक्स और अन्य सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की सूचना मिलते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना के समय फ्रेंड्स टावर के प्रथम तल पर बने जिम में कुछ लोग पहुंचे हुए थे। जिम में आए लोगों ने बेसमेंट से धुआं निकलते देखा, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। बेसमेंट में फ्लेक्स का गोदाम होने के कारण आग तेजी से फैल गई। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। राहत की बात रही कि सुबह का समय होने के कारण टावर में ज्यादा भीड़ नहीं थी और आग की घटना के दौरान किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं है। हालांकि, आग के कारण गोदाम में रखा फ्लेक्स और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग से गोदाम संचालक को काफी नुकसान होने की आशंका है।

फिलहाल नुकसान का वास्तविक आकलन किया जा रहा है। आग लगने की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने स्थिति को नियंत्रित किया और यह सुनिश्चित किया कि आग बेसमेंट से टावर के अन्य हिस्सों तक न पहुंचे। समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा नुकसान होने से बच गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हालांकि, आग के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी। दमकल विभाग की टीम घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। सुबह के समय आग लगने के बावजूद लोगों की सतर्कता और समय पर सूचना मिलने के कारण दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंच सकी।

सीएम के काफिले को काले झंडे दिखाने पर सख्त कार्रवाई, कई पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान काफिले को काले झंडे दिखाने और वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में चूक के मामले में पुलिस आयुक्त ने सख्त कार्रवाई की है। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त गुरुग्राम ने पुलिस उपायुक्त पश्चिम करण गोयल और पुलिस उपायुक्त अपराध हितेश यादव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

दोनों अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक को लेकर जवाब मांगा गया है। इसके अलावा सुरक्षा में लापरवाही के मामले में संबंधित थाना प्रभारी (एसएचओ) समेत कई पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री के काफिले की आवाजाही के दौरान सुरक्षा घेरा मजबूत होना चाहिए था, लेकिन प्रदर्शनकारियों के काले झंडे दिखाने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए। पुलिस आयुक्त ने मामले में सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही भविष्य में मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। पुलिस विभाग की इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों में भी हड़कंप मच गया है।

आईआईटी दिल्ली के छात्र ने की आत्महत्या मौके से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी दिल्ली के कैंपस में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 31 वर्षीय छात्र ने इमारत की छठी मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही कॉलेज प्रशासन और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने छात्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की विस्तृत जानकारीपुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक छात्र आईआईटी दिल्ली के एमएससी फिजिक्स विभाग की पढ़ाई कर रहा था।

शनिवार सुबह करीब 8:00 बजे छात्र संस्थान के मुख्य द्वार से कैंपस के अंदर दाखिल हुआ। इसके बाद वह लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स की इमारत में गया और लिफ्ट के जरिए छठी मंजिल पर पहुंचा। वहां से उसने इमारत के सामने की ओर छलांग लगा दी। सुबह करीब 8:33 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए इस दर्दनाक घटना की सूचना प्राप्त हुई। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीमों को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। जांच और वर्तमान स्थितिशुरुआती जांच में सामने आया है कि गिरने के कारण आई गंभीर चोटों के अलावा मृतक के शरीर पर किसी अन्य प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं।

पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। हालांकि, पुलिस ने छात्र की जेब से उसका मोबाइल फोन बरामद कर लिया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस संस्थान से छात्र का काउंसलिंग रिकॉर्ड, शैक्षणिक विवरण और हालिया गतिविधियां मांग रही है।

नोएडा के स्कूल में बिना अनुमति घुसे 'आप नेता 'वीडियो बनाने पर स्टाफ से विवाद; केस दर्ज

एजेंसी, साहिबाबाद

नोएडा के सेक्टर-51 स्थित कंपोजिट स्कूल में बिना अनुमति प्रवेश करने और स्कूल परिसर की व्यवस्थाओं का वीडियो बनाने को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता पंकज अवाना के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि शुक्रवार को पंकज अवाना स्कूल परिसर में पहुंचे और वहां गंदे शौचालय, साफ-सफाई की स्थिति समेत अन्य खामियों का वीडियो बनाने लगे। इस दौरान स्कूल के स्टाफ ने उन्हें वीडियो बनाने से रोकने का प्रयास किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। यह मामला सेक्टर-49 थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, पंकज अवाना बिना पूर्व अनुमति के सेक्टर-51 स्थित कंपोजिट स्कूल में पहुंचे थे। स्कूल परिसर में पहुंचने के बाद उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं और कथित अव्यवस्थाओं को अपने वीडियो में रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। वह विशेष रूप से गंदे शौचालय और स्कूल में फैली गंदगी को लेकर वीडियो बना रहे थे। इसी दौरान स्कूल में तैनात अध्यापक सत्यवीर यादव की नजर उन पर पड़ी। शिक्षक ने पंकज अवाना से वीडियो बनाने को लेकर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि स्कूल में शिक्षण कार्य चल रहा है और वीडियो बनाने से पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

स्टाफ की ओर से पंकज को वीडियो बनाने से मना किया गया। आरोप है कि वीडियो बनाने से रोकने पर पंकज अवाना नाराज हो गए और उन्होंने स्टाफ के साथ चिल्लाते हुए अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद स्कूल परिसर में कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्टाफ और पंकज अवाना के बीच कहासुनी होने की बात सामने आई है। घटना के बाद स्कूल स्टाफ की ओर से सेक्टर-49 थाने में शिकायत दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पंकज अवाना के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर भीषण हादसा, दो कांवड़ियों की मौत; नौ घायल

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर खरखौदा बाईपास के पास शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। करीब पौने तीन बजे डाक कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली को एक डीसीएम (मिनी ट्रक) ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार कांवड़ियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए एनसीआर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा।

वकील पर गोलीकांड: भाजपा पार्षद का बेटा लखनऊ में, गिरफ्तारी के लिए पुलिस का जाल

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में वकील पर गोलीकांड, भाजपा पार्षद का बेटा फरार

प्रयागराज के सलोरी इलाके में अधिवक्ता अंकित कुमार सिंह को गोली मारने के मामले में आरोपी भाजपा पार्षद राजू शुक्ला के बेटे दीपक शुक्ला की लोकेशन लखनऊ में मिली है। वारदात के बाद दीपक शुक्ला प्रयागराज से फरार होकर लखनऊ पहुंच गया। उसकी लोकेशन मिलने के बाद पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए जाल बिछा दिया है और संभावित ठिकानों पर दबिश देने की तैयारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अधिवक्ता अंकित कुमार सिंह को सलोरी इलाके में गोली मारी गई थी।

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए कई लोगों को नामजद किया। इनमें भाजपा पार्षद राजू शुक्ला का बेटा दीपक शुक्ला भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद से दीपक लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। जांच के दौरान पुलिस को उसकी मौजूदगी लखनऊ में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस की टीमें सक्रिय हो गई हैं।

अधिकारियों ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस उसके संपर्क में रहने वाले लोगों और संभावित ठिकानों की भी जानकारी जुटा रही है। मामले में दीपक शुक्ला के नामजद साथी शुभम तिवारी, दिवाकर यादव और निखिल शुक्ला समेत अन्य आरोपियों की भी तलाश जारी है।

पुलिस इन सभी आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद गोलीकांड से जुड़े विवाद और घटना के पीछे की वजह को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

दिल्ली हाई कोर्ट सेप्टिक टैंक में पत्नी का शव फेंकने वाले पति को जमानत नहीं

क्रूरता के आगे मुकदमे में देरी का तर्क खारिज: सेप्टिक टैंक में छुपाए थे पत्नी के शव के टुकड़े

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने पत्नी की नृशंस हत्या कर उसके शव के टुकड़े सेप्टिक टैंक में फेंकने के आरोपी आशु पाल की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि अपराध की भयंकर क्रूरता और गंभीरता को केवल मुकदमे में देरी के आधार पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मामले की पृष्ठभूमि और आरोपयह मामला वर्ष 2019 में दिल्ली के प्रेम नगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 201 (साक्ष्य मिटाना) और 34 के तहत दर्ज एफआईआर से संबंधित है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी आशु पाल और उसके परिवार वाले उसकी पत्नी को तीन बेटियों को जन्म देने के कारण लगातार प्रताड़ित करते थे और दहेज की मांग करते थे।

दिल्ली हाई कोर्ट ने आरोपी पति आशु पाल को जमानत देने से मना किया

मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपी ने खुद पुलिस स्टेशन पहुंचकर कबूल किया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं और अवशेषों को सेप्टिक टैंक में छिपा दिया है। उसी दौरान, मृतका के भाई ने भी पुलिस को फोन कर अपनी बहन की हत्या और घर के सेप्टिक टैंक से शव के टुकड़े मिलने की सूचना दी।

मृतका की मां को आरोपी ने फोन करके हत्या की जानकारी दी थी, जिसे शुरुआत में परिजनों ने गंभीरता से नहीं लिया था, लेकिन अगले दिन घर पहुंचने पर खून के धब्बे और सेप्टिक टैंक में शव मिला। अदालत में बहस और दलीलेंसुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने तर्क दिया कि मुख्य गवाहों (मृतका की मां और भाई) के बयानों में गंभीर विरोधाभास हैं। इसके अलावा, यह दलील भी दी गई कि मामला लंबे समय से लंबित है और मुकदमे की गति बेहद धीमी है, इसलिए आरोपी जमानत का हकदार है।

वहीं, राज्य के अतिरिक्त लोक अभियोजक ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया। पुलिस ने अदालत को बताया कि आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया खून से सना हथियार, मृतका के कपड़े और आभूषण बरामद किए गए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच भी कराई गई है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि अपराध की क्रूरता को देखते हुए आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं होगा।

हाई कोर्ट का निर्णय और सख्त टिप्पणीन्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज कर दी। पीठ ने माना कि यद्यपि मुकदमे में देरी जमानत देने का एक आधार हो सकती है, लेकिन यह एकमात्र आधार नहीं है। अदालत उस जघन्य और नृशंस तरीके से आंखें नहीं मूंद सकती, जिस प्रकार एक महिला की हत्या कर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े किए गए और उन्हें सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया। अदालत ने माना कि अपराध का तरीका और परिस्थितियां बेहद गंभीर हैं, जिसके आधार पर याचिका खारिज की जाती है।

रेवाड़ी में दर्दनाक सड़क हादसा रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर

एजेंसी, नई दिल्ली

रेवाड़ी जिले में नारनौल हाईवे पर काठूवास टोल के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां रोडवेज बस ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान मनोज कुमार के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान सुरेंद्र के रूप में बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मनोज कुमार अपने दोस्त सुरेंद्र के साथ बाइक पर सवार होकर नारनौल हाईवे से गुजर रहा था। दोनों काठूवास टोल के समीप पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही रोडवेज बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर जा गिरे।

हादसे में मनोज कुमार को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। वहीं सुरेंद्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल सुरेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मनोज कुमार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस रोडवेज बस चालक की भूमिका की भी जांच कर रही है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

पुलिस ने मृतक मनोज कुमार के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी ली जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रोडवेज बस ने बाइक को पीछे से टक्कर मारी थी। पुलिस बस चालक से पूछताछ कर रही है। हादसे के वास्तविक कारणों और लापरवाही की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हादसे की खबर मिलते ही मनोज कुमार के परिजन अस्पताल और घटनास्थल की ओर रवाना हो गए।

परिवार को जैसे ही उसकी मौत की सूचना मिली, घर में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सुरेंद्र के परिजन भी उसके गंभीर रूप से घायल होने की खबर से चिंतित हैं और अस्पताल में उसके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

प्रदेश में भूस्खलन से 112 सड़कें अवरुद्ध, कई जगह बिजली गुल

मानसून से अब तक 1,110 करोड़ रुपए का नुकसान, 221 लोगों की मौत

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले दो-तीन दिनों से धीमा पड़ा मानसून शनिवार को एक बार फिर सक्रिय हो गया। राज्य के कई हिस्सों में सुबह तेज बारिश हुई।

चंबा, हमीरपुर और शिमला में बारिश का असर ज्यादा दिखाई दिया। राजधानी शिमला में तेज बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और मौसम में हल्की ठंडक महसूस की गई। विभाग के अनुसार 23 से 28 अगस्त के बीच भी राज्य के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हो सकती है। हालांकि, इस अवधि के लिए कोई अलर्ट या विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है। इससे संकेत है कि आने वाले दिनों में मानसून की गतिविधि अपेक्षाकृत धीमी रह सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान कांगड़ा

जिले में कई जगह अच्छी बारिश दर्ज की गई। धर्मशाला में 68 मिलीमीटर, नगरोटा सूरियां में 60 मिलीमीटर, कांगड़ा में 51 मिलीमीटर और सुजानपुर टीहरा में 38 मिलीमीटर बारिश हुई। लगातार बारिश का असर राज्य की सड़कों, बिजली और पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक भूस्खलन और बारिश के कारण प्रदेश में 112 सड़कें बंद थीं। इसके अलावा 138 बिजली ट्रांसफार्मर और 35 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित रहीं। सड़क और बिजली व्यवस्था में मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है।

यहां 46 सड़कें बंद हैं और 42 बिजली ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे हैं। कुल्लू में 32 सड़कें बंद हैं और 21 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हैं। सड़क बंद होने से कई इलाकों में लोगों की आवाजाही पर असर पड़ा है। अन्य जिलों में बिजली व्यवस्था की बात करें तो चंबा में 12, कांगड़ा में छह, शिमला, सिरमौर और ऊना में पांच-पांच ट्रांसफार्मर बंद हैं। सिरमौर में 40 और हमीरपुर में 31 ट्रांसफार्मर प्रभावित बताए गए हैं। हमीरपुर में 30 पेयजल योजनाएं भी बंद हैं। मानसून की बारिश से इस साल राज्य में अब तक बड़े स्तर पर नुकसान हुआ है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मानसून सीजन में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 221 लोगों की मौत हुई है। इस दौरान 87 घर, 15 दुकानें और 322 पशुशालाएं पूरी तरह ध्वस्त हुई हैं। 361 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। राज्य में मानसून से अब तक करीब 1,110 करोड़ रुपये की संपत्ति को नुकसान हुआ है। इसमें सबसे बड़ा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। विभाग को करीब 825 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया गया है।

वोट बैंक की राजनीति का विषय नहीं वंदे मातरम : अनुराग ठाकुर

◆ वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम व राष्ट्रीय चेतना की आवाज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने वंदे मातरम के सम्मान, गरिमा और ऐतिहासिक विरासत की रक्षा को लेकर भाजपा द्वारा पारित प्रस्ताव का स्वागत किया है। उन्होंने कांग्रेस वर्किंग कमेटी द्वारा 1937 के उस प्रस्ताव को दोबारा पुष्ट किए जाने की आलोचना की, जिसमें राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन को केवल प्रथम दो अंतरों तक सीमित रखने की बात कही गई थी।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि वंदे मातरम केवल गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम, बलिदान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसकी विरासत को वोट बैंक की राजनीति का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम और उसके प्रतीक किसी एक राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे देश की साझा धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि किसी राजनीतिक दल की वर्किंग कमेटी का प्रस्ताव देश की संवैधानिक संस्थाओं और संसद से ऊपर नहीं हो सकता। स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम को साहस, त्याग और राष्ट्र गौरव के मंत्र के रूप में अपनाया था।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन ने भी इसके प्रभाव को रोकने का प्रयास किया था। अनुराग ठाकुर ने कहा कि भाजपा वंदे मातरम् के इतिहास और राष्ट्रीय महत्व को देशभर में पहुंचाएगी तथा युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन में इसके योगदान से अवगत करवाएगी। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् की भावना राष्ट्र गौरव, एकता और सेवा से जुड़ी है और विकसित भारत के संकल्प में भी इसका महत्व कायम रहेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वंदे मातरम् के सम्मान और ऐतिहासिक विरासत से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मंडी में कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ किया धरना प्रदर्शन, राष्ट्रीय गान के अपमान का लगाया आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंपा ठाकुर की अध्यक्षता में गांधी भवन में राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर बैठक आयोजित की गई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में भाजपा के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा पर विधानसभा में राष्ट्रीय गान का अपमान करने का आरोप लगाया गया।

चंपा ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा और आरएसएस ने हमेशा राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गान और वंदे मातरम का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा की कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का जोरदार विरोध करती रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारतीय संविधान में विश्वास रखने वाली पार्टी है, जो सभी जाति, समुदाय और वर्गों को साथ लेकर चलती है। राहुल गांधी के संघर्ष में कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता मजबूती से उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई से लेकर देश के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आज भी जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। चंपा ठाकुर ने भाजपा सरकार पर महंगाई, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और नोटबंदी जैसे मुद्दों को लेकर भी निशाना साधा। धरने में विभिन्न ब्लॉकों के अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, प्रदेश अनुसूचित जाति अध्यक्ष, जिला प्रवक्ता रामलाल शर्मा, संजय कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम शानदार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जीवन ज्योति कॉलेज ऑफ नर्सिंग, चांदपुर के बीएससी नर्सिंग प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेहनत, लगन और नियमित अध्ययन का परिचय दिया, जिससे कॉलेज प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है। परिणाम में कोमल कुमारी, प्रियंका चौहान और शिवाली डोगरा ने 7.00 सीजीपीए प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान हासिल किया। स्नेहा ने 6.50 सीजीपीए प्राप्त किया। वहीं, श्वेता पाठक, नेहा कौंडल, गुनगुन ठाकुर, रेखा कुमारी, शगुन राणा, रेणुका देवी, मैशा शर्मा और सानिया देवी ने 6.00 सीजीपीए हासिल कर सफलता प्राप्त की। प्रधानाचार्य, कॉलेज प्रबंधन व शिक्षकगण ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को संस्थान के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यार्थियों ने भी माता-पिता, शिक्षकों और कॉलेज प्रबंधन का आभार जताया तथा भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

भगेड़ स्कूल में इतिहास व सामाजिक विज्ञान के शिक्षक नहीं

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भगेड़ में इतिहास और सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के पद रिक्त होने से करीब 300 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मार्च से दोनों विषयों की नियमित कक्षाएं नहीं लग पा रही हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और आगामी परीक्षाओं की तैयारी पर असर पड़ने की चिंता है। शिक्षकों की कमी को देखते हुए विभाग की ओर से कुछ समय के लिए एक शिक्षक को डेपुटेशन पर स्कूल भेजा गया था, लेकिन डेपुटेशन अवधि पूरी होने के बाद शिक्षक के वापस लौटने से समस्या दोबारा खड़ी हो गई। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही विद्यार्थी नियमित शिक्षकों की नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। मार्च और अप्रैल बीतने के बावजूद दोनों विषयों के पद नहीं भरे गए हैं। अब मिड टर्म परीक्षाएं भी नजदीक हैं, जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) ने शिक्षा विभाग से इतिहास और सामाजिक विज्ञान के रिक्त पदों को शीघ्र भरने की मांग की है, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू हो सके।

राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे पर कांग्रेस का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। शिमला संसदीय क्षेत्र से सांसद सुरेश कश्यप ने शनिवार को नाहन स्थित अपने कार्यालय में जन समस्याएं सुनीं। जिला के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने सांसद के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। कश्यप ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों में समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद मीडिया से बातचीत में सांसद सुरेश कश्यप ने 'वंदे मातरम' के केवल दो छंदों के गायन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है और कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'वंदे मातरम' के केवल दो छंद गाने का निर्णय इसी मानसिकता को दर्शाता है। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में राष्ट्रगीत के केवल दो छंद गाने पर सहमति जताई थी और आज भी उसी रुख पर कायम है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' देश के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा महत्वपूर्ण राष्ट्रगीत है और इसके सम्मान को लेकर किसी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे संविधान की प्रति लेकर चलते हैं, लेकिन दूसरी ओर संसद की व्यवस्थाओं और निर्णयों का पालन नहीं कर रहे हैं। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पार्टी और उसकी कांग्रेस कार्यसमिति देश के संविधान और संसद से ऊपर हैं।

प्रिंसिपल मंजरी वी महाजन को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

5 सितंबर को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित, हिमाचल से इस साल एकमात्र चयन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीएम श्री सीबीएसई सुजानपुर टीहरा की प्रधानाचार्य मंजरी वी. महाजन को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय व बहुमूल्य योगदान के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया जाएगा।

देशभर से चयनित 48 शिक्षकों में उनका चयन हुआ है। 5 सितंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें सम्मानित करेंगी। मंजरी वी. महाजन के नेतृत्व में विद्यालय ने शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और विद्यालय प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। वर्ष 2026 में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विद्यालय को हिमाचल प्रदेश सरकार के पर्यावरण नेतृत्व पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। इससे पहले वर्ष 2025 में विद्यालय को पर्यावरण संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वेस्ट वारियर पुरस्कार मिला था। वर्ष 2026 में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) की ओर से नवीन एवं अभिनव शैक्षिक प्रथाओं को प्रभावी रूप से लागू करने वाले देश के चयनित विद्यालय प्रमुखों में भी मंजरी वी. महाजन का चयन हुआ। उन्होंने एनआईईपीए के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए विद्यालय की सतत विकास एवं अभिनव कार्यप्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में विद्यालय को विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र और सीपीसीबी की ओर से सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए लगातार दो बार ग्रीन स्कूल स्तर की उपलब्धि भी मिली। हिमाचल की एकमात्र शिक्षिका राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए इस वर्ष हिमाचल प्रदेश से मंजरी वी. महाजन का चयन हुआ है। उनके चयन से सुजानपुर और पूरे हिमाचल में शिक्षा जगत में खुशी का माहौल है।

मंजरी महाजन को सीएम व विधायक ने दी बधाई

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित सुजानपुर की प्रधानाचार्य मंजरी वी. महाजन को प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और सुजानपुर के विधायक कैप्टन रंजीत सिंह ने बधाई दी है। दोनों नेताओं ने अपने-अपने फेसबुक पेज के माध्यम से मंजरी महाजन की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षक पुरस्कार के लिए हिमाचल से मंजरी महाजन का चयन प्रदेश के लिए गौरव की बात है। वहीं, विधायक कैप्टन रंजीत सिंह ने भी उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि से सुजानपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है।

सेब की पेटियों में छिपाकर ले जा रहे थे 17 किलो चूरापोस्त, दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब-जम्मू-कश्मीर सीमा पर स्थित अंतरराज्यीय माधोपुर नाके पर सुजानपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सेब से भरे ट्रक से 17 किलो चूरापोस्त बरामद किया है।

पुलिस ने मामले में ट्रक सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नशे की खेप सेब की पेटियों के बीच छिपा रखी थी। एसएसपी पठानकोट के निर्देशों पर थाना सुजानपुर की पुलिस टीम ने माधोपुर नाके पर विशेष नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू की थी। इसी दौरान जम्मू-कश्मीर की ओर से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस ने ट्रक के केबिन और माल की बारीकी से जांच की तो सेब की पेटियों के बीच छिपाकर रखा गया 17 किलो चूरापोस्त का बोरा बरामद हुआ। पुलिस ने तुरंत दोनों आरोपियों को

हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कश्मीर से सेब की बिल्टी बनवाकर उसकी आड़ में नशीले पदार्थ की खेप मध्य प्रदेश ले जा रहे थे। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सतनाम सिंह का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड सामने आया है। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अवैध शराब तस्करी का मामला दर्ज है। पुलिस दोनों आरोपियों के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है, ताकि नशे की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके।

हमीरपुर के कई क्षेत्रों में आज बंद रहेगी बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। बिजली उपमंडल-2 हमीरपुर में 23 अगस्त को लाइनों व उपकरणों की आवश्यक मरम्मत और पेड़ों की काट-छांट के कार्य के चलते वार्ड नंबर 5, 7, 8, 9, ठाकुर नर्सिंग होम, एचआरटीसी वर्कशॉप, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बाईपास, बसंत रिजॉर्ट्स, हमीर अस्पताल, हमीरपुर पब्लिक स्कूल, मोरिंग मॉल, अप्पर, मिडल एवं लोअर गौड़ा, रिलायंस टॉवर, उसयाना, लोहारडा, सीवरेज प्लांट, भोटा चौक, हथली, फायर स्टेशन, पुलिस लाइन दोसड़का और आस-पास के क्षेत्रों में सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी। सहायक अभियंता सौरभ राय ने बताया कि अगर 23 अगस्त को मौसम खराब रहा तो मरम्मत का कार्य 30 अगस्त को किया जाएगा। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील भी की है।

पांच स्वास्थ्य संस्थानों के लिए 1 .33 करोड़ मंजूर : जम्वाल

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लोगों को घर-द्वार के नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने वाले पांच स्वास्थ्य संस्थानों की हालत जल्द सुधरेगी।

केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 की आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए पीडीएनए के तहत इन संस्थानों के लिए करीब 1.33 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया है। यह जानकारी सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने दी। उन्होंने बताया कि आपदा के दौरान क्षेत्र के कई स्वास्थ्य संस्थान क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे उनके सुचारू संचालन में डॉक्टरों, अन्य कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इन संस्थानों के सुधार के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव और एस्टीमेट भेजे गए थे, जिसके बाद बजट स्वीकृत हुआ। स्वीकृत राशि में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरलोग के लिए 92.86 लाख रुपए, स्वास्थ्य उपकेंद्र बल्हचुराणी के लिए 15.81 लाख रुपए तथा स्वास्थ्य उपकेंद्र जमथल, नोग और गुग्गा भटेड़ के लिए 7.91 लाख रुपए शामिल हैं। त्रिलोक जम्वाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल की लगातार मदद कर रही है।

उन्होंने बताया कि सदर क्षेत्र में आपदा से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए भी पीडब्ल्यूडी को पीडीएनए के तहत करीब 36 करोड़ रुपए मिले हैं। उन्होंने कहा कि हरलोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दर्जनों पंचायतों के हजारों लोगों को सेवाएं देता है। करीब 93 लाख रुपए से इसके सुधार से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। अन्य संस्थानों के सुधरने से भी संबंधित क्षेत्रों के लोगों को लाभ होगा।

शादी का झांसा देकर लाखों के गहने ले गई मां-बेटी

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर के हरिपुरधार क्षेत्र में शादी तय होने के बाद युवती और उसकी मां द्वारा लाखों रुपए के आभूषण लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। दिल्ली निवासी विपिन वालिया ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाकर कार्रवाई और गहनों की बरामदगी की मांग की है। शिकायत के अनुसार 21 अगस्त को बिचौलिए अरविंद के माध्यम से परिवार को हरिपुरधार बुलाया गया था। गेस्ट हाउस में युवती को देखने के बाद रिश्ता तय हो गया। शगुन के तौर पर युवती को करीब 2.20 लाख के सोने व हीरे के आभूषण दिए गए। बिचौलिए को भी 31 हजार दिए गए। शादी अगले दिन 22 अगस्त को तय हुई थी। दिल्ली जाते समय युवती और उसकी मां ने नाहन मेडिकल कॉलेज में अपने रिश्तेदार से मिलने की इच्छा जताई। अस्पताल पहुंचने के बाद दोनों गहनों समेत फरार हो गईं। काफी देर इंतजार के बाद परिवार को धोखाधड़ी का पता चला। एसपी ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। पुलिस युवती, उसकी मां व बिचौलिए की भूमिका की जांच कर रही है।

आपदा में संचार व्यवस्था का मजबूत विकल्प बनेगा हैम रेडियो

हैम रेडियो कार्यशाला का समापन, छह जिलों के प्रशिक्षुओं ने लिया प्रशिक्षण

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मंडी के संयुक्त तत्वावधान में डीआरडीए सभागार मंडी में आयोजित तीन दिवसीय हैम रेडियो कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। कार्यशाला में प्रदेश के छह जिलों से आए प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों को तीन टीमों में विभाजित कर उन्हें फील्ड में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान पहली टीम ने ढागासीधार में हैम रेडियो का बेस कैंप स्थापित किया, जबकि दूसरी टीम कांगनीधार और तीसरी टीम जोनल अस्पताल मंडी क्षेत्र में पहुंची। प्रतिभागियों ने विभिन्न स्थानों पर हैम रेडियो स्थापित करने, उसके संचालन तथा आपातकालीन परिस्थितियों में इसके प्रभावी इस्तेमाल का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान आपदा के समय संचार व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षकों ने

बताया कि प्राकृतिक आपदा के दौरान मोबाइल नेटवर्क और अन्य पारंपरिक संचार माध्यम बाधित होने अथवा पूरी तरह ठप होने की स्थिति में हैम रेडियो महत्वपूर्ण वैकल्पिक संचार माध्यम साबित हो सकता है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को एंटीना सहित विभिन्न संचार तकनीकों, रेडियो उपकरणों के संचालन तथा सैटेलाइट आधारित संचार व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा आपातकालीन स्थिति में संचार लिंक स्थापित करने का अभ्यास भी करवाया गया। प्रशिक्षक नीलकंठ चटर्जी ने कहा कि आपदा के समय निर्बाध संचार व्यवस्था बनाए रखना राहत एवं बचाव कार्यों के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में हैम रेडियो प्रभावी माध्यम के रूप में काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को इस तकनीक का प्रशिक्षण भविष्य में काफी उपयोगी साबित होगा कार्यशाला में नीलकंठ चटर्जी, विल्किस वॉल्टर जैम्स और सयानी डे ने प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दीं। तीनों प्रशिक्षक एमेच्योर रेडियो भारत (ऑस्कर इंडिया) से जुड़े हैं। कार्यशाला में एनडीआरएफ, पुलिस, लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, विद्युत विभाग, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कहा कि प्रशिक्षण से आपदा के दौरान वैकल्पिक संचार व्यवस्था स्थापित करने की क्षमता मजबूत हुई है।

एआई में करियर के लिए तकनीकी कौशल व व्यावहारिक ज्ञान पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय पॉलिटेक्निक कांगड़ा के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए 'एआई इंजीनियर का रोडमैप: उद्योग के लिए आवश्यक कौशल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सफल करियर प्रोफाइल का निर्माण' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई के क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों, तकनीकी कौशल, उद्योग की अपेक्षाओं और भविष्य की संभावनाओं से अवगत करवाना रहा।

विशेषज्ञ वक्ता इंजीनियर भूपेंद्र शर्मा, जो एआई क्षेत्र की एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर एआई इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं, ने विद्यार्थियों को एआई में सफल करियर के लिए आवश्यक तकनीकी एवं व्यावहारिक कौशल की जानकारी दी। उन्होंने नवीनतम तकनीकों और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयारी करने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने तथा अपने तकनीकी कौशल को लगातार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के व्याख्याता इंजीनियर अविनाश शर्मा ने विभागाध्यक्ष एनके सेपाहिया के समन्वय से किया। विभाग ने प्रधानाचार्य आरएस बरवाल के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार जताया। व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। इससे उन्हें एआई क्षेत्र में करियर की संभावनाओं और उद्योग-उन्मुख कौशल विकसित करने के लिए उपयोगी मार्गदर्शन मिला।

बिलासपुर के कुछ क्षेत्रों में आज बिजली बंद रहेगी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शहर के कुछ क्षेत्रों में रविवार, 23 अगस्त को आवश्यक बिजली मरम्मत कार्य के चलते बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता बिजली उपमंडल-द्वितीय ई. रविंद्र चौधरी ने बताया कि रौड़ा अनुभाग के तहत बिजली लाइनों की आवश्यक मरम्मत, पेड़ों की छंटाई तथा जीओ स्विच के पार्ट बदलने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्य के चलते लुहणू, खैरियां, बैहल कंडेला, एचआरटीसी वर्कशॉप, बोर्ड कॉलोनी, जल शक्ति विभाग विश्रामगृह, माउंट कैलेबरी स्कूल तथा आसपास के क्षेत्रों में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से मरम्मत कार्य के दौरान सहयोग बनाए रखने की अपील की है। विभाग के अनुसार आवश्यक रखरखाव कार्य का उद्देश्य बिजली लाइनों और संबंधित उपकरणों को बेहतर एवं सुरक्षित स्थिति में रखना है, ताकि भविष्य में बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने में मदद मिल सके। विभाग ने लोगों से निर्धारित समय के दौरान सहयोग करने का आग्रह किया है।

तारिणी संस्कृत महाविद्यालय में पीटीए की नई कार्यकारिणी गठित

हरीश चंद ठाकुर को मिली पीटीए की कमान

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। स्थानीय तारिणी राजकीय स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय सोलन में छात्र-अभिभावक संघ (पीटीए) की आम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए संघ की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें हरीश चंद ठाकुर को पीटीए का नया प्रधान चुना गया।

आम सभा के दौरान अभिभावकों और महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने, महाविद्यालय के विकास तथा छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में अभिभावकों ने विभिन्न सुझाव भी रखे। सभी ने महाविद्यालय प्रशासन और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के हित में मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। नई कार्यकारिणी में नेहा शर्मा को उपप्रधान, विक्रम शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा डॉ. विनय कुमार शर्मा को सचिव चुना गया।

कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। नवनियुक्त प्रधान हरीश चंद ठाकुर ने नई जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सभी अभिभावकों और महाविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नई कार्यकारिणी विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों से जुड़े विषयों के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रमेश शर्मा ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीटीए विद्यार्थियों, अभिभावकों और महाविद्यालय प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। उन्होंने अभिभावकों से महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. विनय कुमार, डॉ. भानु शर्मा, आचार्य सुरेश शर्मा भारद्वाज, डॉ. पवन कुमार गौतम, डॉ. देव कुमार नेगी, डॉ. आशा शर्मा, पंकज सूद तथा विपिना ठाकुर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अभिभावक मौजूद रहे। नई कार्यकारिणी के गठन पर उपस्थित सदस्यों ने पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि पीटीए विद्यार्थियों तथा महाविद्यालय के विकास में प्रभावी भूमिका निभाएगा।

हिमाचल के विकास के लिए पीएम से जयराम की मुलाकात महत्वपूर्ण : अजय

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर हिमाचल के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करना प्रदेश हित में एक सार्थक पहल है। इस मुलाकात का राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है कि हिमाचल के विकास के लिए केंद्र और प्रदेश के बीच टकराव नहीं, बल्कि बेहतर समन्वय जरूरी है।

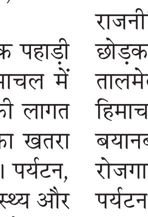

अजय राणा ने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण हिमाचल में सड़क और रेल निर्माण की लागत अधिक है तथा आपदा का खतरा भी लगातार बना रहता है। पर्यटन, बागवानी, जलविद्युत, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में केंद्र का सहयोग प्रदेश के लिए अत्यंत आवश्यक है। ऐसे में प्रधानमंत्री के समक्ष हिमाचल की आवाज मजबूती से रखना प्रदेश के हितों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जयराम ठाकुर के मुख्यमंत्री कार्यकाल में एम्स बिलासपुर, मेडिकल कॉलेजों, सड़क-कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य और पर्यटन सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण काम आगे बढ़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हिमाचल को अनेक बड़ी परियोजनाएं दी हैं। अब आवश्यकता है कि इस विकास यात्रा को और गति दी जाए। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार को केंद्र के साथ राजनीतिक टकराव की नीति छोड़कर हिमाचल के हित में बेहतर तालमेल स्थापित करना चाहिए। हिमाचल की जनता को राजनीतिक बयानबाजी नहीं, सड़क, रेल, रोजगार, निवेश, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में धरातल पर परिणाम चाहिए। अजय राणा ने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि हिमाचल का विकास है। राजनीति चुनाव तक हो सकती है, लेकिन हिमाचल का विकास आने वाली पीढ़ियों का सवाल है।

मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही का संचालन करने विधानसभा सचिवालय पहुंचने पर सलामी लेते विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया।

विधानसभा में वंदे मातरम पर दूसरे दिन भी हंगामा

विधानसभा अध्यक्ष ने की शांत रहने की अपील; सत्ता पक्ष और विपक्ष में टकराव, विधानसभा की कार्यवाही दो बार रोकी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शनिवार को भी राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध बना रहा। कांग्रेस और विपक्षी भाजपा के सदस्य इस मुद्दे पर एक-दूसरे के सामने आ गए। हंगामा और नारेबाजी जैसी स्थिति के बीच विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया को सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी।

पहली बार विधानसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर दोपहर दो बजे तक स्थगित की गई। दोपहर दो बजे सदन की बैठक दोबारा शुरू हुई, लेकिन गतिरोध खत्म नहीं हुआ। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यवाही सोमवार 24 अगस्त को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी। कार्यवाही स्थगित करने से पहले विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कई बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों से सदन चलाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने दोनों पक्षों से शांत रहने और सदन की कार्यवाही आगे बढ़ने देने का आग्रह किया, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ।

वंदे मातरम की मांग करना राष्ट्रीय गान का अपमान: मुख्यमंत्री सुक्खू

इसके जवाब में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विपक्ष पर राष्ट्रीय गान के अपमान का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून सत्र की कार्यवाही शुरू होने के पहले ही दिन राष्ट्रीय गीत की मांग करना राष्ट्रीय गान का अपमान है। उन्होंने कहा कि सदन की परंपरा के अनुसार सत्र की शुरुआत राष्ट्रीय गान से और समापन राष्ट्रीय गीत से होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दी हैं और पार्टी हमेशा राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत का सम्मान करती रही है। उन्होंने भाजपा पर छद्म राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता की बात करने का आरोप लगाया। सुक्खू ने भाजपा पर प्रदेश सरकार के एक मंत्री के वाहन पर लगे तिरंगे के अपमान का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब मंत्री सिराज विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर थे, उस समय भी भाजपा की ओर से तिरंगे का अपमान किया गया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के विरोध को ड्रामेबाजी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देशभक्त पार्टी रही है और आगे भी राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत का पूरा सम्मान करती रहेगी।

देश संविधान के आधार पर चलेगा, किसी सीडब्ल्यूडी के फरमान से नहीं: जयराम

प्रश्नकाल खत्म होने के बाद नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने वंदे मातरम के गायन का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस आरोप से इनकार किया कि भाजपा विधायकों ने राष्ट्रीय गीत का अपमान किया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि यदि सरकार के पास इस संबंध में कोई तथ्य है तो सदन के भीतर राष्ट्रीय गीत के समय की वीडियो रिकॉर्डिंग दिखाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद जिस राष्ट्रीय गीत को लेकर निर्णय हुआ है, उसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि समुदाय विशेष को खुश करने के लिए इस तरह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश संविधान के आधार पर चलेगा, किसी सीडब्ल्यूडी के फरमान से नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन के अंदर और बाहर यह गलत प्रचार किया जा रहा है कि भाजपा ने राष्ट्रीय गान का अपमान किया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि यह आरोप तथ्यों के विपरीत है।

मंडी में 3 साल में 27 हत्याएं, 178 चोरी के मामले

मंडी जिले में पिछले करीब तीन वर्षों में हत्या की 27 और चोरी की 178 वारदातें दर्ज हुई हैं। इस अवधि में जिले में पुलिस के विभिन्न श्रेणियों के 178 पद भी खाली हैं। यह जानकारी मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को विधानसभा में बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी के सवाल के लिखित जवाब में दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 अगस्त 2023 से 31 दिसंबर 2023 के बीच मंडी जिले में हत्या के आठ मामले दर्ज हुए थे। वर्ष 2024 में सात, वर्ष 2025 में चार और वर्ष 2026 में 1 अगस्त तक हत्या के आठ मामले सामने आए। इस तरह इस अवधि में हत्या के कुल 27 मामले दर्ज हुए। चोरी के मामलों की बात करें तो 1 अगस्त 2023 से 31 दिसंबर 2023 के बीच जिले में 30 मामले दर्ज हुए। वर्ष 2024 में चोरी के 69, वर्ष 2025 में 54 और वर्ष 2026 में 1 अगस्त तक 25 मामले दर्ज किए गए। इन सभी को मिलाकर चोरी के कुल 178 मामले सामने आए। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंडी जिला पुलिस में विभिन्न श्रेणियों के कुल 178 पद रिक्त हैं। वर्ष 2024 में पुलिस के 92 पद खाली थे। वर्ष 2025 में रिक्त पदों की संख्या 124 रही और 1 अगस्त 2026 की स्थिति में यह संख्या बढ़कर 178 हो गई। उन्होंने बताया कि मंडी जिले में कार्यकारी पुलिस के तहत निरीक्षक के दो, उप निरीक्षक के चार और सहायक उप निरीक्षक के 14 पद खाली हैं। इन पदों को निकट भविष्य में पदोन्नति के माध्यम से भरा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य आरक्षी के 61 खाली पदों को पदोन्नति से भरने का मामला हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में विचाराधीन है। हाईकोर्ट के निर्णय के बाद इन पदों को नियमानुसार पदोन्नति के माध्यम से भरा जाएगा। इसके अलावा कांस्टेबल के 800 पदों को भरने के लिए हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग को भर्ती की मांग पहले ही भेजी जा चुकी है। सरकार की ओर से इन पदों को भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से भरने की कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में मंडी जिले में कार्यकारी पुलिस के कुल 1080 पद स्वीकृत हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर जिले में मारपीट, धमकी और लापरवाही से मौत के सात मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने विभिन्न थानों में लापरवाही से मौत, मारपीट, रास्ता रोकने, धमकी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सात अलग-अलग आपराधिक मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने मामलों की पुष्टि करते हुए बताया कि संबंधित धाराओं के तहत आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना कोट कहलूर में झारखंड निवासी सचिन माझी की शिकायत पर निर्माण कंपनी के पांच अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। आरोप है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा इंतजाम नहीं होने के कारण एक मजदूर की गिरने से मौत हो गई। थाना सदर में रामलाल शर्मा की शिकायत पर बंटी और मोनू के खिलाफ कमरे में घुसकर मारपीट व धमकी देने का केस दर्ज किया गया। थाना भराड़ी में मीनाक्षी की शिकायत पर सुरेंद्र कुमार के खिलाफ मारपीट व धमकी, जबकि झण्डूता में सतीश कुमार का रास्ता रोककर मारपीट करने पर केशव के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। तलाई क्षेत्र में भी मारपीट, रास्ता रोकने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के तीन मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों की जांच जारी है।

युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयुष विभाग की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौलतपुर में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा परिवार और समाज में भी नशा मुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और स्टाफ ने नशा मुक्ति की शपथ भी ली। एएएम (आयुष) तकीपुर की प्रभारी डॉ. गरिमा कश्यप ने कार्यक्रम में विशेष रूप से सहभागिता की। जागरूकता कार्यक्रम में कुल 407 लाभार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 201 छात्र, 181 छात्राएं और 25 स्टाफ सदस्य शामिल रहे। आयोजकों ने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना नशा मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. रंजीत ने विद्यार्थियों व स्टाफ को खिलाई धाम

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के केमिस्ट्री विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. रंजीत 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में उन्होंने शनिवार को महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों और नॉन-टीचिंग स्टाफ के लिए बिलासपुरी धाम का आयोजन किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने बताया कि प्रो. रंजीत विद्यार्थियों के बीच बेहद लोकप्रिय शिक्षक रहे हैं। उन्होंने ईमानदार, मेहनती व समर्पित शिक्षक के रूप में संस्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सेवानिवृत्त होने से महाविद्यालय को निश्चित रूप से क्षति होगी। इस अवसर पर विद्यार्थियों और स्टाफ ने प्रो. रंजीत का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद के सुखद एवं स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रो. रंजीत ने बताया कि उन्होंने 1993 से 1999 तक स्कूल कैडर में सेवाएं दीं। इसके बाद 1999 से 2026 तक कॉलेज कैडर में बिलासपुर, ज्वाली और घुमारवीं में सेवाएं प्रदान कीं।

छात्राओं को स्वास्थ्य व साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय महाविद्यालय मटौर में महिला प्रकोष्ठ की ओर से शुक्रवार को छात्राओं के लिए जनरल हाउस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना रहा। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रो. शिवानी दत्ता ने छात्राओं को दैनिक व्यक्तिगत स्वच्छता और माहवारी के दौरान साफ-सफाई के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर भी छात्राओं को सतर्क किया तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक किया। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर होने वाली ऑनलाइन ठगी के उदाहरण देते हुए उन्होंने अनजान लोगों से सावधान रहने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करने की सलाह दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने छात्राओं को कार्यक्रम में दी गई जानकारी को व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सेनेटरी नैपकिन मशीन के उपयोग की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर प्रो. सुदेश कुमारी, डॉ. नीतू सिन्हा, सिम्मी कुमारी और कुशला देवी उपस्थित रहीं।

शतरंज में अंजलि शर्मा ने जीता पहला स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में अंतरवर्गीय प्रतियोगिताओं-2026 के दूसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। विद्यार्थियों ने बास्केटबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस, कबड्डी, वुशू, जूडो और कुश्ती में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शतरंज के महिला वर्ग में अंजलि शर्मा ने प्रथम, भूमिका शर्मा ने द्वितीय और अनिशा ठाकुर ने तृतीय स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग में भुवनेश्वर शर्मा प्रथम, ललित द्वितीय और बादल तृतीय रहे। बैडमिंटन महिला वर्ग में गुलशन प्रथम और जानवी द्वितीय, जबकि पुरुष वर्ग में रिधिम प्रथम और वंश द्वितीय रहे। टेबल टेनिस पुरुष वर्ग में नमन कुमार मेहता ने पहला तथा शुभम राठौर ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। बास्केटबॉल पुरुष वर्ग में लूजर टीम प्रथम और हेयर जॉर्डन द्वितीय रही। महिला वर्ग में नॉन स्टॉप बॉलर्स ने पहला और करी क्रॉसओवर्स ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने विजेताओं को बधाई देते हुए विद्यार्थियों को खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आयोजन सचिव डॉ. सुनील सेन ने कहा कि प्रतियोगिता से अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभावान खिलाड़ियों के चयन में मदद मिलेगी।

पांवटा साहिब में 25 अगस्त को कैंपस इंटरव्यू

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जिला रोजगार अधिकारी देविंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मेसर्ज तपन इडस्ट्रीज नीयर बाता पुल पांवटा साहिब में विभिन्न श्रेणियों के 13 पदों को भरने के लिए उप-रोजगार कार्यालय पांवटा साहिबं में 25 अगस्त, 2026 को कैम्पस इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए शैक्षिणक योग्यता 12वीं, आईटीआई/स्नातक तथा आयु 18 से 45 वर्ष रखी गई है। इच्छुक अभयर्थी अपने साथ अपनी शैक्षणिक तथा योग्यता संबंधी सभी दस्तावेज स्थायी हिमाचली प्रमाण पत्र रिज्यूम, आधारकार्ड, 2 पासपोर्ट साईज फोटो सहित अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र लेकर 25 अगस्त, 2026 को प्रातः 10:30 बजे कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते है।

'वंदे मातरम' पर कांग्रेस का रवैया दोहरे राजनीतिक चरित्र को दर्शाता है: सिकंदर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर राज्यसभा सांसद प्रो. (डॉ.) सिकंदर कुमार ने कांग्रेस सरकार और उसके विधायकों के आचरण पर कड़ा रोष जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति के चलते राष्ट्रीय मर्यादाओं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रही है।

डॉ. सिकंदर कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि 'वंदे मातरम' देश के स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्रोत रहा है और इसे लेकर संसद तथा देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय मर्यादाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' से आपत्ति क्यों है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा एक गरिमामयी संवैधानिक संस्था है। ऐसे में विधानसभा में राष्ट्रगीत को लेकर विरोध का माहौल बनना लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है। डॉ. कुमार ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी और उसकी कांग्रेस कार्यसमिति संविधान और संसद से ऊपर हैं? राज्यसभा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा राष्ट्रगीत के केवल दो छंद गाने का फैसला और विधानसभा में इसे लेकर हुआ विरोध कांग्रेस के दोहरे राजनीतिक रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रभावना से जुड़े विषयों को राजनीतिक लाभ-हानि के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि हिमाचल प्रदेश वीरों, सैनिकों और बलिदानियों की भूमि है। प्रदेश के लोगों के लिए मातृभूमि का सम्मान सर्वोपरि है।

एसओएस परीक्षाओं का शेड्यूल जारी, 17 सितंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के तहत 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षाओं की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि पूर्ण विषय, री-अपीयर, श्रेणी सुधार और अतिरिक्त विषयों की परीक्षाएं 17 सितंबर 2026 से प्रदेशभर में शुरू होंगी। भारी बारिश या कंपार्टमेंट के कारण परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों को भी इसमें अवसर दिया गया है। सभी लिखित परीक्षाएं सुबह 9:45 बजे से दोपहर एक बजे तक होंगी। आठवीं की परीक्षाएं 17 से 24 सितंबर, दसवीं की 17 से 28 सितंबर और 12वीं की 17 सितंबर से 6 अक्तूबर तक आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 8 से 17 अक्तूबर तक राजकीय एवं मान्यता प्राप्त अध्ययन केंद्रों में होंगी। संबंधित विषयों के अध्यापक प्रश्नपत्र तैयार करेंगे।

जल जीवन मिशन की 1,081 योजनाओं का काम अटका

◆ जल जीवन मिशन के 1,227 करोड़ रुपए केंद्र से लंबित: मुकेश अग्निहोत्री

◆ जल जीवन मिशन की लंबित राशि का मामला केंद्र के समक्ष उठाएगी सरकार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शनिवार को हिमाचल विधानसभा में विधायक मोहन लाल ब्राक्टा के सवाल के जवाब में प्रश्नकाल में कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार से 1,227 करोड़ रुपए की राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है। राशि जारी नहीं होने के कारण प्रदेश में 1,081 पेयजल योजनाओं का काम अधूरा पड़ा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 1 और 2 सितंबर को नई दिल्ली में जल जीवन मिशन को लेकर बैठक होगी। इस बैठक में राज्य सरकार केंद्र से लंबित राशि जल्द जारी करने का मामला उठाएगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत हिमाचल प्रदेश के लिए 6,395 करोड़ रुपए मंजूर हुए थे। इससे 1,747 योजनाओं का निर्माण किया जाना था। केंद्र से बकाया राशि नहीं मिलने के कारण 1,081 योजनाओं का काम अटक गया है। मोहन लाल ब्राक्टा ने रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की अधूरी पेयजल योजनाओं का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 16 पेयजल योजनाओं को पूरा करने के लिए करीब 8 करोड़ रुपये की जरूरत है। विभाग ने इन योजनाओं का काम पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री से धन उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विभाग को 100 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध करवाई है। इस राशि में से कुछ धन रोहड़ू विधानसभा क्षेत्र की अधूरी योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। ब्राक्टा ने कहा कि जिन पेयजल योजनाओं का काम पूरा हो चुका है, उन्हें जल्द लोगों को समर्पित किया जाना चाहिए।

उन्होंने ठेकेदारों की बकाया देनदारियों का भुगतान करने की मांग भी उठाई। मूल सवाल के जवाब में बताया गया कि 31 योजनाओं में विभाग का काम पूरा हो चुका है, लेकिन इनसे जुड़े ठेकेदारों की 5.54 करोड़ रुपए की राशि अभी बकाया है।

रावी नदी में पैर फिसलने से 15 वर्षीय प्रवासी लापता

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। रावी नदी में तेज बहाव के कारण 15 वर्षीय प्रवासी किशोर राकेश कुमार के बह जाने का मामला सामने आया है। घटना के करीब 24 घंटे बाद भी किशोर का कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों और साथी मजदूरों ने प्रशासन पर राहत एवं बचाव कार्य में देरी का आरोप लगाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 4 से 5 बजे राकेश कुमार साथी मजदूरों के साथ काम खत्म करने के बाद रावी नदी पार कर रहा था। नदी का बहाव तेज था। इसी दौरान किनारे पर चलते हुए अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज धारा में वह बह गया। परिजनों और मजदूरों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद मौके पर अब तक गोताखोर या आपदा राहत टीम नहीं पहुंची। वहीं, जलस्तर बढ़ने से स्टोन क्रेशर पर रखा कच्चा माल भी नदी में बह गया। परिजनों ने प्रशासन से तत्काल सर्च अभियान चलाकर किशोर को तलाशने की मांग की है।

पठानकोट में तीन युवकों ने ऑटो चालक को लूटा

डिफेंस रोड से सुनसान रास्ते पर ले जाकर ऑटो चालक से की मारपीट

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में तीन अज्ञात युवकों ने सवारी बनकर एक ऑटो चालक से मारपीट कर उसका ऑटो और मोबाइल फोन लूट लिया।

आरोपियों ने चालक को चौंते वाले खूह (डिफेंस रोड) जाने के बहाने ऑटो में बैठाया और बाद में बातों में उलझाकर सुनसान रास्ते पर ले गए। वारदात के बाद तीनों आरोपी ऑटो लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता छोटू राम ने पुलिस को बताया कि 21 अगस्त को सुबह करीब 11:30 बजे वह अपना पियाजियो ऑटो लेकर पठानकोट सिटी रेलवे स्टेशन पर खड़ा था। इसी दौरान तीन युवक उसके पास आए और चौंते वाले खूह जाने का किराया पूछा। दोनों पक्षों के बीच 300 रुपए किराया तय हुआ और तीनों ऑटो में बैठकर डिफेंस रोड की ओर रवाना हो गए। डिफेंस रोड पहुंचने के बाद युवकों ने सुजानपुर जाने की बात कही और अधिक किराया देने का भरोसा दिलाया। सुजानपुर पुल नंबर-4 पहुंचने पर उन्होंने गांव फूल प्यारा जाने को कहा।

चालक ने अधिक दूरी और किराए की बात कही, लेकिन युवकों ने पूरा किराया देने की बात कहकर उसे फूल प्यारा चलने के लिए राजी कर लिया। शिकायत के अनुसार, फूल प्यारा से पहले यूबीडीसी हाइडल नहर के पुल के पास युवकों ने ऑटो को नहर की पटरी की ओर कच्चे रास्ते पर मोड़ने को कहा। कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद उन्होंने जबरन ऑटो रुकवा लिया। दोपहर करीब 12:30 बजे तीनों ने चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसका मोबाइल फोन छीनकर ऑटो लेकर फरार हो गए। चालक ने आरोपियों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वे ऑटो लेकर भागने में सफल रहे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच कर रहे एसआई जगदीश सिंह ने बताया कि तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस वारदात स्थल और आरोपियों के संभावित भागने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

अमृतसर से बिलासपुर तक चिट्टा सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़, 6 काबू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर से बिलासपुर तक सक्रिय चिट्टा सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कार्रवाई में कुल करीब 175.5 ग्राम चिट्टा और दो लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

धराड़सानी हार, झंडूता में नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने वाहन को रोककर उसमें सवार पांच लोगों से करीब 132 ग्राम चिट्टा और दो लाख रुपए नकद बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविंद्र कुमार निवासी बैरी दड़ोलां, रणजीत सिंह, विशाल सिंह, आशुतोष चन्देल उर्फ अंकुश तथा आकाशदीप के रूप में हुई है। मामले में थाना झंडूता में केस दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने आशुतोष चंदेल के बैहना जट्टां स्थित घर से करीब 41 ग्राम तथा प्रवेश गुप्ता के घुमारवीं स्थित घर से 2.5 ग्राम चिट्टा बरामद किया। पुलिस के अनुसार रणजीत सिंह और आकाशदीप अमृतसर से चिट्टा उपलब्ध कराने में शामिल थे, जबकि विशाल सिंह इसे बिलासपुर लाकर स्थानीय पेडलर्स रविंद्र कुमार, प्रवेश गुप्ता और आशुतोष चन्देल को बेचता था। इसके बाद चिट्टा आगे ग्राहकों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस के मुताबिक नेटवर्क झंडूता, घुमारवीं और बिलासपुर सदर क्षेत्रों में काफी समय से सक्रिय था। आरोपियों से पूछताछ कर अन्य सप्लायरों, पेडलर्स, खरीदारों और वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी नशा तस्करी और अन्य अपराधों के मामले दर्ज पाए गए हैं।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर कांग्रेस का रवैया दुर्भाग्यपूर्ण : वीरेंद्र कंवर

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। राष्ट्रीय वॉलीबाल फेडरेशन के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र कंवर ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस के रवैये को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कांग्रेस एक बार फिर देशहित और राष्ट्रीय भावना से जुड़े विषय पर अनावश्यक विवाद खड़ा कर रही है।

वीरेंद्र कंवर ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वर्ष 2026 में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में इसे राष्ट्रीय चेतना, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक के रूप में सम्मानित किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने भी इस ऐतिहासिक अवसर पर देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम् के पूर्ण गायन को लेकर आपत्ति जताना और अपनी पुरानी व्यवस्था के तहत केवल दो अंतरों तक सीमित रखने का निर्णय लेना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस कार्यसमिति ने बीते 19 अगस्त को पार्टी कार्यक्रमों में केवल पहले दो अंतरे गाने की अपनी पुरानी व्यवस्था को दोहराया है। कंवर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन भी वंदे मातरम को लेकर विवाद सामने आया, जिससे सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और वहां राष्ट्रीय भावनाओं से जुड़े विषयों पर राजनीतिक टकराव के बजाय गरिमा और सकारात्मक दृष्टिकोण दिखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से तुष्टीकरण की राजनीति के चलते राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों पर भ्रम और विवाद की स्थिति पैदा करती रही है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता संग्राम और करोड़ों भारतीयों की राष्ट्रीय भावना से जुड़ा गीत है। इसे राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रतीक के रूप में सम्मान दिया जाना चाहिए।

इतिहास सोसायटी मीडिया क्लब ने कुलपति से की भेंट

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के इतिहास विभाग की इतिहास सोसायटी एवं मीडिया क्लब के पदाधिकारियों ने विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी से भेंट की। इस दौरान सोसायटी की अध्यक्ष मनीषा और उपाध्यक्ष लखविंदर ने विभाग की अकादमिक, शोध, सांस्कृतिक और मीडिया गतिविधियों की जानकारी दी। कुलपति ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए उन्हें ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष केंद्र स्थापित करने तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योग जगत की संस्थाओं से एमओयू भी किए जाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता और जिम्मेदारी विकसित कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में धूमधाम से मनाया गया तीज पव

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, बधानी कॉलेज पठानकोट में तीज का त्योहार धूमधाम व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में डॉ. पल्लवी (आईएएस), उपायुक्त पठानकोट, बतौर मुख्यातिथि शामिल हुईं।

संस्थान पहुंचने पर चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज, उपाध्यक्ष रिया पुंज, डायरेक्टर रणजीत सिंह सहित प्रबंधन, स्टाफ और विद्यार्थियों ने उनका भव्य स्वागत किया। एमडी तृप्ता पुंज ने डॉ. पालवी को गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ. पालवी ने स्टाफ और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तीज भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार विशेष रूप से महिलाओं के लिए आस्था, सौभाग्य व पारिवारिक मंगलकामना का प्रतीक है। सावन के महीने में मनाए जाने वाले इस पर्व पर महिलाएं व्रत रखकर पूजा-अर्चना करती हैं तथा मेहंदी, चूड़ियों और पारंपरिक श्रृंगार के माध्यम से अपनी संस्कृति से जुड़ाव प्रदर्शित करती हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं और महिला स्टाफ ने पारंपरिक परिधानों में हिस्सा लिया। तीज से जुड़े गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और पारंपरिक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला और विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर पुनीत सवाल, नीलाक्षी सैनी, डॉ. नेहा तुली, डॉ. सतिंदरजीत कौर, डॉ. वहूति, डॉ. अलका, दीपिका, रितिका, पलविंदर कौर, सबनम, मरुत, सिमरन, कुसुम, श्रीकांची, सुमन, हरप्रीत कौर सहित अन्य स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी मौजूद रहे। संस्थान प्रबंधन ने कहा कि भारतीय त्योहारों को शिक्षण संस्थानों में मनाने का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध संस्कृति और विरासत से परिचित करवाना है।

जूलिया ग्विन का खूबसूरत अंदाज

जर्मनी। जूलिया ग्विन जर्मनी की प्रसिद्ध महिला फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने अपनी तेज गति, शानदार तकनीक और मैदान पर प्रभावशाली प्रदर्शन से पहचान बनाई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने महत्वपूर्ण मुकाबलों में अपनी प्रतिभा दिखाई। उनकी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।

विदेश में तीन साल में पहली सीरीज जीतने उतरेगा भारत

श्रीलंका के साथ दूसरे टेस्ट मैच में गिल-जायसवाल की नजरें बड़े स्कोर पर

एजेंसी, कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर तीन साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।

गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे। जायसवाल की समस्या थोड़ी और गंभीर है। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ नयी दिल्ली में शतक बनाने के बाद इस सलामी बल्लेबाज ने अपनी पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। जायसवाल तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट या चिप शॉट खेलकर आउट हो रहे हैं जो चिंताजनक है। गॉल में पहली पारी में रन आउट होने के बाद जायसवाल दूसरी पारी में भी इसी तरह से आउट हुए थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने खेल के इस पहलू में सुधार करने के लिए शुक्रवार को एसएससी में नेट पर काफी समय बिताया।

संभावित टीमें

भारत। शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी, सरफराज खान।

श्रीलंका। धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरु उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस, साहन अरच्चिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांता, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायका, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

नीरज ने लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मी. दूर फेंका भाला

श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने खिताब जीता

एजेंसी, लुसाने

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने दूसरे प्रयास में 88.05 मीटर भाला फेंका। 28 साल के नीरज ने दूसरे प्रयास में पिछले एक साल का सबसे बेहतर थ्रो फेंका। यह उनके इस सीजन का भी सबसे अच्छा थ्रो रहा, लेकिन, वे श्रीलंका के रुमेश पथिराजे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रहे। पथिरागे ने 88.14 मीटर के साथ खिताब जीता। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पथिरागे ने पिछले महीने ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड जीता था और नीरज को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। 23 साल के रुमेश पथिराजे ने तीसरे राउंड में 88.14 मीटर का थ्रो किया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने नीरज को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया और खिताब जीता। पथिराजे इस सीजन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लुसान में उन्होंने नौ खिलाड़ियों के स्टार खिलाड़ियों से सजे मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया।

डायमंड लीग में दूसरा बेस्ट थ्रो

नीरज चोपड़ा का 88.05 मीटर का थ्रो जून 2025 में पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान किए गए 88.16 मीटर के प्रदर्शन के बाद सबसे अच्छा रहा। हालांकि, वे ज्यूरिख में आयोजित हुई डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे।

स्पोर्ट्स विंडो

फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लगातार 25वें सीजन गोल किया

एजेंसी, रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो लगातार 25 सीजन में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के दिग्गज फुटबॉलर ज्लातान इब्राहिमोविच का लगातार 24 सीजन में गोल करने का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 21 अगस्त को सऊदी प्रो लीग में अल नास्र ने अल रियाद को 4-0 से हराया। 41 साल के रोनाल्डो सब्स्टीट्यूट के तौर पर 62वें मिनट में मैदान पर उतरे और 83वें मिनट में टीम का चौथा गोल किया। यह उनके प्रोफेशनल करियर का 977वां गोल है। रोनाल्डो ने अपने प्रोफेशनल करियर के 25वें सीजन की शुरुआत भी गोल के साथ की। उन्होंने 2002-03 सीजन में स्पोर्टिंग सीपी के लिए अपना पहला गोल किया था। इसके बाद वह हर सीजन में कम से कम एक गोल करने में कामयाब रहे हैं।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी से भिड़ने पर मेसी पर लगा जुर्माना

एजेंसी, मियामी। इंटर मियामी के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी क्विन सुलिवन के साथ शुक्रवार को मैदान पर हुई झड़प के मामले में अज्ञात राशि का जुर्माना लगाया है। मेसी के इंटर मियामी साथी इयान फ्रे पर भी जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मैच के अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हुई, जब मेसी गेंद के खेल में होने के दौरान क्विन सुलिवन का सामना करने के लिए सेंटर सर्किल की ओर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद मेसी ने सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा। एमएलएस की अनुशासन समिति ने कहा कि मेसी और फ्रे पर 'विपक्षी खिलाड़ी के चेहरे, सिर या गर्दन पर हाथ लगाने संबंधी लीग की नीति का उल्लंघन' करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। घटना के दौरान मेसी और सुलिवन को रेफरी ने कोई कार्ड नहीं दिखाया। हालांकि, मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प में फिलाडेल्फिया के क्विन के छोटे भाई और टीम साथी कैवन सुलिवन तथा इंटर मियामी के मिडफील्डर यानिक ब्राइट को लाल कार्ड दिखाया गया था।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली। गेंदबाजों और मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में शनिवार देर रात आउटर दिल्ली वॉरियर्स को सात विकेट से हरा दिया। राइडर्स ने 135 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आउटर दिल्ली वॉरियर्स की टीम 19.1 ओवर में 134 रन पर ऑलआउट हो गई। ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। एक समय आउटर दिल्ली की टीम 68 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी। हर्ष त्यागी ने 33 गेंदों पर 36 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और पूरी टीम 134 रन पर सिमट गई। ईस्ट दिल्ली की ओर से मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। आशीष मीणा ने भी तीन विकेट हासिल किए और 25 रन दिए। सिमरजीत सिंह ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट झटके।

भारतीय गोल्फर शुभंकर ने नेक्सो चैंपियनशिप में कट में जगह बनाई

एजेंसी, एबरडीनशर। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पिछली चार प्रतियोगिताओं में कट से चूकने बाद नेक्सो चैंपियनशिप के अंतिम दो राउंड में जगह बनाकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने दूसरे राउंड में इवन-पार का स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने छठे होल में होल इन वन (पहले शॉट में गेंद को होल में डालना) के साथ दिन का सबसे बेहतरीन शॉट लगाया। पहले राउंड में 73 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया। इस तरह से 36 होल के बाद उनका कुल स्कोर एक ओवर 145 हो गया है और वह 22वें स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में खेल रहे दूसरे भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू (75-79) कट से चूक गए।

रायदुर्ग में जमीन ने रचा इतिहास एक एकड़ 264 करोड़ में बिका

एजेंसी, हैदराबाद। हैदराबाद के रायदुर्ग आईटी कॉरिडोर में जमीन की नीलामी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम की ऑनलाइन नीलामी में एक एकड़ जमीन 264 करोड़ रुपये में बिकी। इसकी शुरुआती कीमत 175 करोड़ रुपये प्रति एकड़ थी। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद एमएसएन रियल्टी ने सबसे ऊंची बोली लगाई। पूरी वाणिज्यिक भूमि की बिक्री से सरकार को 1,386 करोड़ रुपये की आय हुई। रायदुर्ग में बड़ी तकनीकी कंपनियों के कार्यालय और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण जमीन की मांग बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस रिकॉर्ड बिक्री से आसपास के क्षेत्रों में भी जमीन और व्यावसायिक संपत्तियों के दाम बढ़ सकते हैं।

कोको गॉफ सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी, सिनसिनाटी

अमेरिका के खिलाड़ियों ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखा है और उसके चार खिलाड़ी पुरुष और महिला वर्ग के एकल के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे हैं। कोको गॉफ ने 10वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। जीत के बाद गॉफ ने कहा, 'यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। उम्मीद है, हम डबल टाइटल जीत सकते हैं। ऐसा होने के लिए और मैच खेलने होंगे। हम पक्का एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।' सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

टी20 क्रिकेट का भविष्य, लेकिन टेस्ट और वनडे प्रारूपों को बनाए रखना भी जरूरी : चमिंडा वास

एजेंसी, कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने टी20 के बढ़ते चलन और फ्रेंचाइजी आधारित लीग के बढ़ते प्रभाव के बीच टेस्ट और वनडे प्रारूपों को जीवित रखने के लिए संबंधित लोगों से उचित कदम उठाने का आग्रह किया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ संजोग गुप्ता ने हाल ही में टिप्पणी की थी कि ''प्रतिस्पर्धा के अभाव वाली द्विपक्षीय श्रृंखलाओं का युग समाप्त होना चाहिए।' इस बयान ने एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वास ने पीटीआई से कहा, ''मुझे लगता है कि भविष्य में अधिकतर देश टी20 खेलना चाहेंगे। टी20 ही भविष्य का खेल है। लेकिन सभी बोर्डों को यह समझना चाहिए कि टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट ही इस खेल का चरम हैं और उन्हें इन दोनों प्रारूपों को बनाए रखने के लिए कदम उठाने चाहिए।'

दूसरे टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 8 विकेट पर 165

बांग्लादेश 64 रन पर ऑलआउट

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा। मिचेल स्टार्क ने सिर्फ 22 गेंदों में 5 विकेट लेकर बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर समेट दी। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट किया और कुल 10 ओवर में 12 रन देकर 6 विकेट लिए। शनिवार को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट लेकर जवाब दिया। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया 40 ओवर में 165/8 बना चुका है। टीम की कुल बढ़त 101 रन है।

स्टार्क ने 22 गेंदों पर लिए 5 विकेट

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्टार्क ने पहली गेंद पर शादमान इस्लाम को स्लिप में कैच कराया। इसके बाद उन्होंने तंजीद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतो को लगातार गेंदों पर आउट किया। इसके बाद स्टार्क ने मोमिनुल हक और लिटन दास को भी पवेलियन भेज दिया। इस तरह उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 5 विकेट पूरे कर लिए। स्टार्क ने करीब 42 मिनट में अपना फाइव-विकेट हॉल पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 19वां फाइव-विकेट हॉल है।

दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होंगी निगाहें

एजेंसी, बेंगलुरु

टी20 क्रिकेट में धूम मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी को रविवार से यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र की तरफ से उत्तर पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने रिकॉर्ड को सुधारने का मौका मिलेगा। इस 15 वर्षीय खिलाड़ी ने बिहार के लिए आठ प्रथम श्रेणी मैचों की 12 पारियों 17 से अधिक के औसत से रन बनाए हैं जो कि आकर्षक नहीं हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन है।

इस तरह से देखा जाए तो सूर्यवंशी लाल गेंद के क्रिकेट में अभी भी एक अनुभवहीन खिलाड़ी हैं, लेकिन दलीप ट्रॉफी में सबसे कमजोर मानी जाने वाली उत्तर पूर्व की टीम के खिलाफ उन्हें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुछ रन बनाने और आत्मविश्वास हासिल करने का मौका मिलेगा। पूर्वी क्षेत्र की टीम में कप्तान ईशान किशन, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, अभिमन्यु ईश्वरन, कुमार कुशाग्र, शाहबाज अहमद और मुकेश कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, लेकिन हमेशा की तरह सूर्यवंशी ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींचेंगे।

क्षेत्रीय चयन समिति ने उन्हें उपकप्तान नियुक्त किया है। कभी भारत की टीम में जगह बनाने की चाह रखने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण टूर्नामेंट रहे दलीप ट्रॉफी अब महज बीसीसीआई के कैलेंडर में एक और टूर्नामेंट बनकर रह गया है क्योंकि अधिकतर खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में नहीं हैं।

आईफोन की चाहत ने ली पूरे परिवार की जान

पहाड़ी से कूदा बेटा, बचाने गए पिता भी गिरे, सदमे में मां ने भी लगाई छलांग

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को एक परिवार में आईफोन को लेकर हुए झगड़े का अंत बेहद दुखद हुआ। शहर के तीसगांव इलाके के 300 फुट ऊंचे खवड्या पहाड़ से गिरकर एक ही परिवार के बेटे-पिता और मां की जान चली गई। पुलिस के मुताबिक, बेटे ने आईफोन तो खरीद लिया था, लेकिन वह इसकी ईएमआई नहीं चुका पा रहा था। ईएमआई चुकाने के लिए वह परिवार से पैसे मांग रहा था।

इसे लेकर उसकी अपने पिता के साथ कहासुनी हो गई। यहीं से इस दर्दनाक घटना की शुरुआत हुई। कहासुनी के बाद कुणाल गुस्से में घर से निकल गया। खवड्या पहाड़ पर चढ़ गया। मरने वालों की पहचान कुणाल चांदगुडे (18 साल), पिता मुरलीधर चांदगुडे (48 साल) और मां संगीता चांदगुडे (42 साल) के रूप में हुई है।

पहाड़ी के किनारे 4 घंटे खड़ा रहा कुणाल

घटना के चश्मदीद और गांव के पूर्व सरपंच संजय ने बताया, 'कुणाल सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक 300 फुट ऊंची पहाड़ पर खड़ा था। बार-बार अपनी जगह बदल रहा था। उसकी मां लगातार रोते हुए बेटे से नीचे आने की गुहार कर रही थी, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था।' उन्होंने बताया 'मैंने भी उसे समझाते हुए कहा कि तुम पढ़े-लिखे हो, ऐसा कदम मत उठाओ, लेकिन कुणाल पर कोई असर नहीं हुआ। चार साल पहले कुणाल के छोटे भाई की भी मौत हो चुकी है। इस हादसे के बाद पूरा परिवार खत्म हो गया।'

7000 करोड़ की लागत से बिछेगी 1800 किलोमीटर लंबी एलपीजी पाइपलाइन

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में एलपीजी की आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करीब 7,000 करोड़ रुपये के निवेश से 1,800 किलोमीटर लंबी नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने सार्वजनिक क्षेत्र की गेल की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन पाइपलाइनों के बनने से एलपीजी को सड़क मार्ग से टैंकरों के जरिए पहुंचाने पर निर्भरता कम होगी और आपूर्ति अधिक सुरक्षित तथा भरोसेमंद बनेगी। नई परियोजनाओं में तेलंगाना से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड तथा महाराष्ट्र से गोवा और कर्नाटक तक पाइपलाइन शामिल हैं। इसके बाद देश का साझा एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर 9,500 किलोमीटर हो जाएगा। पाइपलाइन के माध्यम से परिवहन से लॉजिस्टिक लागत, सड़क पर यातायात दबाव और कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है। साथ ही खतरनाक ईंधन ले जाने वाले टैंकरों की आवाजाही घटने से सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी। भारत आयातित एलपीजी पर काफी निर्भर है और इसका बड़ा हिस्सा तटीय आयात केंद्रों से देश के अंदरूनी क्षेत्रों तक पहुंचाया जाता है। ऐसे में विस्तारित पाइपलाइन नेटवर्क आपूर्ति व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाएगा और मांग बढ़ने या आपात स्थिति में भी गैस की उपलब्धता बनाए रखने में मदद करेगा।

चीन में ऑटो कंपनियों को 40 लाख कारें वापस मंगवाने के आदेश

एजेंसी, बीजिंग

चीन के रेग्युलेटर ने सेफ्टी चिंताओं को देखते हुए टेस्ला और कई प्रमुख चीनी इलेक्ट्रिक गाड़ी बनाने वाली कंपनियों को 40 लाख से ज्यादा गाड़ियां वापस मंगाने को कहा है। यह इस साल का सबसे बड़ा ऑटो रिकॉल है, जो मुख्य रूप से गाड़ियों के फ्लश या हिडन छिपे हुए डोर हैंडल में आ रही दिक्कतों से जुड़ा है। चीन के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन के मुताबिक, अमेरिकी कार निर्माता कंपनी टेस्ला

29.8 लाख टेस्ला गाड़ियों में डोर हैंडल की सेफ्टी रिस्क

चीन में बनी और इंपोर्ट की गई लगभग 29.8 लाख ईवी वापस मंगा रही है। कंपनी सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए डोर हैंडल से जुड़ी इस तकनीकी समस्या का सही करेगी, ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में कोई जोखिम न रहे।

गन्ने की फसल प्रभावित होने से बढ़े चीनी के दाम : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में त्योहारी सीजन से पहले चीनी की कीमतों में करीब 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। इस बीच सरकार ने स्पष्ट किया है कि चीनी के दाम बढ़ने के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, कीमतों में तेजी का मुख्य कारण गन्ने के उत्पादन में कमी और मांग में बढ़ोतरी है। इस सीजन में गन्ने की फसल बीमारियों और अधिक बारिश से प्रभावित हुई, जिससे उत्पादन पर असर पड़ा। सरकार ने बताया कि एथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के डायवर्जन की हिस्सेदारी पिछले वर्षों की तुलना में कम हुई है। वहीं, वर्तमान में एथेनॉल का बड़ा हिस्सा मक्का जैसे अन्य अनाजों से तैयार किया जा रहा है। वैश्विक बाजार में भी मौसम संबंधी चिंताओं और उत्पादन घटने के अनुमान के कारण चीनी की आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है। हालांकि सरकार का कहना है कि घरेलू मांग पूरी करने के लिए देश में पर्याप्त चीनी का भंडार उपलब्ध है।

साझेदारी तेल-गैस से जैव ईंधन तक भारत-मॉरीशस की साझेदारी को मिली नई दिशा

पांच साल तक मॉरीशस को ईंधन देगा इंडियन ऑयल

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और मॉरीशस के बीच तेल, गैस और जैव ईंधन क्षेत्र में सहयोग को नई मजबूती मिली है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की 20-21 अगस्त की मॉरीशस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सरकारी स्तर पर समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस समझौते में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति, अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के साथ जैव ईंधन के क्षेत्र में सहयोग का प्रावधान किया गया है। यह समझौता दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऊर्जा संबंधों को अधिक मजबूत और संस्थागत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और मॉरीशस की स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन के बीच पांच वर्ष का दीर्घकालिक बिक्री-खरीद समझौता भी हुआ। इसके तहत इंडियन ऑयल मॉरीशस की पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन की पूरी जरूरत के बराबर आपूर्ति करेगा। दक्षिण एशिया से बाहर किसी भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनी द्वारा किया गया यह पहला दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता बताया गया है। इससे मॉरीशस की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत की विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्तिकर्ता के रूप में भूमिका और बढ़ेगी।

हरदीप सिंह पुरी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम सहित वहां के कई वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात कर ऊर्जा और आर्थिक सहयोग से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने पोर्ट लुई के मेर रूज में इंडिया ऑयल मॉरीशस लिमिटेड की 27.5 हजार टन क्षमता वाली बंकर मरीन फ्यूल भंडारण सुविधा के भूमिपूजन समारोह में भी हिस्सा लिया। यह सुविधा दोनों देशों के ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।